नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

द न्यूज फिफ्टीन

जन-जन की आवाज

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :02 | अंक : 225 | नई दिल्ली, बुधवार 13 नवंबर 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 | हुमा कुरैशी ने ठुकराई दो बड़ी फिल्में... पेज-12

एक नजर

सीआईएसएफ की पहली महिला बटालियन के गठन को मंजूरी

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने महिला सशक्तिकरण और राष्ट्रीय सुरक्षा में उनकी भूमिका बढ़ाने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की पहली महिला बटालियन के गठन की मंजूरी दे दी है। सीआईएसएफ के प्रवक्ता ने मंगलवार को यहां बताया कि बल उन महिलाओं के लिए पसंदीदा विकल्प रहा है जो केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में देश की सेवा करना चाहती हैं और बल में उनकी हिस्सेदारी 7 प्रतिशत से अधिक है। महिला बटालियन के गठन से देश भर में महत्वाकांक्षी युवा महिलाओं को बल में शामिल होने और देश की सेवा करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। इससे बल में महिलाओं को एक नई पहचान मिलेगी। सीआईएसएफ मुख्यालय ने नई बटालियन के मुख्यालय के लिए प्रारंभिक भर्ती, प्रशिक्षण और स्थान के चयन की तैयारी शुरू कर दी है। प्रशिक्षण को विशेष रूप से एक उत्कृष्ट बटालियन बनाने के लिए डिजाइन किया जा रहा है जो वीआईपी सुरक्षा और हवाई अड्डों, दिल्ली मेट्रो रेल कर्तव्यों की सुरक्षा में कमांडो के रूप में बहुविध भूमिका निभाने में सक्षम हो।

झारखंड की महिलाओं को मंईयां योजना की राशि मिली खटाखट: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इंडिया गठबंधन को महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए समर्पित बताते हुए कहा है कि उसकी इसी प्रतिबद्धता के कारण झारखंड की माता-बहनों के खातों में सोमवार को मंईयां सम्मान योजना के तहत चौथी किस्त खटखट पहुंच गई है।

श्री गांधी ने कहा, झारखंड की माताओं-बहनों के खातों में कल मंईयां सम्मान योजना की चौथी किश्त खटाखट- खटाखट चली गई है। यह योजना महिलाओं को महंगाई से लड़ने और स्वाभिमान के साथ जीने में विशेष रूप से मदद कर रही है, इसीलिए हमने इसके तहत मिलने वाली राशि को और बढ़ाने का निर्णय लिया है। दिसंबर से झारखंड की महिलाओं को 2500 रुपए की सम्मान राशि दी जाएगी। राज्य की 53 लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा, मैंने पहले भी कहा था और फि र दोहरा रहा हूं-भाजपा ने जितना पैसा अपने अरबपति मित्रों को दिया है, उससे ज्यादा इंडिया गठबंधन महिलाओं, युवाओं, किसानों और गरीबों को उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए देगा।

अफगानी छात्र को दूतावास के कर्मचारी के रूप में अनुमति

नई दिल्ली। भारत स्थित अफगानिस्तान के दूतावास में एक के सिवाय सभी राजनयिकों के छोड़ कर अन्यत्र जाने के बाद उत्पन्न अभूतपूर्व स्थिति में भारत में अध्ययनरत एक अफगान छात्र को दूतावास के कर्मचारी के रूप में अनुमति दे दी है। हालांकि उसे राजनयिक के रूप मे मान्यता देने में असमर्थता जताई है। सूत्रों ने इस बारे में पूछे जाने पर कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान शासन के आने के बाद पिछले तीन वर्षों में, भारत में अफगान दूतावास और वाणिज्य दूतावासों में कार्यरत अफगान राजनयिकों ने विभिन्न पश्चिमी देशों में शरण मांगी है और भारत छोड़ दिया है। एक अकेले पूर्व राजनयिक, जिन्होंने भारत में रहना जारी रखा है, ने किसी तरह अफगान मिशन/वाणिज्य दूतावास को चालू रखा है। सूत्रों ने कहा कि हालाँकि तथ्य यह है कि भारत में एक बड़ा अफगान समुदाय स्थित है, जिसे कांसुलर सेवाओं की आवश्यकता है।

उत्तर प्रदेश : मथुरा रिफाइनरी में भीषण धमाका

10 अफसर-कर्मचारी झुलसे

मथुरा, एजेंसी। मथुरा रिफाइनरी में मंगलवार की देर शाम शटडाउन के बाद स्टार्टअप एक्टिविटी के दौरान अचानक धमाके के बाद आग लग गई। इसमें एक अधिकारी समेत 10 कर्मचारियों के झुलसने की खबर है। इनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। उनको दिल्ली अपोलो अस्पताल भेजा गया है, जबकि पांच का रिफाइनरी के अस्पताल और दो का सिम्स में इलाज चल रहा है। वहीं आग पर काबू पा लिया गया है। मौके पर रिफाइनरी और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद हैं।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार मंगलवार की देर शाम करीब 7.30 बजे रिफाइनरी की एवी यूनिट में शटडाउन के बाद स्टार्टअप एक्टिविटी की जा रही थी। इस दौरान वेल्डिंग करते समय आग लग गई। इससे वहां आसपास काम कर रहे कर्मचारी बुरी तरह झुलस गए। धमाके के शोर और

चीख-पुकार से चारों ओर से लोग उस तरफ दौड़ पड़े।

मौके पर आग विकराल होती जा रही थी। इस दौरान वहां मौजूद फायर टेंडरों के जरिए आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया गया। कुछ ही देर में सूचना पर दमकल भी पहुंच गईं। इससे आग पूरी तरह बुझाई जा सकी। वहीं झुलसे लोगों को एंबुलेंस के जरिए रिफाइनरी के अस्पताल और दिल्ली के अपोलो हॉस्पिटल भेजा गया है।

जनसंपर्क अधिकारी रेनू पाठक ने बताया कि रिफाइनरी में शट डाउन चल रहा था। शाम करीब 7.30 बजे उसी की स्टार्टअप एक्टिविटी थी। एवीयू (एटमॉस्फियरिक वैक्कम यूनिट) में वेल्डिंग का काम चल रहा था। इसी दौरान आग लग गई। इसमें किसी के मरने की सूचना नहीं है। आठ कर्मचारी झुलसे जरूर हैं। इनमें से तीन को दिल्ली में आईओसी के अस्पताल भेजा गया है। बाकी का स्थानीय अस्पतालों में इलाज चल रहा है। आग पर काबू पा लिया गया है।

धमाके के साथ लगी आग

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि रिफाइनरी में धमाके की तेज आवाज के बाद भीषण लपटें उठने लगीं। ये बाहर हाइवे से भी देखी जा सकती थीं। बताया जा रहा है कि धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि बाहर की इमारतें भी हिल गईं।

एक अधिकारी बाकी कर्मचारी झुलसे

रिफाइनरी में हादसे के बाद लगी आग में एक अधिकारी, दो कर्मचारी और अन्य ठेका कर्मचारी झुलस गए हैं। इनके नाम अभी सामने नहीं आए हैं। सभी का इलाज चल रहा है।

ओबीसी, एसटी-एससी के हक छीन कर मुसलमानों को देना चाहती हैं विपक्षी पार्टी: रविशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा है कि मुसलमानों को आरक्षण दिये जाने के मुद्दे पर कांग्रेस, महाविकास अघाड़ी और इंडिया समूह वोट बैंक की खातिर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अति पिछड़ा, अनुसूचित जाति एवं जनजाति (एससी और एसटी) के हर को छीन कर मुसलमानों को देना चाहता है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने मंगलवार को संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार किया और कहा कि मुसलमानों को आरक्षण देने के लिए ओबीसी, अति पिछड़ा, एससी, एसटी के अधिकारों को वोट बैंक के नाम पर छीना जाएगा, तो भाजपा इसका जोरदार विरोध करेगी।

उन्होंने कहा, देश में उलेमा बोर्ड ने शर्तों पर कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी को समर्थन करने के लिए पत्र जारी किया है। अब मराठी मुस्लिम सेवा संघ का पर्चा घूम रहा है। उस पर्चा में लिखा है कि अगर आप देश के संविधान, देश की एकता एवं अखंडता की खातिर अपना मत का प्रयोग सही करोगे। क्या शरियत में दखलदांजी मंजूर है? क्या मुसलमानों से अलीगढ़ यूनिवर्सिटी छीनने वालों को वोट करोगे? क्या समान नागरिक संहिता थोपने वालों को वोट करोगे? वक्फ के खिलाफ वालों को वोट करोगे? इसके अलावा ऐसी कई चीजें लिखी हुई है। इस तरह की बातें बहुत जोरो से चल रहा है और चलाया जा रहा है।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए कई पहल की है सरकार ने: राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज कहा कि सरकार ने तेजी से बदलती दुनिया में नई चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए बदलते भू-राजनीतिक और तकनीकी परिदृश्य में अनुकूल रक्षा रणनीति की आवश्यकता को पहचानते हुए मजबूत और आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए कई पहल की हैं।

श्री सिंह मंगलवार को यहां मनोहर परिकर रक्षा अध्ययन और विश्लेषण संस्थान द्वारा 'अनुकूली रक्षाः आधुनिक युद्ध के बदलते परिदृश्य को नेविगेट करना' विषय पर आयोजित दिल्ली रक्षा संवाद के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

रक्षा मंत्री ने कहा कि 'अनुकूली रक्षा' एक रणनीतिक दृष्टिकोण है जहां राष्ट्र की सैन्य और रक्षा तंत्र उभरते खतरों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए निरंतर विकसित होते हैं। उन्होंने कहा

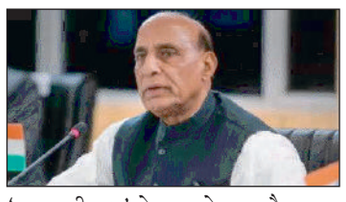

'अनुकूली रक्षा' केवल जो हुआ है उसका जवाब देना नहीं है, बल्कि यह अनुमान लगाना है कि क्या हो सकता है, और इसके लिए सक्रिय रूप से तैयारी करना है। संक्षेप में, इसमें अप्रत्याशित और विकसित परिस्थितियों का सामना करते हुए भी अनुकूलन, नवाचार और विकास की मानसिकता और क्षमता विकसित करना शामिल है। उन्होंने कहा कि परिस्थितिजन्य जागरूकता, रणनीतिक और सामरिक स्तरों पर लचीलापन, चपलता और भविष्य की प्रौद्योगिकियों के साथ एकीकरण अनुकूली रक्षा को समझने और बनाने की कुंजी हैं।

भारत की लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल पहले ही टेस्ट में पास

- दुनिया के ताकतवर देश भी भारत के रक्षा उपकरणों की तारीफ कर रहे हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने मंगलवार को रक्षा क्षेत्र में एक और बड़ी कामयाबी हासिल की है। देश की इस सफलता से दुश्मनों के पसीने छूटना तय माना जा रहा है। दरअसल मंगलवार को डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (DRDO) ने ओडिशा के तट पर चांदीपुर के इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज (ITR) से लंबी दूरी की लैंड अटैक क्रूज मिसाइल (LRLACM) का पहला उड़ान परीक्षण किया।

यह परीक्षण मोबाइल

आर्टिकुलेटेड लॉन्चर से किया गया। परीक्षण के दौरान सभी सबसिस्टम उम्मीद के मुताबिक काम करते रहे और अपने मेन टारगेट को पूरा किया। मिसाइल के प्रदर्शन पर नजर रखने के लिए ITR की ओर से अलग-अलग जगहों पर रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम (EOTS) और टेलीमेट्री जैसे कई रेंज सेंसर लगाए गए थे ताकि उड़ान पथ को पूरी तरह से कवर किया जा सके। भारत रक्षा क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

दुनिया के ताकतवर देश भी भारत के रक्षा उपकरणों की तारीफ कर रहे हैं। उसी क्रम में भारत ने आज एक और ऐतिहासिक कामयाब हासिल की है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दी बधाई

DRDO ने लंबी दूरी की जमीन पर हमला करने वाली मिसाइल के इस परीक्षण को एक बड़ी सफलता बताया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रथम उड़ान के सफल परीक्षण पर डीआरडीओ, सशस्त्र बलों और उद्योग जगत को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह भविष्य के स्वदेशी क्रूज मिसाइल विकास कार्यक्रमों का मार्ग प्रशस्त करता है। वहीं रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत ने इस सफल लॉन्चिंग पर डीआरडीओ की पूरी टीम को बधाई दी।

कालिदास की रचना में भी दिखती है नारी शक्ति : उपराष्ट्रपति

- 66वें अखिल भारतीय कालिदास समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम में बोले जगदीप धनखड़- भारत जैसी सांस्कृतिक विरासत कहीं नहीं

उज्जैन, एजेंसी। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कोई भी देश इस बात पर नहीं चलता कि हम अधिकारों पर जोर दें, हमें अपने दायित्वों से अधिकारों को संतुलित करना होगा। मन को टटोलिए, हम महान भारत के रहवासी हैं। राष्ट्र को सर्वोपरि रखते हैं। इसमें हर नागरिक को आहूति देनी है। आज की सरकार

ने लोकसभा और राज्यसभा में एक तिहाई आरक्षण देकर महिला शक्तिकरण किया है। कालिदास की रचना में भी नारी शक्ति देखने को मिलती है। इन कृतियों में कुटुम्ब का ध्यान रखने की भी सीख छिपी हुई है। हमें पता होना चाहिए कि हमारे पड़ोस और हमारे समाज में कौन हैं।

उप राष्ट्रपति धनखड़ मंगलवार को मध्य प्रदेश के उज्जैन में 66वें अखिल भारतीय कालिदास समारोह के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जय महाकाल का उद्घोष कर अपने भाषण की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि भारत जैसा कोई दूसरा देश नहीं है, जहां ऐसी सांस्कृतिक विरासत हो। जो देश और समाज अपनी संस्कृति और सांस्कृतिक धरोहर को संभालकर नहीं रखता, वो ज्यादा दिन नहीं टिकता है। उन्होंने कहा कि कालिदास की रचनाओं के बीच मानव और प्रकृति का अटूट रिश्ता देखने को मिलता है। पर्यावरण आज की ज्वलंत समस्या है। इसका ज्ञान हमें महाकवि कालीदास की रचनाओं से मिलता है कि पर्यावरण संरक्षण जरूरी है। हमारे पास पृथ्वी के अलावा कोई और स्थान रहने के लिए नहीं है।

बाकू में होने वाली वर्ल्ड लीडर्स क्लाइमेट एक्शन समिट में भाग नहीं लेगा भारत

बाकू, एजेंसी। अजरबैजान के बाकू में मंगलवार से शुरू हो रहे दो दिवसीय वर्ल्ड लीडर्स क्लाइमेट एक्शन समिट (डब्ल्यूएलसीएएस) में भारत भाग नहीं ले रहा है। यह समिट 2024 के संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन (सीओपी29) में भागीदार देशों के वक्तव्यों के साथ शुरू होगी। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य जलवायु प्रभावों के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील देशों के लिए नए जलवायु फाइनेंस टारगेट को हासिल करना है। मेजबान अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव ने इस सम्मेलन में हिस्सा लेने आए सभी राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों को आमंत्रित किया है।

मंगलवार और बुधवार को 82 राष्ट्रीय नेता, उप-राष्ट्रपति और वरिष्ठ राज दूत इस सम्मेलन में अपने मत रखेंगे।

मेजबान देश अजरबैजान ने कहा कि डब्ल्यूएलसीएएस का निमंत्रण विश्व नेताओं के लिए भागीदारी करने, उत्सर्जन को कम करने, जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्रमुख जलवायु संबंधी निर्णयों को ठोस कार्रवाई और विश्वसनीय योजनाओं में बदलने के लिए कार्रवाई करने के महत्व को दर्शाता है। इस जलवायु वार्ता में भारत के शामिल न होने पर प्रतिक्रिया देते हुए, जलवायु वार्ता में भारत मूल के एक पर्यवेक्षक ने नाम न बताने की शर्त पर बताया, ये वार्ता नहीं है, सिर्फ देशों के बयान हैं।

2030 तक नए मुकाम पर होगी भारत-रूस दोस्ती

100 अरब डॉलर का होगा व्यापार: विदेश मंत्री जयशंकर का भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत को विश्वास है कि वह 2030 से पहले ही रूस के साथ वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचा देगा और दोनों देशों के बीच अधिक ठोस संबंधों की वैश्विक स्तर पर बड़ी गूंज होगी। उन्होंने कहा कि व्यापार में चुनौतियां रही हैं, खासकर भुगतान तथा लॉजिस्टिक्स के संबंध में..और इससे काफी हद तक निपटा भी गया है लेकिन अब भी कुछ काम किया जाना बाकी है।

विदेश मंत्री ने व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी एवं सांस्कृतिक सहयोग (IRIGC-TEC) पर 25वें भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की बैठक

में यह बात कही। बैठक में रूस के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उसके प्रथम उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव ने किया। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत में आर्थिक अवसर तलाशने में रूस की बढ़ती रुचि का देश स्वागत करता है और उसका पूर्ण समर्थन करता है। उन्होंने कहा, ह्यहमारी अर्थव्यवस्थाएं न केवल कई मामलों में एक-दूसरे की पूरक हैं, बल्कि दोनों देशों को कई वर्षों से कायम आपसी भरोसे का भी फायदा मिलता है। द्विपक्षीय व्यापार में अब 66 अरब अमेरिकी डॉलर की वृद्धि होने का अनुमान है और यह प्रभावशाली है।

उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य है कि इसे और अधिक संतुलित बनाया जाए और इसके लिए वर्तमान बाधाओं को दूर करने तथा अधिक सुविधाजनक प्रयास करने की आवश्यकता होगी। कारोबार सुगमता के साथ-साथ भारत-यूरेशियन आर्थिक संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता में प्रगति होनी चाहिए।

जयशंकर ने कहा कि भारत ने 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम में रूस की बढ़ती रुचि को देखा है और इससे दोनों पक्षों के बीच संयुक्त उद्यमों तथा अन्य प्रकार के सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि हम 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार लक्ष्य हासिल कर लेंगे.. बल्कि इससे पहले ही। विदेश मंत्री ने इस मौके पर पिछले कुछ दशक में भारत की प्रभावशाली वृद्धि दर को भी रेखांकित किया।

उन्होंने कहा, भारत के सामने कम से कम आठ प्रतिशत की वृद्धि दर वाले कई दशक हैं...संसाधनों, प्रौद्योगिकी तथा सवोत्तम व्यवहार की बात करें तो हम स्पष्ट रूप से एक विश्वसनीय साझेदार को महत्व देते हैं। जयशंकर ने रूस द्वारा भारत को उर्वरक, कच्चे तेल और कोयले की आपूर्ति पर भी बात की। उन्होंने कहा, रूस हमारे लिए उर्वरकों का एक प्रमुख स्रोत बनकर उभरा है। कच्चे तेल, कोयले तथा यूरेनियम की इसकी आपूर्ति वास्तव में महत्वपूर्ण है। इसी तरह, भारत का औषधि उद्योग रूस के लिए एक किफायती तथा विश्वसनीय स्रोत के रूप में उभरा है।

झारखंड में दिव्यांगों, महिलाओं और बुजुर्गों की पेंशन बढ़ाकर 2500 रुपए कर दी जाएगी: शाह

रांची, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग से एक दिन पहले धनबाद जिले के बाघमारा में झारखंड के लोगों के लिए बड़ी घोषणा की।

श्री शाह ने आज कहा कि भाजपा की सरकार बनने के बाद बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांगों की पेंशन राशि बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि 23 नवंबर के बाद झारखंड में भाजपा की सरकार बनेगी, दिव्यांगों, महिलाओं और बुजुर्गों की पेंशन बढ़ाकर 2500 रुपए कर दी जाएगी। उन्होंने 20 नवंबर को बाघमारा विधानसभा क्षेत्र में कमल के निशान पर बटन दबाकर ढुलू महतो के भाई भाजपा उम्मीदवार शत्रुघ्न महतो को जिताने की

अपील की। श्री शाह ने कहा कि 10 साल तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड की भूमि को गरीब कल्याण का माध्यम बनाया। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना, मुद्रा योजना, पीएम जनमन योजना जैसी कल्याणकारी योजनाएं झारखंड की भूमि से शुरू की गई। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के अलावा लाखों करोड़ों रुपए झारखंड के विकास के लिए दिए गए।कहा कि 10 साल में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश के गरीबों के लिए ढेर सारे काम किए हैं। हर गरीब के घर तक शौचालय पहुंचाया, गैस का सिलेंडर पहुंचाया, घर दिया, बिजली पहुंचाई, पीने का पानी पहुंचा रहे हैं और हर महीने मुफ्त राशन दे रहे हैं।

आप पदाधिकारी बिजवासन में बने हुए हैं पानी माफिया, सरकार करे कार्रवाई वरना करेंगे प्रदर्शन: बिधूड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने मंगलवार को आरोप लगाया है कि बिजवासन में कई आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी पानी माफिया की तरह काम कर रहे हैं औ उन्हें स्थानीय विधायक का संरक्षण प्राप्त है। रामवीर सिंह बिधूड़ी ने 9-10 नवम्बर रात की घटना का जिक्र करते हूए कहा, भाजपा कार्यकताओं ने आप के स्थानीय वार्ड अध्यक्ष द्वारा करवाये जा रहे अवैध बोरबेल को उजागर किया, टैंकर माफिया का पदार्फाश किया तो उन पर हमला कर दिया।

रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि आप के मंडल अध्यक्ष अरुण शर्मा और आप के अन्य पदाधिकारी मिलकर अवैध बोर से कापसहेड़ा व आसपास में पानी लोगों को पानी ख?ीदने को मजबूर करते। लोगों ने विरोध किया तो उन पर हमला कर दिया गया। उन्होंने टैंकर माफियाओं पर कार्रवाई की मांग करते हुए एक्शन नहीं हुआ तो सीएम आवास पर भाजपा विरोध प्रदर्शन करेगी। क्षेत्रीय पार्षद जयवीर राणा ने कहा, जब हमने अरुण शर्मा से रात में बोरबेल करने की अनुमति मांगी तो उसने बहस के बाद हमला कर दिया। बिजवासन में सिर्फ दो बोरवेल की मंजूरी है लेकिन इन्होंने 20 बोरवेल अवैध तरीके से बनाए हैं ताकि टैंकर माफियाओं को संरक्षण मिल सके। भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने प्रकाश जरवाल का जिक्र करते हुए कहा, आप विधायक टैंकर माफिया को संरक्षण देते हैं यह किसी से छिपा नहीं है। मारपीट में जो दोषी हैं उन्हें सजा मिले, मंजूरी के बाद हो रहे बोरवेलः बीएस जून इस पूरे मामले पर विधायक बीएस जून ने वीडियो जारी कर कहा, दुर्भाग्य की बात है कि अनुभवी राजनेता ऐसी बात कर रहे हैं जो सत्य नहीं हैं। यह बोरवेल एनजीटी के नियमों के उल्लंघन से करवाने के आरोप भी निराधार हैं।

उन्होंने कहा कि पूरे विधानसभा में 73 बोर जल बोर्ड द्वारा करवाए हैं और सात नए मंजूर करवाए हैं। हमने सैंकड़ों बोरवेल अवैध तरीके से करवाए हैं यह आरोप निराधार हैं। बीएस जून ने कहा कि भाजपा नेता बताएं कहां अवैध बोर हुए हैं। इस मामले में दूसरी पार्टी के भी चोट आई है, जांच होनी चाहिए और जो गलत हो उसे सजा मिलना चाहिए। अगर सबूत हैं तो दिखाएं, अन्यथा चुनाव से पहले इस तरह से बदनाम न करें। मंडल अध्यक्ष या जो कोई भी अगर दोषी हैं तो वह जिम्मेदार है जहां तक मंडल अध्यक्ष के फोटो मनीष सिसोदिया के साथ हैं तो वह मंडल अध्यक्ष हैं यह कोई गुनाह नहीं है कि वह फोटो खिंचवाते हैं।

दिल्ली प्रदूषण: गोपाल राय ने सचिवालय कर्मियों को अलाव जलाने से रोकने लिए हीटर वितरित किये

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को दिल्ली सचिवालय में रात्रि पाली में काम करने वाले कर्मचारियों को हीटर वितरित किए ताकि उन्हें ठंड से बचने के लिए अलाव जलाने से रोका जा सके। राय ने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में रेखांकित किया कि राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता इस मौसम में अभी तक गंभीर श्रेणी में नहीं पहुंची है, जो पिछले वर्षों की तुलना में सुधार को दशार्ता है। राय ने कहा कि दिल्ली सरकार ठंड के मौसम से जुड़े प्रदूषण स्रोतों, जैसे सर्दी से बचने के लिए खुले में अलाव जलाने पर नियंत्रण स्थापित कर वायु गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि दीर्घकालिक शीतकालीन कार्य योजना, पिछले वर्षों की तुलना में पराली जलाने की घटनाओं में कमी तथा अनुकूल तापमान और हवा की स्थिति सहित विभिन्न कारकों से इस मौसम में दिल्ली की वायु गुणवत्ता अभी तक गंभीर श्रेणी में नहीं पहुंची है। राय ने कहा कि सरकारी कार्यालयों में रात्रि पाली में काम करने वाले सभी सुरक्षा कर्मियों को हीटर उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली के निजी संस्थानों और निर्माण स्थलों को भी ऐसा करने के लिए कहा गया है। राय ने कहा कि इस कदम से लोगों को अलाव जलाने से रोकने में मदद मिलेगी, जो सर्दियों में स्थानीय स्तर पर प्रदूषण को बढ़ाने का एक प्रमुख कारक होता है।

दिल्ली में नवंबर अंत से शुरू हो जाएगा नर्सरी में दाखिला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने 2025-26 शैक्षणिक सत्र के लिए निजी गैर-सहायता मान्यता प्राप्त स्कूलों में प्रवेश स्तर की कक्षाओं के लिए प्रवेश कार्यक्रम की जानकारी दी। शिक्षा निदेशालय ने बताया कि लिंक पर विभाग के मानदंड और दाखिला सम्बंधित जानकारी को अपलोड करने की प्रक्रिया 25 नवंबर से शुरू होगी। निदेशालय ने बताया कि प्रवेश प्रक्रिया के फॉर्म 28 नवंबर से दिए जाएंगे। अभिभावकों के पास दिल्ली नर्सरी आवेदन पत्र जमा करने के लिए 20 दिसंबर तक का समय होगा। इस कार्यक्रम में ओपन सीट्स प्रवेश शामिल है। जो आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्लूएस), वंचित समूह (डीजी) और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्लूएसएन) के अलावा अन्य श्रेणियों के लिए है। स्कूल प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले बच्चों का विवरण अपलोड करने के लिए विभाग के पास तीन जनवरी तक का समय होगा। चयनित बच्चों की पहली सूची को अंक प्रणाली के तहत आवंटित अंकों के साथ प्रदर्शित करने की तारीख 17 जनवरी है। उसके बाद, 18-27 जनवरी, 2025 को दिए गए अंकों के बारे में किसी भी माता-पिता के प्रश्नों को हल करने के लिए आवंटित अवधि होगी। उन्होंने बताया कि इसके बाद जरूरत पड़ने पर चयनित नर्सरी छात्रों की दूसरी सूची 3 फरवरी, 2025 को जारी की जाएगी और प्रवेश प्रक्रिया आधिकारिक तौर पर 14 मार्च, 2025 को समाप्त कर दी जाएगी।

आबकारी नीति घोटाला : केजरीवाल की समन को चुनौती देने वाली याचिका पर ईडी से जवाब तलब

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित आबकारी घोटाले से संबंधित धन शोधन मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अरविंद केजरीवाल को जारी समन को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी ने आपराधिक मामले में मुकदमे की सुनवाई पर रोक लगाने से इनकार किया और कहा कि केजरीवाल ने निचली अदालत के जिस आदेश को चुनौती दी है, वह दो महीने पुराना है न कि कोई नया आदेश है। उच्च न्यायालय ने उस याचिका पर ईडी को नोटिस जारी किया, जिसमें मामले में एजेंसी द्वारा दर्ज शिकायत पर दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री को जारी समन को चुनौती दी गई है। केजरीवाल के वकील ने इस आधार पर शिकायत के गुण-दोष पर सवाल उठाया कि समन एक अधिकारी द्वारा जारी किया गया था, जबकि शिकायत किसी अन्य अधिकारी द्वारा दर्ज करायी गयी थी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने एक सत्र अदालत के 17 सितंबर के आदेश को चुनौती दी है जिसमें समन को चुनौती देने वाली उनकी याचिका खारिज कर दी गयी थी। सुनवाई के दौरान ईडी के वकील ने याचिका के गुण-दोष पर प्रारंभिक आपत्ति जतायी। उन्होंने दलील दी कि केजरीवाल की याचिका दूसरी पुनरीक्षण याचिका है, जो दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 482 की आड़ में दायर की गई है और यह कानून में वर्जित है। उन्होंने कहा कि जिस आधार पर यह याचिका दायर की गयी है, वही आधार निचली अदालत में दायर याचिका में थे। वहीं, केजरीवाल के वकील ने दलील दी कि जब आप नेता को ईडी के सहायक निदेशक पद के एक अधिकारी ने समन जारी किए तो शिकायत उसी पद के दूसरे ईडी अधिकारी द्वारा दर्ज नहीं करायी जा सकती। वकील ने कहा कि समन पर हस्ताक्षर करने वाला अधिकारी उपलब्ध था लेकिन फिर भी दूसरे अधिकारी ने अदालत में शिकायत दर्ज करायी। केजरीवाल के वकील ने कहा, वह (केजरीवाल) जेल में उतना समय काट चुके हैं जिसके लिए वे (ईडी) उन्हें सजा दे सकते थे। ईडी के सहायक निदेशक जोगिंदर सिंह ने तीन समन जारी किए थे। लेकिन शिकायत एक अन्य सहायक निदेशक (संदीप शर्मा) ने दर्ज करायी सवाल यह है कि क्या वह शिकायत दर्ज करा सकते हैं। अदालत ने मामले पर अगली सुनवाई के लिए 19 दिसंबर की तारीख तय की है। केजरीवाल ईडी की शिकायत पर उन्हें पेश होने का निर्देश देने वाली एक मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश के खिलाफ सत्र अदालत गए थे। केजरीवाल ने, उन्हें जारी किए गए समन से बचने के लिए ईडी द्वारा दायर दो शिकायतों पर संज्ञान लेने के बाद मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा जारी समन को चुनौती दी थी। ईडी ने मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष शिकायतें दायर की थीं और अनुरोध किया था कि दिल्ली की अब रद्द की जा चुकी आबकारी नीति से जुड़े मामले में जारी किए गए कई समन को नजरअंदाज करने के लिए केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाया जाए।

डकैती में शामिल चार बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़े

नई दिल्ली, एजेंसी। मोती नगर थाना पुलिस ने एक घर में डकैती डालने वाले चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पंकज कुमार, राकेश, राजेंद्र प्रसाद और श्याम बाबू के पास से पुलिस ने दो सोने की चूड़ियां, अंगूठियां और 50,000 रुपये बरामद की है। आरोपियों में शामिल पंकज कुमार पीड़ित परिवार के घर डेढ़ साल तक घरेलू सहायक के तौर पर नौकरी करता था। इसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर डकैती की साजिश रची थी। पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि 28 अक्तूबर की शाम को आठ लोगों ने एक परिवार को बंधक बनाकर डकैती की वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों के जाने के बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस को घटना की सूचना दी। एसएचओ वरुण दलाल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पीड़ित परिवार ने बताया कि आरोपी अपने साथ 11 लाख रुपये और लाखों की ज्वैलरी ले गए हैं। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। मोती नगर थाना पुलिस के साथ एसीपी ऑपरेशन सेल अरविंद कुमार की टीम को भी जांच की जिम्मेदारी दी गई। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज जब्त कर उसका विश्लेषण किया। इस दौरान टीम एक आरोपी की पहचान करने में सफल रही।

पहचान के बाद आरोपी श्याम बाबू को उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले से गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि डकैती की साजिश पंकज कुमार ने रची थी। कुल आठ लोग वारदात में शामिल थे। पुलिस ने श्याम बाबू की निशानदेही पर पंकज कुमार, राकेश और राजेंद्र को भी गिरफ्तार किया।

अदालत ने जालसाजी मामले में जगदीश टाइटलर, अभिषेक वर्मा को बरी किया: वकील

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर और विवादों में रहे हथियार कारोबारी अभिषेक वर्मा को तत्कालीन गृह राज्य मंत्री अजय माकन के लेटरहेड पर कथित रूप से जालसाजी करने के 2009 के मामले में मंगलवार को बरी कर दिया। बचाव पक्ष के एक वकील ने यह जानकारी दी। वर्मा की ओर से पेश हुए वकील मनिंदर सिंह ने बताया कि विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने आरोपियों को बरी करते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष मामले में साक्ष्यों को साबित करने में विफल रहा। के?द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने माकन की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया था। शिकायत में बताया गया था कि वर्मा ने 2009 में तत्कालीन प्रधानमंत्री को माकन के लेटरहेड पर एक जाली पत्र लिखा था, जिसमें व्यापार वीजा मानदंडों को हल्का करने की मांग की गई थी। सीबीआई ने आरोपपत्र में बताया था कि टाइटलर और वर्मा की सक्रिय मिलीभगत से यह जालसाजी की गई। वर्मा ने कंपनी से 10 लाख डॉलर मांगे थे लेकिन लेन-देन नहीं हुआ सीबीआई ने आरोप लगाया कि जाली पत्र चीन स्थित एक दूरसंचार कंपनी को दिया गया था, जिसका उद्देश्य भारत में वीजा विस्तार का गलत आश्वासन देना था। आरोपपत्र के मुताबिक, वर्मा ने पत्र दिखाने के लिए कंपनी से दस लाख डॉलर मांगे थे लेकिन रुपयों का लेन-देन नहीं हुआ था। सीबीआई ने माकन की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए वर्मा के खिलाफ तत्कालीन भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 469 के तहत मुकदमा दर्ज किया था।

बस मार्शलों ने मुख्यमंत्री आतिशी के घर का किया घेराव, स्थाई नौकरी देने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले अलग-अलग मांगों को लेकर प्रदर्शनों का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में मंगलवार को दिल्ली के बस मार्शलों ने मुख्यमंत्री आतिशी के कालकाजी स्थित घर का घेराव किया और अपने लिए स्थाई नौकरी की मांग की। उनका कहना था कि बीते कई महीनो से उनकी नौकरी छीन ली गई है और उनको परेशान किया जा रहा है। उनको नौकरी नहीं दी जा रही है। बस मार्शलों का कहना है कि हमें फुटबॉल की तरह इधर और उधर किया जा रहा है। बस मार्शलों का कहना है कि इस मामले में राजनीति की जा रही है और अब हम लोगों को चार महीने की नौकरी दी जा रहीं हैं। हमारी मांग है कि हमारे साथ राजनीति न की जाए। हमको चार महीने की नौकरी नहीं चाहिए। हमें स्थाई नौकरी चाहिए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो आगामी चुनाव में हम लोग आम आदमी पार्टी (आआपा) को सबक सिखाएंगे और हम घर-घर जाकर जनता से इनको वोट नहीं देने की अपील करेंगे।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज हम लोग मुख्यमंत्री के घर का घेराव कर रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे विपिन कुमार ने कहा कि आने वाले समय में दिल्ली के सभी 70 विधानसभा क्षेत्र में हम आआपा के विधायकों के घर का घेराव करेंगे।

कार चालक ने दो बाइक सवारों को मारी टक्कर, फ्लाईओवर से नीचे गिरे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के विकासपुरी में एलिवेटेड फ्लाईओवर पर तेज रफ्तार कार ने दो बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों बाइक सवार फ्लाईओवर से नीचे गिर गए। इस हादसे से मौके पर अफरा -तफरी मच गई और वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। दोनों घायल युवक अस्पताल में भर्ती हैं और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पश्चिमी जिले के डीसीपी विचित्रवीर के अनुसार सोमवार शाम करीब साढ़े सात बजे पीसीआर को एक कॉल मिली थी, जिसमें एक व्यक्ति के फ्लाई ओवर से नीचे गिरने के बारे में बताया गया था। पुलिस टीम मौके पर पहुंच तो एक घायल की पहचान आशीष दौलत (42 साल) निवासी जनकपुरी के रूप में हुई। दूसरा युवक विवेक सिंह (37) पालम इलाके का रहने वाला है। दोनों बाइक सवार अलग अलग बाइक पर आ रहे थे। उसी दौरानी एक कार ने उन दोनों की बाइक को पीछे से टक्कर मार दी।

कुमार विश्वास मामले में अगली सुनवाई 6 मार्च को होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रसिद्ध कवि कुमार विशवास के एक विवादित मामले में न्यायालय में चल रहे मामले की सुनवाई के लिए अगली डेट 6 मार्च तय की गई है। उक्त जानकारी देते हुए याचिकाकर्ता संजय गहलोत नें बताया 12 नवम्बर 2024 को सुनवाई के दौरान अब कोर्ट द्वारा आगामी सुनवाई की तारीख 6 मार्च 2025 मुकर्रर की गई है। संजय गहलोत ने बताया वर्ष 2013 में एक विवादित मामले में जब कुमार विश्वास द्वारा एक निजी टी वी चैनल पर भगवान वाल्मीकि को आपत्तिजनक शब्दो से सम्बोधित करने पर उन्होंने कड़ी आपत्ति जताते हुए वाल्मीकि समाज के लोगों को एकत्रित करके शाहदरा फर्श बाजार थाना के अंतर्गत विराट प्रदर्शन करके कुमार विश्वास के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को भड़काने के विरुद्ध मामला दर्ज करवाया था, तभी से केस जिला न्यायालय कड़कड़डूमा में विचाराधीन है। इस मामले में याचिकाकर्ता संजय गहलोत ने बताया कि वर्ष 2013 में जब वह ट्रेड यूनियन लीडर थे और उस समय कुमार विश्वास आम आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के साथ पार्टी प्रवक्ता थे।

एक नजर

पटमारी करने वाला शख्स गिरफ्तार

नई दिल्ली, 12 नवंबर (वेब वार्ता)। पत्नी को महंगा मोबाइल गिफ्ट देने के लिए झपटमारी करने वाले शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी विशाल के पास से एक बाइक और झपटा गया मोबाइल बरामद किया गया है। शिकायतकर्ता तनीषा ने मोबाइल झपटमारी की शिकायत पुलिस से की थी। पुलिस टीम ने जांच के क्रम में घटनास्थल के आसपास 80 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपी की पहचान की और उसे धरमपुरा इलाके से गिरफ्तार कर लिया।

अब दिल्ली के नंगल देवत गांव तक जाएंगी डीटीसी की बसें, गहलोत ने दिखाई झंडी

नई दिल्ली, 12 नवंबर (वेब वार्ता)। नंगल देवत गांव वसंत कुंज एन्क्लेव के लोगों की डीटीसी बस चलाने की मांग आज पूरी हो गई। दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने नंगल देवत गांव से डीटीसी बसों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। उन्होंने कहा कि यहां बसों की सुविधा नहीं थी। इसलिए दिल्ली सरकार ने नंगल देवत की जनता को बस सेवा से जोड़ा। इस कदम से यहां के लोगों की यात्रा और भी सहज और सुविधाजनक हो जाएगी। गहलोत ने इसके लिए नंगल देवत और वसंत कुंज एन्क्लेव के सभी निवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सरकार की यह पहल न केवल कनेक्टिविटी को बढ़ाती है, बल्कि पर्यावरण के अनुकूल इलेक्ट्रिक बसों के साथ एक हरित, अधिक टिकाऊ दिल्ली के लिए प्रतिबद्धता का भी समर्थन करती है।

चोरी के वाहन समेत बदमाश धरा

नई दिल्ली, 12 नवंबर (वेब वार्ता)। मादीपुर पुलिस चौकी में तैनात पुलिसकर्मियों ने आठ नवंबर की रात चोरी के दो दोपहिया वाहनों के साथ एक वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी विशाल उर्फ पंकज पर पहले से ही 11 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि एसआई संदीप बिश्नोई अपनी टीम के साथ मादीपुर स्थित रोड नंबर 29 पर ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

विजेंद्र गुप्ता ने जीटीबी अस्पताल का किया दौरा, आईसीयू ब्लॉक का निर्माण पूरा नहीं होने पर उठाये सवाल

नई दिल्ली, 12 नवंबर (वेब वार्ता)। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता विजेंद्र गुप्ता ने मंगलवार को दिलशाद गार्डन स्थित गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार सिर्फ स्वास्थ्य मॉडल बनाती है, उस पर कार्य नहीं करती है। उन्होंने कहा कि इस अस्पताल का आईसीयू ब्लॉक आम आदमी पार्टी (आआपा) की सरकार के भ्रष्टाचार का ज्वलंत उदाहरण है।

विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि इस आईसीयू ब्लॉक को सितंबर 2021 से शुरू करके फरवरी 2022 में पूरा किया जाना था परंतु तीन साल बीत जाने के बावजूद इसका निर्माण पूरा नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि 2023 से निर्माण कार्य बंद होने के कारण परिसर खंडहर में बदल चुका है। 1912 बेड वाला यह प्रास्तावित आईसीयू ब्लॉक दिल्ली के नागरिकों को चिकित्सा सुविधा देने की बजाय भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। निर्माण लागत को दो गुना कर दिया गया है और बजट में धनराशि का प्रावधान नहीं किया गया है। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार की असंवेदनशीलता और भ्रष्टाचार के कारण दिल्लीवासी बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित हैं।

अपहरण मामले में फरार बदमाश को दबोचा

नई दिल्ली, 12 नवंबर (वेब वार्ता)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने फिरौती के लिए अपहरण के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ वर्ष 2006 में फर्श बाजार थाना में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया था। जमानत पर रिहा होने के बाद से वह फरार चल रहा था। पुलिस को पता चला कि आरोपी अनिल कुमार यादव हापुड़ चुंगी के पास आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने छापेमारी कर उसे धर दबोचा।

पॉक्सो मामले में फरार चल रही महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट मामले में पांच सालों से फरार चल रही महिला गीता को लुधियाना से गिरफ्तार किया है। पुलिस के हत्थे चढ़ी आरोपी महिला कंझावला इलाके से 15 साल की एक किशोरी को बहलाफुसला कर सूरत ले गई थी। वहां किशोरी के साथ कुछ लोगों ने दुष्कर्म किया था। पुलिस अब महिला से पूछताछ कर अन्य आरोपियों की तलाश में संभावित स्थानों पर छापेमारी कर रही है।

बढ़ते वायु प्रदूषण पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा- आआपा की सरकार सिर्फ राजनीति कर रही

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आरोप लगाते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी (आआपा) की सरकार इसके नाम पर सिर्फ राजनीति कर रही है। देवेंद्र यादव ने मंगलवार को दिल्ली न्याय यात्रा के पांचवें दिन की शुरूआत की। यात्रा में प्रदेश अध्यक्ष के साथ कांग्रेस के बड़े नेता शामिल हुए। इस दौरान दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर दिल्ली सरकार पर कटाक्ष करते हुए देवेंद्र यादव ने कहा कि आआपा की जब पंजाब में सरकार नहीं थी तो प्रदेश को दोष देती थी और अब जब वे सत्ता में आए तो उत्तर प्रदेश और हरियाणा पर आरोप लगा रहे हैं। सभी सिर्फ राजनीति कर रहे हैं, प्रदूषण की समस्या पर कोई ध्यान दे नहीं रहा। दिल्ली सरकार ने यमुना में झाग पर रसायनों का छिड़काव किया लेकिन ये समाधान नहीं है। यमुना की सफाई के लिए जरूरी है सही तरीके से कार्य करना। यादव ने कहा कि इस बार दिल्ली में कांग्रेस की सरकार आने पर कांग्रेस राजधानी की जनता के लिए पूर्ण समर्पण से कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि आआपा ने दस साल से सिर्फ दिल्ली की जनता को लूटा है, उनके लिए कार्य नहीं किया।

अन्याय के खिलाफ न्याय यात्रा को मिल रहा है जबरदस्त समर्थन : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली, एजेंसी। पांचवे दिन लगभग 25 किलोमीटर की दिल्ली न्याय यात्रा रावलपिंडी स्कूल मलका गंज से शुरू होकर बंगला रोड़, कमला नगर, रुप नगर पुलिस स्टेशन, मौरिस नगर चौक, विजय नगर, ओल्ड गुप्ता कॉलोनी मॉडल टाउन, किंग्सवे कैम्प चौक, ढाका गांव, परमानंद कॉलोनी, मुखर्जी कॉलोनी, हरिजन सेवक संघ, गांधी आश्रम, गोपाल पुर झुग्गी रोड़, दोपहर बाद झड़ौदा चौक पुलिस चौकी बुराड़ी, 25 फुटा रोड़ सुरेन्द्र कॉलोनी, कौशल चौक, 100 फुटा रोड़ बुराड़ी, फिरनी 25 फुटा रोड़ से निकलकर लैबर चौक से होकर टीवीएस शोरुम संत नगर बुराड़ी पर समापन हुई। दिल्ली न्याय यात्रा आज मॉडल टाउन विधानसभा, तिमारपुर विधानसभा, बुराड़ी विधानसभा, की दूरी आज शालीमार बाग विधानसभा, आदर्श नगर विधानसभा, बादली विधानसभा और मॉडल टाउन विधानसभा में तय की। यात्रा में श्री यादव को भेंट स्वरुप शॉल, माला पहनाकर खाटू जी की तस्वीर भी भेट की। देवेन्द्र यादव के साथ यात्रा में आज पूर्व सांसद संदीप दीक्षित भी शामिल हुए। देवेन्द्र यादव ने कहा कि यात्रा के दौरान यह भी देखने को मिल रहा है कि भाजपा ऐसे बीज बोने की कोशिश कर रही है, जिससे समाज में कटूता बढ़े। लेकिन मुझे विश्वास है कि दिल्ली की जनता इनके झांसे में आने वाली नही है भाजपा और आप जनता से किए वादों पर खरे नही उतरे।

फ्लैट में कैनाबिस की खेती करने वाला आरोपी गिरफ्तार

द न्यूज 15 ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। मंगलवार को थाना बीटा-2, थाना इकोटेक-1 पुलिस व नॉरकोटिक्स टीम ने लोकल इंटेलिजेंस व मैनुअल इंटेलिजेंस की सहायता से अवैध गांजे की खेती करने वाले अभियुक्त राहुल चौधरी पुत्र स्व. समर सिंह चौधरी को पी-3 गोलचक्कर के पास थाना क्षेत्र बीटा-2 से गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के कब्जे से ओजी व अभियुक्त की निशादेही पर पार्श्वनाथ पनोरमा निकट पी-3 गोल चक्कर स्थित उसके फ्लैट से अवैध गांजे के गमलों में लगे कैनाबिस के पौधे, 2.070 ग्राम अवैध गांजा, 163.4 ग्राम ओजी व विभिन्न रसायन व खेती करने में प्रयुक्त खाद बीज व उपकरण बरामद किया है। पुलिस गहनता से पूछताछ कर ग्राहकों के बारे में जानकारी एकत्र कर रही है। पुलिस को पूछताछ के दौरान पता चला है कि अभियुक्त अंग्रेजी विषय से परास्नातक है जो इंटरनेट का अच्छा जानकार है। अभियुक्त द्वारा इंटरनेट एवं सोशल मीडिया के माध्यम से कैनाबिस के पौधों की खेती करनी सीखी गयी। विदेशी वेबसाइट सीड्समैन के माध्यम से ऑनलाइन आर्डर कर कैनाबिस के बीज को आयात किया गया और पे-पल एप्प के माध्यम से पैसों का लेन-देन हुआ। जिसके बाद अभियुक्त ने अपने फ्लैट में एयर कंडीश्नर की मदद से एक निश्चित तापमान पर फुल स्पैक्ट्रम प्लांट ग्रोइंग लाइट की सहायता से कैनाबिस के बीजों को गमलों में रोपित कर कैनाबिस की फसल तैयार की गयी। इस कार्य में एक पौधे पर करीब 5 से 7 हजार रुपए का खर्च आता है। जिससे करीब 30 से 40 ग्राम ओजी प्राप्त हो जाता है।

जिसकी बाजारू कीमत 60 से 80 हजार रुपये के लगभग होती है। अभियुक्त डार्क वेब के माध्यम से अपने ग्राहकों तक इसकी सप्लाई करता था। इस प्रकार अभियुक्त अपने फ्लैट में कैनाबिस की खेती कर मुनाफा कमाकर अवैध धन अर्जित कर रहा था।

गुरुग्राम:लोहा व्यापार संघ की सक्रियता से चोर गिरोह का पदार्फाश

गुरुग्राम, एजेंसी। हरियाणा लोहा व्यापार संघ की त्वरित कार्रवाई से एक चोर गिरोह का पदार्फाश हुआ है, जो राज्यभर में विभिन्न जगहों पर लूटपाट कर रहा था। गिरोह के सदस्य धोखाधड़ी से सरिया खरीदकर उसे अलग-अलग स्थानों पर बेचते थे। गिरोह को पकड़? में हयातपुर थाना पुलिस की भी अहम भूमिका रही। गिरोह का मुख्य आरोपी दिल्ली निवासी पारस मल्होत्रा इस गिरोह का मास्टर माइंड था। पारस ने बैंक में चेक बुक ब्लॉक करवाने के बाद विभिन्न दुकानदारों से धोखाधड़ी से माल खरीदा। इनके अन्य साथी बिहार निवासी मोनू दुकानों से चोरी का माल खरीदने के बाद उसे अन्य ठिकानों पर बेचने का काम करते थे। यह गिरोह कई जिलों में सक्रिय

था। अब तक गुडगांव, मानेसर, बिलासपुर, धारूहेड़ा, दिल्ली, नोएडा, सोनीपत, बालगढ़, नरेला और अन्य स्थानों पर एक महीने में लगभग 20 से 25 चोरियों को अंजाम देते थे। गिरोह के सदस्य पहले दुकानों के आसपास साइट्स का निरीक्षण करते थे। फिर चेक के माध्यम से माल खरीदते। बाद में माल को साइट के पास ही खली करवा लेते थे। वहां से उसे लोड कर अन्य स्थानों पर बेच देते थे।

गिरोह के एक सदस्य ने चोरियों के बारे में खुद कबूल किया है। इस प्रकार की घटनाओं को अंजाम देने में उनकी योजना पहले से तय होती थी। इनका तरीका धोखाधड़ी और चुराए गए माल को जल्दी से बेचने का था। जब इनका एक गिरोह गढ़ी-हरसरू स्थित एक दुकान भारद्वाज स्टील पर माल लोड करवाने पहुंचा तो दुकान मालिक को चेक में सीटीसी की कमी पता चली। दुकान पर बैठक कुमार नाथ ने कहा कि यह चेक पास नहीं होगा। तीन बजे कैश में पेमेंट देने की बात कही। कुमार नाथ को उन पर शक हुआ और वे साइट चेक करने के लिए उनके साथ गए। वहां साइट पर कोई काम नहीं चल रहा था। धोखा देने के लिए सारी व्यूह रचना रची गई थी।

एनसीआर के वाहन चोरों को पुलिस ने मुठभेड़ में किया गिरफ्तार

द न्यूज 15 ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। थाना बिसरख पुलिस ग्रेटर नोएडा में मंगलवार तड़के पुलिस मुठभेड़ के दौरान तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है, जिसमें पुलिस द्वारा गोली एक बदमाश के पैर में लगी है। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार बदमाशों ने वाहन चोरी की दर्जनों वारदातें करनी स्वीकार किया है।

बता दे कि मंगलवार सुबह को थाना बिसरख पुलिस चेकिंग कर रही थी, तभी बाइक पर सवार होकर आते हुए तीन बदमाश दिखाई दिए। पुलिस ने बदमाशों को रुकने का इशारा किया, लेकिन बदमाश रुकने की बजाए भागने लगे। पुलिस ने पीछा करके उन्हें घेर लिया। अपने आप के पुलिस से घिरा हुआ देखकर बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से गोली चला दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली एक बदमाश मोनू यादव पुत्र जगपाल निवासी बाबूगढ़ जिला हापुड़ के पैर में लगी है। इसके दो साथी मौके से भाग गए, जिन्हें पीछा करके पुलिस ने पकड़ लिया। उनके नाम मुकेश पुत्र सिकंदर निवासी चिपियाना तथा पवन पुत्र सुनहरी निवासी लाल कुआं गाजियाबाद है। इन बदमाशों के पास से पुलिस ने देसी तमंचा, कारतूस, चोरी की 10 बाइक आदि बरामद किया है। डीसीपी ने बताया कि इन बदमाशों ने पूर्व में वाहन चोरी की कई वारदातें करनी स्वीकार की है। इनके खिलाफ एनसीआर के विभिन्न थानो में कई मुकदमे दर्ज हैं।

खेल मंत्री गौतम किया स्पोर्ट्स मीट का उद्घाटन

पलवल, एजेंसी। पलवल में आज राज्य खेल मंत्री गौरव गौतम ने हुडा सेक्टर-दो स्थित एसपीएस इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित इंटर स्कूल स्पोर्ट्स मीट की शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा दे रही है, इसलिए तो प्रदेश के खिलाड़ी देश और दुनिया में हिंदुस्तान का नाम रोशन कर रहे है। खेलों को और आगे बढ़ाने के लिए खिलाड़ियों को बुनियादी सुविधाएं दी जाएंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीसी डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने की। संचालक सुरेश भारद्वाज ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि स्पोर्ट्स मीट की शुरूआत खेल मंत्री ने की है। इसमें 3 दिवसीय इंटर स्कूल स्पोर्ट्स मीट में 75 स्कूलों के दो हजार से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार भी खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने में लगी हुई है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि और अवॉर्ड दिए गए है। खिलाड़ियों को खेलों में मेडल जीतने पर नौकरी के अवसर भी प्रदान किए जाते है। खेलों को बढ़ाने के लिए खेल नीति के तहत खिलाड़ियों को सभी खेल सुविधाएं दी जा रही है। गौरव गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ओलिंपिक 2036 की मेजबानी करेगा। यह हमारे लिए बड़े ही गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ियों ने खेलों में हमेशा परचम लहराया है। इतना ही नहीं हरियाणा की पहचान खेलों से होती है। हरियाणा के खिलाड़ियों ने देश की झोली में मेडल डालने का काम किया है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि और अवॉर्ड दिए गए। गौरव गौतम ने कहा कि इंटर स्कूल स्पोर्ट्स मीट में हिस्सा ले रहे खिलाड़ियों में से अच्छे खिलाड़ी निकलकर आएंगे जो जिले का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी खेलों को बढ़ाने के लिए कृतसंकल्प बद्ध है।

एक नाबालिग का हुआ किडनैप, दूसरी घर से गायब

पलवल, एजेंसी। पलवल के विभिन्न थाना क्षेत्रों से एक नाबालिग के अपहरण और एक नाबालिग के संदिग्ध हालत में लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। संबंधित थानों की पुलिस ने मुकदमे दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पहले मामले में, चांदहट थाना प्रभारी सुंदरपाल के अनुसार, थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने दी शिकायत में कहा है कि उसकी 16 वर्षीय बेटी दसवीं में पढ़ती है। 10 नवंबर को शाम 4 बजे उसकी बेटी घर से किसी काम से बाहर गई थी। उसी दौरान गांव में ही दुकान करने वाला पंकज नामक युवक उसकी बेटी का अपहरण कर-के ले गया। पुलिस ने पीड़ित पिता की शिकायत पर आरोपी पंकज नामक युवक के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। सदर थाना प्रभारी अनिल कुमार ने मंगलवार को बताया कि थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने दी शिकायत में कहा है कि उसकी 17 वर्षीय बेटी 6 नवंबर को संदिग्ध हालत में घर से लापता हो गई।

एक नजर

समाधान शिविर से नागरिकों का शासन-प्रशासन के प्रति बढ़ रहा है विश्वास : डीसी

फरीदाबाद, एजेंसी। नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर समस्याओं के समाधान में कारगर सिद्ध हो रहे हैं। डीसी विक्रम सिंह ने अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं पर सुनवाई करते हुए त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आज मंगलवार को नगर निगम के तीनों जोन के कार्यालयों तथा ग्रामीण क्षेत्र के तीनों ब्लॉक के बीडीपीओ कार्यालयों में कुल 14 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से ज्यादातर शिकायतों का मौके पर समाधान करवाया गया।

अधिकारियों ने कहा कि शेष आवेदनों पर कुछ औपचारिकताएं पूरी होते ही समाधान हो जाएगा। शिविर के दौरान अतिक्रमण, प्रॉपर्टी आईडी, स्ट्रीट लाइट, बिल्डिंग प्लान आदि से संबंधित समस्याओं का समाधान मौके पर ही करते हुए नागरिकों को राहत दी गई। डीसी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए समाधान शिविर से नागरिकों का शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ रहा है। समाधान शिविर में विभिन्न विभागीय सेवाओं से जुड़ी शिकायतों का एक ओर जहां मौके पर ही निवारण किया जा रहा है। वहीं प्रॉपर्टी आईडी आदि से जुड़ी त्रुटियों को यथाशीघ्र दुरुस्त कर आमजन को राहत प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि अभी तक समाधान शिविर में पहुंची शिकायतों में से अधिकतर का समाधान किया जा चुका है।

वाहन चोरी के पार्ट खरीदने वाला काबू

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद जिले में चोरी के वाहन के पार्ट खरीदने वाले आरोपी को अपराध शाखा सेन्ट्रल की टीम ने गिरफ्तार करके 5 हजार रूपए नकद बरामद किए है। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को बतलाया कि जनवरी माह में अशोका एन्क्लेव पार्ट-1 से महेन्द्रा पिकअप चोरी हो गई थी। जिस संबंध में थाना सराय ख्वाजा में अभियोग पंजीकृत किया गया। जिस संबंध में आरोपी मौशीम, मुफीद को जुलाई व शौकीन को अगस्त माह में गिरफ्तार किया गया, जिन्होंने पूछताछ में बतलाया कि चोरी शुदा गाडी के पार्ट को नफीस कबाड़ी को बेच कर गाडी को कटवा दिया। जिस पर अपराध शाखा की टीम ने आगामी कार्रवाई करते हुए अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से आरोपी नफीस को 11 नवम्बर को सेक्टर-37 फरीदाबाद से चोरी के वाहन के पार्ट खरीदने के मामले में गिरफ्तार किया है। आरोपी मूल रूप से नौरंगाबाद हसनपुर पलवल का रहने वाला है। जिसने गांव डल्लावास जिला नूंह में कबाड़े का गोदाम बना रखा है। पूछताछ में बताया कि उसने आरोपी मौशीम, मुफीद, शौकीन व अन्य से 80 हजार में चोरी की गाडी के पार्ट खरीदे थे। जिनको उसने किसी अनजान व्यक्ति को बेच दिए।

नगर निगम ने अवैध निर्माण पर चलाया बुलडोजर

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद के अलग-अलग इलाकों में मंगलवार को नगर निगम ने अवैध अतिक्रमण को पीले पंजे से ढहा दिया। नगर निगम द्वारा अवैध निर्माण को ढहाने की कार्रवाई फरीदाबाद के स्त्ररू नगर बडखल विधानसभा के 2 नंबर इलाके में और एनआईटी फरीदाबाद के सेक्टर 52 में हुई। बडखल विधानसभा के 2 नंबर में सडक किनारे बैठे छोटी-मोटे दुकान लगाकर अपना गुजर बसर कर रहे थे। जब दुकानों को हटाया गया तब दुकानदारों ने न केवल नगर निगम की कार्रवाई का विरोध किया बल्कि बडखल से हाल ही में जीतकर बीजेपी विधायक बने धनेश अदलखा का जमकर विरोध किया। उन्होंने कहा कि जब से धनेश अदलखा विधायक बने हैं तब से वह इसी प्रकार की तोडफोड़ की कार्रवाई को अंजाम दिला रहे हैं। वह लोग यहां पर 40 वर्षों से यहां रह रहे हैं।

कुछ दिन की मोहलत लेने के लिए धनेश अदलखा से मिलने के लिए गए थे। लेकिन धनेश अदलखा उनसे नहीं मिले और आज अचानक से नगर निगम के टीम ने आकर उनकी रोजी-रोटी कमाने के जरिए को भी छीन लिया। हम इसका पुरजोर विरोध करते हैं। वह धनेश अदलखा को काले झंडे दिखाकर उनका विरोध करेंगे। वहीं कुछ पीड़ित महिलाओं ने कहा कि उन्होंने धनेश अदलखा के इस विधानसभा चुनाव में कंधे से कंधा मिलाकर चुनाव में उनका साथ दिया और गुरुद्वारों में उनकी जीत की मन्नत भी मांगी थी। लेकिन बावजूद उसके धनेश अदलखा उनकी अनदेखी कर रहे हैं जिसका उन्हें खामियाजा अवश्य भुगतना पड़ेगा।

स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के तहत आयोजित किया गया प्रशिक्षण कार्यक्रम

फरीदाबाद, एजेंसी। खण्ड कार्यालय बल्लभगढ़ के प्रशिक्षण हाल में उपायुक्त विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में सीईओ जिला परिषद सतबीर मान के दिशा निर्देशानुसार स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत सरपंचों, ग्राम सचिवों, कनिष्ठ अभियंता, पंचायती राज, ए.बी.पी.ओ. मनरेगा तथा जल एवं स्वच्छता कमेटी के सदस्यों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ओ.डी.एफ. प्लस के मुख्य घटकों पर विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान ओ.डी.एफ. प्लस स्थायित्व, ठोस कचरा प्रबंधन, तरल कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, गोवर्धन एवं फीकल वेस्ट मैनेजमेंट के बारे में बताया गया। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी सतबीर सिंह ने बताया कि हमारा उद्देश्य है कि 31 दिसम्बर 2024 तक जिले के सभी गांव ओ.डी.एफ. प्लस मॉडल गांव का लक्ष्य हासिल करें। उल्लेखनीय है कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्यतः स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, मनरेगा एवं 15वें वित्त आयोग के कनर्वजैंस के बारे में भी सभी प्रतिभागियों को बताया गया ताकि कनर्वजैंस के माध्यम से गांवों में अधिक से अधिक ग्रामीण विकास के कार्य हो सकें। कार्यक्रम का शुभारम्भ खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी बल्लबगढ़ पूजा शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपेन्द्र सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक एस.बी.एम.जी., श्रीमती पूजा, ए.बी.पी.ओ., मनरेगा, एच.आई.आर.डी. नीलोखेड़ी से प्रशिक्षक रूप लाल तंवर एवं सत्यनारायण नेहरा, सलाहकार, डब्ल्यू एस.एस.ओ. मुख्य रूप से उपस्थित थे।

शीतला माता के नए भवन का 70 प्रतिशत निर्माण पूरा

-डीसी एवं श्री माता शीतला देवी श्राईंन बोर्ड के प्रशासक ने लिया निर्माण कार्य प्रगति का जायजा

-अगले वर्ष सितंबर माह में होगा निर्माण कार्य पूरा

-डीसी ने मंदिर में श्रद्धालुओं को दी जा रही सुविधाओं का भी लिया जायजा

गुरुग्राम, एजेंसी। श्रीमाता शीतला मंदिर परिसर में करीब 4.8 एकड़ में माता के नए बहुमंजिला भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। उन्होंने बताया कि करीब 90 करोड़ की लागत से तैयार हो रहे इस नए भवन का 70 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। भवन के डिजाइन में कुछ परिवर्तन होने के चलते निर्माण कार्य मे थोड़ा विलम्ब हुआ है। अब यह निर्माण कार्य अगले वर्ष सितंबर माह तक पूरा हो पाएगा। मंदिर निर्माण के संदर्भ में डीसी एवं श्री माता शीतला देवी श्राईंन बोर्ड के प्रशासक अजय कुमार ने मंगलवार को श्री शीतला माता देवी मंदिर परिसर का दौरा किया। उन्होंने माता के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर श्री माता शीतला देवी श्राईंन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं बादशाहपुर के एसडीएम अंकित चोकसे भी उपस्थित रहे। अमृत काल में निमार्णाधीन श्री शीतला माता देवी के मंदिर का निर्माण कार्य वर्ष 2025 के सितंबर माह तक पूरा कर लिया जाएगा।

डीसी अजय कुमार ने श्री शीतला माता देवी के दर्शन करने के उपरांत श्री माता शीतला देवी श्राईंन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंकित चोकसे से श्राईंन बोर्ड की कार्य प्रणाली के बारे में चर्चा की। मंदिर परिसर में चल रहे माता के नए भवन के निर्माण कार्यो की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान निरीक्षण दौरे में मंदिर प्रबंधन के अधिकारी व श्री माता शीतला देवी के नए भवन के निर्माण से जुड़ी संस्था के अधिकारी भी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि नए भवन में श्रद्धालुओं की सुविधाओं का पूरा ख्याल रखा गया है। इसके साथ ही नए परिसर में योग मंडप, मेडिटेशन हॉल, कुंड, ओपन एयर थिएटर, बच्चों के लिए पार्क व एसटीपी व ईटीपी जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी।

उन्होंने बताया कि मंदिर के निर्माण कार्य पूरा होने के उपरान्त फिनिशिंग कार्य व मूलभूत सुविधाएं के लिए अलग से 35 करोड़ के टेंडर फ्लोट किए जाएंगे। डीसी ने निर्माण कार्यों से जुड़ी विस्तृत जानकारी लेने उपरांत कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि श्री शीतला माता मंदिर उत्तर भारत का एक प्रमुख आस्था स्थल है। ऐसे में मंदिर प्रबंधन यह सुनिश्चित करे कि मंदिर का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा हो ताकि देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

फरीदाबाद में 44 साल बाद लोगों को ईस्ट इंडिया कॉलोनी का मिलेगा मालिकाना हक

फरीदाबाद, एजेंसी। बल्लभगढ़ की सबसे पुरानी कॉलोनी ईस्ट इंडिया कॉलोनी के लोगों को 44 सालों बाद अपने मकानों का मालिकाना हक मिलेगा। पिछले कई दशकों से वह अपने हक की लड़ाई लड़ रहे थे। मंगलवार को बल्लभगढ़ से भाजपा विधायक मूलचंद शर्मा के कार्यालय पर कॉलोनी के अनेक लोगों ने पहुंचकर भाजपा सरकार का आभार जताया। इस मौके पर विधायक ने लोगों की बातों को सुना और कहा कि बीजेपी सरकार के कार्यकाल में समस्या का हल कर दिया है। नगर निगम की जिस जमीन पर इनको घर बनाकर दिए गए थे, अब उनका मालिकाना हक मिल जाएगा। साथ ही अन्य समस्याओं का भी जल्द समाधान कर दिया जाएगा। सेक्टर 22 स्थित ईस्ट इंडिया कॉलोनी की आरडब्ल्यूए के सदस्य और स्थानीय निवासी एवं कॉलोनी के प्रधान किशन बारी के नेतृत्व में कई लोगों ने आज बल्लबगढ़ के विधायक पंडित मूलचंद शर्मा से उनके सेक्टर 8 स्थित कार्यालय में मिले। इस मौके पर आरडब्ल्यूए की तरफ से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दूसरी बार मुख्यमंत्री और लगातार तीसरी बार बीजेपी की हरियाणा में सरकार बनने पर विधायक को मुख्यमंत्री के नाम एक बधाई पत्र दिया गया। कॉलोनी प्रधान ने बताया कि ईस्ट इंडिया कॉलोनी वासी 44 वर्षों से अपने मकानों के मालिकाना हक की उम्मीद लगाए बैठे थे। अब बीजेपी के शासन काल में कॉलोनी के मकानों के मालिकाना हक के लिए नगर निगम ने कार्यवाही शुरू कर दी है। कॉलोनी वासियों को पूरी उम्मीद है कि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में और हमारे विधायक मूलचंद शर्मा के प्रयास से कार्य को गति मिलेगी। अब जल्द ही निगम द्वारा कॉलोनी वासियों को उनके मकानों का मालिकाना हक मिलेगा। विधायक ने आए लोगों को आश्वासन दिया कि सारी औपचारिकताएं पूरी करवा कर कॉलोनी वासियों को उनके मकानों का मालिकाना हक दिलवाया जाएगा। इसके लिए आरडब्ल्यूए महासचिव मनोज पाठक, दीपक तिवारी, प्रमोद गिल, अच्छे लाल मौर्य, रामनाथ प्रसाद, हृदय यादव, मनसा राम यादव, दीपक शर्मा, महेंद्र शेखावत, संतोष, सूरज शर्मा, लाखन, सुभाष, विजय, अशोक शर्मा, बीरबल सिंह, कृष्ण मिश्रा, कुलदीप बिश्नोई, राकेश पटेल, सुशील, श्याम सिंह, अजय पांडे आदि कॉलोनी वासियों ने मुख्यमंत्री और बल्लभगढ़ विधायक मूलचंद शर्मा का आभार व्यक्त किया।

श्रीमद् भागवत कथा से पूर्व धूमधाम से निकाली कलश यात्रा

गुरुग्राम, एजेंसी। अशोक विहार फेज-3 में साप्ताहिक श्रीमद् भागवत कथा से पूर्व मंगलवार को कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में काफी संख्या में महिलाओं ने शिरकत किया। कलश लेकर महिलाएं नाचती-गाती हुई यात्रा में शामिल हुई। साप्ताहिक श्रीमद् भागवत कथा में ओमप्रकाश शास्त्री कथा कर रहे हैं।

श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन अशोक विहार फेज-3 में राधा-कृष्ण मंदिर के निकट समाजसेवी कर्मवीर एवं प्रमिला की ओर से करवाया जा रहा है। पूरे विधि-विधान के अनुसार कलश यात्रा निकाली गई। महिलाओं में यात्रा को लेकर काफी उत्साह रहा। महिलाएं पीले वस्त्र पहनकर यात्रा में पहुंचीं। सुबह से ही महिलाएं इस यात्रा की तैयारियों में जुटीं थी। कथा वाचक ओमप्रकाश शास्त्री द्वारा सुनाए जाने के लिए भव्य मंच भी तैयार किया गया है। कथावाचक ओमप्रकाश शास्त्री ने पहले दिन की कथा में श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत कथा सिर्फ एक कथा नहीं, बल्कि यह हमारे जीवन का सार है। हमारे जीवन से जुड़ी हर बात, हर घटना श्रीमद् भागवत में समझी जा सकती है। उन्होंने कहा कि जब पुण्य का उदय होता है, तब ऐसा अनुष्ठान होता है। श्रीमद् भागवत कथा एक अमर कथा है। इसे सुनने से पाप कट जाते हैं। वेदों का सार युगों-युगों से मानव जाति तक पहुंचाता रहा है। उन्होंने बताया कि सबसे पहले सुखदेव मुनि जी ने राजा परीक्षित को भागवत कथा सुनाई थी। उन्हें सात दिनों के अंदर तक्षक के दंश से मृत्यु का श्राप मिला था। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा अमृत पान करने से संपूर्ण पापों का नाश होता है।

सतंबर 2025 तक बन कर तैयार होगा शीतला माता मंदिर

गुरुग्राम, एजेंसी। श्री माता शीतला देवी श्राईंन बोर्ड के प्रशासक अजय कुमार ने श्री शीतला माता देवी मंदिर में माता के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर श्री माता शीतला देवी श्राईंन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं बादशाहपुर के एसडीएम अंकित चोकसे भी उपस्थित थे। अमृत काल में निमार्णाधीन श्री शीतला माता देवी के मंदिर का निर्माण कार्य वर्ष 2025 के सितंबर माह तक पूरा कर लिया जाएगा। डीसी अजय कुमार ने श्री शीतला माता देवी के दर्शन करने के उपरांत श्री माता शीतला देवी श्राईंन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंकित चोकसे से श्राईंन बोर्ड की कार्य प्रणाली के बारे में चर्चा की और मंदिर परिसर में चल रहे माता के नए भवन के निर्माण कार्यो की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान निरीक्षण दौरे में मंदिर प्रबंधन के अधिकारी व श्री माता शीतला देवी के नए भवन के निर्माण से जुड़ी संस्था के अधिकारी भी मौजूद रहे।

फरीदाबाद में डेंगू के 128 व मलेरिया के 28 मामले आए

फरीदाबाद, एजेंसी। जिले में डेंगू का कहर बढ़ता ही जा रहा है। अभी तक डेंगू के 128 केस और मलेरिया के 28 मामले सामने आए हैं। फरीदाबाद सिविल अस्पताल के सिविल सर्जन डॉक्टर अशोक कुमार ने बढ़ते डेंगू और मलेरिया के मामलों को लेकर मंगलवार को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अभी स्थिति सामान्य है, पिछले साल के मुकाबले इस साल डेंगू और मलेरिया के मामले कम आए हैं। उन्होंने कहा कि सिविल अस्पताल की तरफ से रैपिड एक्शन टीम घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ मच्छरों के लार्वा की जांच भी कर रही है। कहीं पर डेंगू के लार्वा मिलते हैं तो उन लोगों पर जुमार्ना भी लगाया जाता है। सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि जिले में चार टीम बनी हुई हैं, जो अलग-अलग स्तर पर काम कर रही हैं। कारपोरेशन डिपार्टमेंट से भी समझौता किया हुआ है, जहां पर स्लम एरिया है वहां पर फागिंग करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि अभी स्थिति सामान्य है क्योंकि डेंगू और मलेरिया का समय खत्म होने जा रहा है। नवम्बर तक यह खत्म हो जाते हैं, अब अगले 10 दिन में 5-10 ही मामले आ सकते हैं। डॉ अशोक कुमार ने कहा कि अगर किसी अस्पताल में कोई डेंगू या मलेरिया का मरीज भर्ती है, जो डेंगू और मलेरिया के जांच रेट सरकार द्वारा निर्धारित है उसी तय रेट पर उसकी जांच की जाएगी।

अगर किसी को प्लेटलेट्स की भी जरूरत पड़ती है तो सिविल अस्पताल से उपलब्ध कराई जाती है। अगर सिविल अस्पताल में नहीं मिलती है तो उन्हें बाहर से व्यवस्था कराई जाती है।

पलवल: इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र में पलवल का छात्र चयनित

पलवल, एजेंसी। उपमंडल होडल के गांव करमन निवासी बृजेश कुमार का इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र चेन्नई में टेक्नीशियन के पद पर चयन हुआ है। जिससे उसके परिवार में खुशी की लहर है। बृजेश ने जिस स्कूल से दसवीं व बारहवीं की पढ़ाई की थी, उस स्कूल की ओर से छात्र का जोरदार स्वागत किया गया। जिले के करमन गांव निवासी बृजेश कुमार का इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र चेन्नई में टेक्नीशियन पद पर चयन होने पर स्कूल प्रबंधन समिति ने छात्र व उसके परिजनों के सम्मान में समारोह का आयोजन किया।

सरस्वती स्कूल के चेयरमैन हेतराम चौधरी व स्कूल स्टाफ ने छात्र का स्कूल में पहुंचने फूल मालाओं से स्वागत किया। बृजेश कुमार के दादा हुकमचंद ने बताया कि जब उन्हें पता चला की उनके पौत्र का चयन इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र में टेक्नीशियन के पद पर हुआ है, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

आंदोलन के दूसरे दिन भी डटे रहे छात्र, अभाविप ने पक्ष में आवाज उठायी

प्रयागराज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के पीसीएस 'प्री' और आरओ..एआरओ की परीक्षा दो दिन में संपन्न कराने के निर्णय के विरोध में सोमवार को शुरू हुआ छात्र आंदोलन मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी है। देर रात जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस आयुक्त ने आयोग में बैठक की, जो बेनतीजा रही।

आंदोलनरत छात्रों ने रात खुले आसमान के नीचे गुजारी और मंगलवार की सुबह फिर से धरना प्रदर्शन में जुट गए। जो छात्र छात्राएं रात में अपने घर चले गए थे, वे मंगलवार सुबह आयोग के गेट पर पुनः एकत्रित हो गए और आंदोलन शुरू कर दिया।

इस बीच अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने छात्रों के पक्ष में आवाज उठाते हुए परीक्षा केंद्रों के व्यवस्थापन एवं निर्धारण, नॉर्मलाइजेशन (मानकीकरण), परीक्षाओं को दो पाली में करवाने एवं परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखने हेतु आयोजन संबंधी विषयों पर अभ्यर्थियों से बातचीत करके शीघ्र सकारात्मक उचित कदम उठाने की मांग की है।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने सोमवार रात एक बयान जारी करके कहा था, 'परीक्षाओं की शुचिता और छात्रों के भविष्य को संरक्षित करने के उद्देश्य से परीक्षाएं केवल उन केंद्रों पर कराई जा रही हैं, जहां किसी प्रकार की गड़बड़ियों की कोई संभावना नहीं है। पूर्व में दूर-दराज के परीक्षा केंद्रों में कई प्रकार की गड़बड़ियां संज्ञान में आयी हैं, जिन्हें खत्म करने के लिए यह कदम उठाए गए हैं।'

आयोग ने बयान में कहा कि परीक्षाओं के संबंध में अभ्यर्थियों ने आयोग को पत्र भेजकर बताया है कि कुछ टेलीग्राम चैनल एवं यू ट्यूबर्स द्वारा परीक्षा को टलवाने की साजिश की जा रही हैं।

प्रतियोगी छात्रों ने सोमवार सुबह से यहां लोक सेवा आयोग के गेट पर धरना प्रदर्शन शुरू किया। दिन ढलने के साथ हजारों की संख्या में छात्रों ने मोबाइल फोन की टॉर्च जलाकर एकता दिखाई।

इससे पूर्व, आंदोलन शुरू होने के समय आयोग के आसपास भारी संख्या में तैनात पुलिसकर्मियों ने छात्रों को गेट नंबर दो की तरफ आने से रोका, लेकिन भारी संख्या में छात्र छात्राओं की भीड़ बैरिकेड को पार करते हुए गेट के पास पहुंची और धरने पर बैठ गई। पुलिस ने छात्रों को तितर बितर करने के लिए उन्हें खदेड़ा, लेकिन आंदोलनरत छात्र फिर से वहां एकत्रित हो गए।

लोक सेवा आयोग के गेट के सामने धरने पर बैठे छात्रों के हाथों में अलग अलग नारे लिखी तख्तियां थीं, जिसमें किसी में लिखा था 'बटेंगे नहीं, हटेंगे नहीं, न्याय मिलने तक एक रहेंगे', तो किसी में लिखा था, 'एक दिन, एक परीक्षा'।

आयोग ने पिछले मंगलवार को इन परीक्षाओं की तिथियों की घोषणा की। प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) 'प्री' की परीक्षा के लिए जहां सात और आठ दिसंबर की तिथि घोषित की गई है, वहीं समीक्षा अधिकारी व सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ..एआरओ) 'प्री' की परीक्षा के लिए 22 और 23 दिसंबर की तिथि घोषित की गई है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के प्रदेश मीडिया संयोजक अभिनव मिश्र ने मंगलवार को एक बयान जारी करके कहा कि अभाविप, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग से आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन, शुचिता एवं पारदर्शिता से संबंधित अभ्यर्थियों की चिंताओं का जल्द निराकरण करने की मांग करती है, जिससे अभ्यर्थी परीक्षा की तैयारी बिना किसी आशंका एवं संदेह के कर सकें। उन्होंने कहा कि इसी के साथ अभाविप प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों पर हुए लाठीचार्ज की भी निंदा करती है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय मंत्री अंकित शुक्ला ने कहा, 'उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित पीसीएस एवं आरओ/एआरओ की आगामी परीक्षाओं में आयोग द्वारा निर्धारित नियमावली से अभ्यर्थियों के मन में कुछ आशंकाएं व्याप्त हैं, जिसे लेकर अभ्यर्थी लगातार कई स्तरों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। अभाविप उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग से यह मांग करती है की अभ्यर्थियों की समस्त चिंताओं का जल्द से जल्द निराकारण आयोग को करना चाहिए। अभाविप का यह स्पष्ट मत है की परीक्षाओं की शुचिता एवं पारदर्शिता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं है एवं केंद्र निर्धारण एवं मानकीकरण को लेकर अभ्यर्थियों की समस्त चिंताओं का गंभीरतापूर्वक निराकरण होना चाहिए।'अभाविप, काशी प्रांत के प्रांत मंत्री अभय प्रताप सिंह ने कहा, 'अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद उत्तर प्रदेश में पीसीएस एवं आरओ/एआरओ की परीक्षाओं के शुचितापूर्ण आयोजन हेतु अभ्यर्थियों द्वारा व्यक्त की जा रही चिंताओं के जल्द निराकरण की मांग आयोग से करती है।'

सिंह ने कहा कि इस संदर्भ में अभाविप आयोग से 'नॉर्मलाइजेशन' की प्रक्रिया, केंद्र निर्धारण संबंधी आशंकाओ के निराकरण एवं उक्त प्रतियोगी परीक्षाओ हेतु निर्धारित जिलों की संख्या बढ़ाने की मांग करती है।

प्रांत मंत्री ने कहा, 'हम प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों पर हुए लाठीचार्ज की निंदा करते हैं। हमारा यह स्पष्ट मत है की समस्त चिंताओं के निराकरण का माध्यम सतत संवाद ही होना चाहिए।'

एक नजर

क्या उप्र में एक समय में परीक्षा कराने के लिए बुनियादी सुविधाओं का अभाव है : मायावती

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के पीसीएस प्री और आरओ..एआरओ की परीक्षा दो दिन में संपन्न कराने के निर्णय के विरोध में जारी छात्रों के आंदोलन के प्रति समर्थन जताते हुए बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने मंगलवार को पूछा कि 'क्या उप्र के पास एक समय में परीक्षा कराने की बुनियादी सुविधाओं का इतना अभाव है कि पीसीएस आदि जैसी विशिष्ट परीक्षा दो दिन में करानी पड़ रही है।' मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'उत्तर प्रदेश संघ लोक सेवा आयोग द्वारा पीसीएस तथा आरओ-एआरओ की भी प्रारंभिक परीक्षा-2024 एक समय में कराने में विफलता को लेकर आक्रोशित छात्रों पर पुलिस कार्रवाई से उत्पन्न स्थिति संबंधी खबर का व्यापक चर्चा में रहना स्वाभाविक है।' उन्होंने सरकार से पूछा, 'क्या उप्र के पास एक समय में परीक्षा कराने की बुनियादी सुविधाओं का इतना अभाव है कि पीसीएस आदि जैसी विशिष्ट परीक्षा दो दिन में करानी पड़ रही है? पेपर लीक पर रोक व परीक्षाओं की विश्वसनीयता अहम मुद्दा है, जिसके लिए एक बार में ही परीक्षा व्यवस्था जरूरी है। सरकार इस ओर ध्यान दे।' मायावती ने साथ ही कहा कि गरीबी, बेरोजगारी व महंगाई आदि की गहरी मार झेल रहे छात्रों के प्रति सरकार का रवैया क्रूर नहीं बल्कि सहयोग एवं सहानुभूति का होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार खाली पड़े सभी बैकलाग पर जितनी जल्दी भर्ती की प्रक्रिया पूरी करे, उतना बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि लोगों को रोजी-रोजगार की सख्त जरूरत है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के पीसीएस प्री और आरओ..एआरओ की परीक्षा दो दिन में संपन्न कराने के निर्णय के विरोध में सोमवार को शुरू हुआ छात्र आंदोलन प्रयागराज में यूपीपीएससी मुख्यालय के सामने आज दूसरे दिन भी जारी है। देर रात जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस आयुक्त ने आयोग में बैठक की, जो बेनतीजा रही। आंदोलनकर्मी छात्रों ने रात खुले आसमान के नीचे गुजारी और मंगलवार की सुबह फिर से धरना प्रदर्शन में जुट गए। जो छात्र छात्राएं रात में अपने घर चले गए थे, वे मंगलवार की सुबह आयोग के मुख्यालय के गेट पर पुनः एकत्रित हो गए और आंदोलन शुरू कर दिया। प्रतियोगी छात्रों ने सोमवार सुबह से यहां लोक सेवा आयोग के गेट पर धरना प्रदर्शन शुरू किया। दिन ढलने के साथ हजारों की संख्या में छात्रों ने मोबाइल फोन की टार्च जलाकर एकता दिखाई। आयोग ने पिछले मंगलवार को इन परीक्षाओं की तिथियों की घोषणा की। जहां पीसीएस प्री की परीक्षा के लिए सात और आठ दिसंबर की तिथि घोषित की गई है, वहीं समीक्षा अधिकारी व सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ..एआरओ) प्री की परीक्षा के लिए 22 और 23 दिसंबर की तिथि घोषित की गई है।

आपसी विवाद के बीच मारपीट में घायल हुई महिला की मौत

बुलंदशहर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में आपसी विवाद के बीच मारपीट में घायल हुई 30 वर्षीय महिला की मौत हो गयी। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना जिले के अहमदगढ़ इलाके में नौ नवंबर की शाम को हुई और महिला की अगले दिन यानी 10 नवंबर को मौत हो गयी। पुलिस के मुताबिक, अहमदगढ़ का रहने वाला ओमकार अपनी पत्नी सुनीता देवी (30) के साथ पापड़ी गांव में एक खेत से सिंघाड़े तोड़कर वापस आ रहा था। पुलिस ने बताया कि जब दोनों एक घर के सामने पहुंचे तो गांव की महिलाओं ने उसकी पत्नी के साथ मारपीट शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक, ओमकार ने काफी मुश्किल से अपनी पत्नी को बचाया और वहां से ले गया लेकिन अगले ही दिन उसकी पत्नी की मौत हो गई। शिकारपुर के पुलिस क्षेत्राधिकारी विकास प्रताप सिंह चौहान ने बताया मृतका के परिवार की तहरीर पर तीन महिलाओं के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि जिन तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया उनमें से दो महिलाएं वयस्क हैं और एक नाबालिग है। अधिकारी ने बताया कि दो महिलाओं को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

दलित महिला से अश्लील हरकत करने पर दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

भदोही, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में छठ पूजा कर लौट रहे एक दलित नव दंपति से मारपीट करने और महिला के साथ कथित रूप से अश्लील हरकत करने के लिए पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी अशोक मिश्रा ने मंगलवार को बताया कि रजपुरा चौकीक्षेत्र के अंतर्गत एक दलित नवविवाहिता अपने पति के साथ सात नवंबर शाम को छठ पूजा कर घर लौट रही थी। उन्होंने बताया कि पति-पत्नी जब घर लौट रहे थे तब फकरे आलम उर्फ डीएम और इरफान अली ने महिला के साथ कथित तौर पर अश्लील हरकत की। अधिकारी ने बताया कि पति द्वारा विरोध करने पर आरोपियों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए उसकी पिटाई कर दी। उन्होंने बताया कि इस दौरान महिला किसी तरह आरोपियों के चंगुल से बचकर घर पहुंची। मिश्रा ने बताया कि महिला की तहरीर पर फकरे आलम और इरफान अली के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 75,76,352,115 (2) और अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत सोमवार को मुकदमा दर्ज किया गया। उन्होंने बताया फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

कार सड़क के किनारे खडे.ट्रक में जा घुसी, दो युवकों की मौत

बिजनौर, एजेंसी। मेरठ पौड़ी राजमार्ग पर तेज गति से आ रही एक कार के सड़क के किनारे खडे. ट्रक में जा घुसने से कार सवार दो युवकों की मौत हो गई तथा कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। अपर पुलिस अधीक्षक संजीव वाजपेयी ने मंगलवार को बताया कि सोमवार रात लगभग 12 बजे नजीबाबाद की ओर से तेज गति से आ रही कार बिजनौर कोतवाली के नैक्सा शो रुम के सामने सड़क के किनारे खडे. ट्रक में घुस गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद कार सवार तीन युवकों को निकाला और अस्पताल ले गई। अस्पताल पहुंचने पर, दिल्ली में कबाडी.का काम करने वाले साजिद (23 वर्ष) और थाना हल्लौर के झालू निवासी अनस (22 वर्ष) को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया जबकि कार चालक जैनुल का गंभीर घायल हालत में उपचार चल रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही हैं।

बारातियों से भरी बस खाई में गिरने से 12 से अधिक लोग घायल

एटा (उप्र), एजेंसी। एटा जनपद के पिलुआ थाना क्षेत्र के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर बारातियों से भरी एक बस खाई में गिरकर पलट गई, जिससे उसमें सवार कई लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, यह घटना सोमवार देर रात लगभग 10 बजे की है। बस पलटने से बारातियों में चीख पुकार मच गयी और शोर सुन कर आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए और बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। घटना की सूचना पाकर पिलुआ थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंची और घायलों को एटा के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। यह बस दिल्ली के सुल्तानपुरी से बेवर के नवीगंज में बारातियों को लेकर जा रही थी।

'योगी बनाम प्रतियोगी छात्र' हुआ माहौल, नौकरी भाजपा के एजेंडे में नहीं : अखिलेश

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के पीसीएस प्री और आरओ..एआरओ की परीक्षा दो दिन में संपन्न कराने के निर्णय के विरोध में जारी छात्रों के आंदोलन के समर्थन में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि माहौल 'योगी बनाम प्रतियोगी छात्र' हो गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'आज प्रदेश के प्रतियोगी परीक्षाओं के हर अभ्यर्थी, हर छात्र, हर युवक युवती की जुबान पर जो बात है वह यह है कि नौकरी भाजपा के एजेंडे में है ही नहीं। उन्होंने चलवाया लाठी डंडा, नौकरी नहीं जिनका एजेंडा।'

अखिलेश यादव ने कहा, 'भाजपा के लोग जनता को रोजी रोटी के संघर्ष में उलझाए रखने की राजनीति करते हैं जिससे भाजपाई सांप्रदायिक राजनीति की आड़ में भ्रष्टाचार करते रहें। सालों साल रिक्तियां या तो निकलती नहीं है या फिर परीक्षा की प्रक्रिया पूरी नहीं होती है।' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने छात्रों को पढ़ाई की मेज से उठाकर सड़कों पर लाकर खड़ा कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि यही आक्रोशित अभ्यर्थी और उनके हताश निराश परिवारवाले अब भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन रहे हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि नौकरी-पेशा, पढ़ा-लिखा मध्यम वर्ग अब भावना में बहकर भाजपा के बहकावे में आने वाला नहीं है।

अखिलेश यादव ने कहा, 'अब ये लोग भी भाजपा की नकारात्मक राजनीति के झांसे में आने वाले नहीं हैं। ये लोग अब बांटने वाली सांप्रदायिक राजनीति को नकार कर जोड़ने वाली सकारात्मक राजनीति को गले लगा रहे हैं। अब कोई भाजपाइयों का मानसिक गुलाम बनने को तैयार नहीं हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'अब लोग समझ गए हैं कि भाजपा सरकार के रहते कुछ भी नहीं होने वाला। भाजपा के पतन में ही छात्रों का उत्थान है। भाजपा और नौकरी में विरोधाभासी संबंध है।

जब भाजपा जाएगी, तभी नौकरी आएगी।'

अखिलेश ने कहा, 'अब क्या भाजपा सरकार छात्रों के हॉस्टल या लॉज पर बुलडोजर चलाएगी। भाजपाई जिस शिद्दत से नाइंसाफी का बुलडोजर चला रहे हैं, अगर उसी शिद्दत से सरकार चलाई होती तो आज भाजपाइयों को छात्र आक्रोश से डरकर अपने घरों में छिपकर नहीं बैठना पड़ता। आंदोलनकारियों के गुस्से से घबराकर भाजपाइयों के घरों, दुकानों, प्रतिष्ठानों और गाड़ियों से भाजपा के झंडे उतर गए हैं।'

आभूषण व्यापारी ने पत्नी बच्चों को जहर दे कर मार डाला, फिर की आत्महत्या की कोशिश

इटावा, एजेंसी। जिले में एक आभूषण व्यापारी ने सोमवार को अपनी पत्नी, दो बेटियों और एक बेटे को जहरीला पदार्थ खिलाकर कथित तौर पर मार डाला और फिर इटावा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी।

इटावा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार ने सोमवार देर रात बताया कि शहर क्षेत्र के कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला लालपुरा में चार मंजिला एक मकान में चार भाई अपने अपने परिवार के साथ एक-एक मंजिल पर रह रहे थे। उन्होंने बताया कि इनमें से आभूषण व्यापारी मुकेश वर्मा की पत्नी रेखा (40), उनकी दो बेटियों भव्या (22), काव्या (17) और बेटे अभीष्ट (12) के शव अलग-अलग कमरों में पड़े मिले। उन्होंने बताया कि यह घटना तब सामने आई जब सोमवार की शाम मुकेश वर्मा ने अपनी पत्नी और बच्चों के शवों के फोटो अपने मोबाइल फोन के स्टेटस पर अपलोड किए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के अनुसार, स्टेटस देखने के बाद मकान में रह रहे भाइयों ने कमरों की जांच की तो वहां शव देख कर हड़कंप मच गया। मुकेश वर्मा घर पर नहीं था, वह आत्महत्या करने के लिए इटावा रेलवे स्टेशन पर था।

कुमार ने बताया कि मुकेश वर्मा को मरुधर एक्सप्रेस के आगे कूदता देख लोगों ने शोर मचाया। ट्रेन रुकने के बाद प्लेटफार्म पर मौजूद आरपीएफ के जवानों ने उसे ट्रेन के नीचे रेलवे ट्रैक के बीच से निकाला। मुकेश वर्मा को मामूली चोटें आई हैं।

एसएसपी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

एक लाख 40 हजार रुपये से अधिक जाली मुद्रा बरामद, गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

फरुर्खाबाद (उप्र), एजेंसी। फरुर्खाबाद जिले की मोहम्मदाबाद कोतवाली पुलिस ने मंगलवार को एक लाख 40 हजार रुपये से अधिक मूल्य की भारतीय जाली मुद्रा बरामद करने के साथ ही एक गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) संजय सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि कोतवाली मोहम्मदाबाद पुलिस ने मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर सर्वेश कुमार निवासी ग्राम बिलसड, जिला एटा व विपिन कुमार उर्फ जेपी यादव निवासी ग्राम टिकुरा नगला थाना मेरापुर को पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि पकड़े गए लोगों से पूछताछ के पश्चात दो अन्य लोगों यज्ञ मित्र सिंह व दीपक यादव निवासी नदौरा के यहां छापा मारा गया। एएसपी ने बताया कि पुलिस ने मौके से कुल 1,40,900 रुपये मूल्य के जाली नोट जब्त करने के साथ इन्हें बनाने के उपकरण बरामद किये। बरामद किये गये जाली नोटों में 500 रुपये के 180 नोट, 100 रुपये के 503 नोट तथा 200 रुपये के तीन नोट थे। पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

दीवार ढहने से मलबे में दबकर बच्ची समेत चार महिलाओं की मृत्यु

कासगंज/आगरा (उप्र), एजेंसी। जिले के कोतवाली पुलिस थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक दीवार ढहने से उसके मलबे में दबकर 10 साल की बच्ची समेत चार महिलाओं की मृत्यु हो गई।

पुलिस के मुताबिक, कासगंज में पुल निर्माण के लिए खोदी गई खाई से मिट्टी निकालते समय यह हादसा हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद कासगंज के मोहनपुरा में मिट्टी का ढेर गिरने से हुए हादसे में जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

घटना मोहनपुरा में रामपुर और कटौर गांवों के बीच सुबह करीब सात बजे हुई। रामपुर की महिलाएं और बच्चे पुल निर्माण के लिए खोदी गई खाई से मिट्टी लेने गए थे।

अपर पुलिस अधीक्षक राकेश भारती ने बताया, 'चार लोगों की मौत हो गई है, जिनमें तीन महिलाएं और 10 साल की एक बच्ची शामिल है।'

उन्होंने बताया कि नौ लोग अपने घर में किसी समारोह के लिए मिट्टी खोदने गए थे और 10 फुट गहरी खाई में गिर गए। मिट्टी उनके ऊपर गिर गई। यह खाई इलाके में एक पुल निर्माण के लिए खोदी गई थी।' उन्होंने कहा, 'पांच लोगों का इलाज चल रहा है और बचाव कार्य अब पूरा हो गया है

कासगंज के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डाक्टर राजीव अग्रवाल ने संवाददाताओं को बताया कि ये महिलाएं अपने घर पर किसी समारोह के लिए मिट्टी एकत्र करने गई थीं। मिट्टी इकट्ठा करते समय दीवार ढह गई।

अग्रवाल ने बताया कि अभी तक नौ घायल व्यक्तियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से चार की मृत्यु हो गई। पांच घायल व्यक्तियों को इलाज के लिए अलीगढ़ रेफर किया गया है।

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा गया,'मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद कासगंज के मोहनपुरा में मिट्टी का ढेर गिरने से हुए हादसे में जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।'

मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। साथ ही, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

विश्वविद्यालय के पदों पर भर्ती व दाखिले में मुस्लिम अभ्यर्थियों के लिए कोई आरक्षण नहीं है: एएमयू

अलीगढ़ (उप्र), एजेंसी। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश और पदों पर भर्ती में मुस्लिम अभ्यर्थियों को धार्मिक आधार पर आरक्षण देने के दावों का खंडन करते हुए कहा है कि उसके यहां इस तरह के आरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है।

विश्वविद्यालय ने सोमवार रात को जारी एक बयान में यह बात कही। इसके कुछ दिन पहले उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि एएमयू के अल्पसंख्यक दर्जे से जुड़े कानूनी सवाल पर फैसला नई पीठ करेगी और 1967 के उस फैसले को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया है कि विश्वविद्यालय को अल्पसंख्यक संस्थान नहीं माना जा सकता क्योंकि इसे एक केंद्रीय कानून द्वारा स्थापित किया गया है।

एएमयू के अधिकारी पिछले तीन दिनों से इन दावों का खंडन कर रहे हैं कि विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के प्रवेश और कर्मचारियों की नियुक्ति में मुसलमानों के लिए सीट आरक्षित करने की व्यवस्था लागू की जा रही है।

एएमयू के जनसंपर्क कार्यालय के प्रभारी सदस्य प्रोफेसर मोहम्मद असीम सिद्दीकी ने कहा, 'अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय मुस्लिम अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश देने या पदों पर भर्ती करने में कोई आरक्षण नहीं देता है, जैसा कि कुछ मीडिया संस्थानों द्वारा भारत के सर्वोच्च न्यायालय की सात न्यायाधीशों की पीठ के हाल के फैसले के बाद बताया गया है।'

बयान में कहा गया है, 'एएमयू में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित स्कूलों से पास होने वाले छात्रों के लिए आंतरिक कोटा प्रणाली है। जब ये छात्र विश्वविद्यालय में प्रवेश चाहते हैं, तो उन्हें आंतरिक माना जाता है और उनके लिए 50 प्रतिशत सीट आरक्षित की जाती हैं, चाहे उनका धर्म या आस्था कुछ भी हो।' बयान में सिद्दीकी ने कहा, 'एएमयू में मुस्लिम उम्मीदवारों के लिए सीट आरक्षित करने की खबरें झूठी और भ्रामक हैं।'

अलीगढ़ जिले के खैर में नौ नवंबर को आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था, 'इस मामले में फैसला उच्चतम न्यायालय करेगा। लेकिन भारत के संसाधनों से पोषित और जनता के कर से संचालित यह एक ऐसा संस्थान है जो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों को आरक्षण नहीं देता, लेकिन मुसलमानों के लिए 50 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था करता है।'

योगी ने सवाल किया, 'भारत का संविधान अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और मंडल कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों को आरक्षण की सुविधा देता है, लेकिन एएमयू में यह सुविधा क्यों नहीं मिली?'

उन्होंने जोर देकर कहा, 'जब भारत का पैसा लगा है तो वहां भी इन्हें आरक्षण की सुविधा का लाभ मिलना चाहिए। नौकरी और प्रवेश में भी यह सुविधा मिलनी चाहिए। इसे क्यों बंद किया गया, क्योंकि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) नहीं चाहती हैं। वोट बैंक बचाने के लिए यह लोग आपकी भावना और राष्ट्रीय एकता-अखंडता तथा अस्मिता के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।'

एक नजर

जिओ बीपी के तहत तेल भरवाए एक्सयूवी जीते, महापौर ने लक्की विजेता को गोल्ड वाउचर दिया

बिट्टू कुमार, पश्चिम चंपारण/ बेतिया। शहर के स्टेशन चौक स्थित जिओ पेट्रोल पंप के लकी विजेता को नगर निगम के महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने विजेता सतीश कुमार को लकी गोल्ड वाउचर दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्टेशन चौक जिओ के प्रोपराइटर अजय अंकल के यहां एक लकी ड्रा हुआ है जिसमें अंकल के पेट्रोल पंप पर से तेल भराए ग्राहक सतीश कुमार को पूरे ऑल ओवर इंडिया में पंद्रह हजार का गोल्ड वाउचर मिला है, काफी खुशी की बात है और पूरे भारत वर्ष में बेतिया के विजेता का नाम भी आया है। वही पेट्रोल पंप के प्रोपराइटर अजय कुमार किशान उर्फ बंटी ने कहा कि जिओ ने अपने ग्राहकों के लिए नया-नया स्कीम दे रहा है जिसमें एक स्कीम है पेट्रोल भरो एक्सयूवी जीतो इस स्कीम में प्रतिदिन बारह हजार लोगों को पांच सौ तक का वाउचर मिलता है तथा प्रत्येक सप्ताह में हजार का वाउचर बीस आदमी को मिलता है वहीं जनवरी माह में जो लकी ड्रा होगा उसमें बीस ग्राहकों को एक्सयूवी कार मिलेगा। वही अभिजीत किशान ने कहा कि जिओ बीपी के तहत जो भी ग्राहक सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक तेल भरवाते हैं तो उनको तीन रुपया का एक्स्ट्रा बेनिफिट जिओ के तरफ दिया जा रहा है। इस अवसर पर अर्पित केशान तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

महिलाओं की कर्ज मुक्ति और अधिकारों की लड़ाई में तेज होगा संघर्ष

बिहार विस के समक्ष 28 नवंबर को होगा विशाल प्रदर्शन

मुजफ्फरपुर,संवाददाता। मुजफ्फरपुर के मुशहरी प्रखंड में ऐपवा की राष्ट्रीय महासचिव मीना तिवारी की उपस्थिति में सैकड़ों महिलाओं ने माइक्रोफाइनेंस कंपनियों की मनमानी और महिलाओं पर हो रहे कर्ज. के बोझ के खिलाफ आवाज बुलंद की। मीना तिवारी ने घोषणा की कि 28 नवंबर को बिहार विधानसभा के सामने महिलाएं एक विशाल प्रदर्शन करेंगी। इस प्रदर्शन का उद्देश्य माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के अत्यधिक ब्याज और जबरन वसूली पर रोक लगाना, बिना सूद कर्ज उपलब्ध कराना, पुराने कर्जों की माफी, और जीविका कैडर को सरकारी मानदेय देने की मांग को लेकर सरकार पर दबाव बनाना है। संगठन ने सरकार से मांग की है कि बिहार में भी महिलाओं को हर महीने 3000 पेंशन दी जाए, जैसा झारखंड में लागू है। ऐपवा जिला सचिव रानी प्रसाद ने बताया कि इस आंदोलन के माध्यम से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, जीविका, आशाकर्मी, विद्यालय रसोइया और अन्य कामकाजी महिलाओं के अधिकारों के लिए व्यापक स्तर पर लड़ाई को तेज किया जाएगा।

पैक्स चुनाव के सफल संचालन हेतु मतदान कर्मियों का प्रशिक्षण 13 से 18 नवंबर तक

मुजफ्फरपुर। आगामी पैक्स चुनाव 2024 के सफल और सुचारु संचालन के लिए मतदान दल के पदाधिकारियों और कर्मियों का प्रशिक्षण 13 नवंबर से 18 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। मतदान दल के अधिकारियों और कर्मियों का प्रशिक्षण बीबी कॉलेजिएट और मुखर्जी सेमिनरी उच्च विद्यालय में दिया जाएगा। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रशिक्षण स्थल बीबी कॉलेजिएट और डीएन उच्च विद्यालय था, लेकिन अपरिहार्य कारणों से डीएन उच्च विद्यालय की जगह अब मुखर्जी सेमिनरी हाई स्कूल को प्रशिक्षण स्थल बनाया गया है। इस दौरान लगभग 7200 मतदान दल पदाधिकारियों को प्रथम चरण का प्रशिक्षण दोनों निर्धारित स्थलों पर दिया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए मास्टर ट्रेनर नियुक्त किए गए हैं। प्रशिक्षण दो सत्रों में आयोजित होगा, जिसमें प्रथम पाली का प्रशिक्षण सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक और द्वितीय पाली का प्रशिक्षण दोपहर 2:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक दिया जाएगा। यह जानकारी जिला सहकारिता पदाधिकारी श्री प्रभात कुमार ने दी।

बन्दरा सीएचसी में एमएमडीपी किट का वितरण

मरीजों को स्वास्थ्य के प्रति किया गया जागरूक

विभागीय अधिकारी-कर्मी भी रहे मौजूद।

मुजफ्फरपुर/बन्दरा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बन्दरा में एमएमडीपी किट का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सीएचसी प्रभारी डॉ. नौशाद अहमद ने जानकारी दी कि 15 मरीजों में किट का वितरण किया गया है। इस अवसर पर डॉ. नौशाद अहमद ने लोगों को बेहतर स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य केंद्र के विभिन्न पदों के अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

बिहार: 40 साल बाद जुटेंगे देश भर के विधानसभा अध्यक्ष

पटना को मिली पीठासीन सम्मेलन की मेजबानी

पटना,दीपक कुमार तिवारी। बिहार में 20 जनवरी से 23 जनवरी 2025 तक अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों का 85वां सम्मेलन आयोजित होने जा रहा है। इस सम्मेलन में देशभर के विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और विधान परिषद के सभापति और उपसभापति शामिल होंगे। इस महत्वपूर्ण आयोजन के लिए बिहार सरकार ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। 150 बिहार प्रशासनिक सेवा (बिप्रसे) अधिकारियों को सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए बिहार विधानसभा में तैनात किया जाएगा।

सामान्य प्रशासन विभाग ने सोमवार को एक आदेश जारी कर बिप्रसे अधिकारियों की चार दिनों के लिए बिहार विधानसभा सचिवालय में प्रतिनियुक्ति की घोषणा की। यह सम्मेलन बिहार के लिए बेहद खास है क्योंकि इसके पहले 1982 में तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष राधानंदन झा के कार्यकाल में ऐसा सम्मेलन आयोजित हुआ था। इस सम्मेलन में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे। भवन निर्माण विभाग ने सम्मेलन के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। उपराष्ट्रपति और लोकसभा अध्यक्ष के लिए अलग-अलग कक्ष बनाए जाएंगे। भवन निर्माण विभाग ने बताया, 'विधान परिषद स्थित सभापति के कक्ष में उपराष्ट्रपति के बैठने तो विधानसभा अध्यक्ष के कक्ष में लोकसभा अध्यक्ष के लिए कक्ष बनेगा।' अन्य पीठासीन पदाधिकारियों के लिए भी अलग-अलग कक्ष तैयार किए जाएंगे। सम्मेलन में भाग लेने आ रहे अतिथियों के ठहरने के लिए शहर के बड़े-बड़े होटलों को बुक किया गया है। राजकीय अतिथि गृह में भी कुछ लोगों के ठहरने की व्यवस्था की गयी है। एक निजी होटल के प्रबंधक ने बताया, 'विधानसभा में 21 से 23 जनवरी के बीच कार्यक्रम होना है। इसके लिए होटल बुक किया गया है।'

पटना एयरपोर्ट पर इंडिगो के विमान में तकनीकी खराबी

बिहार के राज्यपाल समेत 174 यात्री फंसे

राजभवन लौटे अर्लेकर

पटना,ब्यूरो। बिहार की राजधानी पटना में पटना एयरपोर्ट पर सोमवार को बड़ा हादसा टल गया। इंडिगो की फ्लाइट 6ए 6485, जो पटना से चंडीगढ़ जा रही थी, उड़ान भरने से पहले ही खराब हो गई। फ्लाइट में बिहार के राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर समेत 174 पैसेंजर सवार थे। सभी पैसेंजर्स ने बोर्डिंग कर ली थी और फ्लाइट उड़ान भरने ही वाली थी कि अचानक तकनीकी खराबी आ गई। राज्यपाल फ्लाइट से उतर आए। लेकिन जब फ्लाइट में खराबी ठीक होने में देरी की सूचना मिली तो राज्यपाल आर्लेकर राजभवन लौट गए।

राज्यपाल के जाने के बाद एयरलाइंस कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। इंजीनियरों की टीम ने फ्लाइट को ठीक करने की कोशिश की, इसमें लगभग ढाई घंटे लग गए। फ्लाइट दोपहर 1.55 बजे के बजाय शाम 4.40 बजे चंडीगढ़ के लिए रवाना हुई। एयरपोर्ट के सूत्रों ने बताया कि इंडिगो की यह फ्लाइट भुवनेश्वर से पटना आई थी। इस फ्लाइट को पटना से चंडीगढ़ जाना था। जब पायलट ने फ्लाइट को रनवे पर ले जाने से पहले कॉकपिट में जांच की तो उसे तकनीकी खराबी का पता चला। इसके बाद एयरलाइंस कर्मचारियों और क्रू मेंबर्स को सूचित किया गया। पैसेंजर्स को फ्लाइट से उतारकर दोबारा चेक इन करने को कहा गया। एक घंटे तक फ्लाइट में आई खराबी दूर नहीं हुई तो पैसेंजर्स ने हंगामा शुरू कर दिया। बाद में सीआईएसएफ ने उन्हें शांत कराया।

मुजफ्फरपुर: श्मशान घाट में हुआ ऐसा कुछ, जिसे देखकर लोगों के उड़े होश!

मुजफ्फरपुर,संवाददाता। बिहार में एक हैरान कर देने वाली घटना घटी। यहां एक युवक को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया था, लेकिन वो श्मशान घाट में चिता पर जिंदा हो गया। इस घटना के बाद वहां मौजूद लोग डर के मारे भाग गए। परंतु कुछ लोगों ने साहस कर युवक को चिता से उतारा और फिर से मृतक के परिजनों ने उसे प्रभात तारा अस्पताल ले गए, जहां इलाज के क्रम में युवक की जान नहीं बचाई जा सकी।

घटना मुजफ़्फरपुर के हथौड़ी थाना क्षेत्र के माधोपुर की है। 22 वर्षीय मिट्ठू कुमार नामक युवक की तबीयत खराब हो गई थी। उसके हाथ-पैर में झुनझुनी हो रही थी। परिजनों ने उसे पहले एक ओझा के पास ले गए। ओझा ने झाड़-फूंक की और कहा कि अब वह ठीक हो जाएगा, चिंता की कोई बात नहीं है। लेकिन उसकी तबीयत में सुधार नहीं हुआ। परिजनों ने मिट्ठू को एसकेएमसीएच में भर्ती कराया। यहां डॉक्टर ने बताया कि उसे जोंडिस है। परिजनों ने मिट्ठू को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजन मिट्ठू के शव को लेकर श्मशान घाट पहुंचे। उन्होंने शव को चिता पर रख दिया। आग लगाने की तैयारी ही चल रही थी। मृतक के छोटे भाई की ओर से मुखाग्नि देने की तैयारी की जा रही थी, तभी अचानक मृतक के शरीर में हरकत होने लगी। यह देखकर वहां मौजूद लोग हैरान रह गए। चिता पर लेटे मिट्ठू ने चीखते हुए कहा- रे भाई हमरा आग काहे लगाबइसे हम अभी जिंदा हती हमरा घरे ले चल।ह्न उसकी यह बातें सुनकर पहले कुछ लोग डर से भागे, फिर कई लोग चिता के पास आए। उन्होंने मिट्ठू को आनन-फानन में चिता से नीचे उतारा। परिजनों ने फिर से उसे

तुरंत प्रभात तारा अस्पताल ले गए। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। वहीं पहली बार युवक को मृत घोषित करने वाले डॉक्टर पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोग और मृतक के परिजनों का कहना है कि यदि डॉक्टर उचित तरीके से इलाज करते, तो युवक की जान बच सकती थी।

भूमिहीन गरीबों को 5 डिसमिल जमीन व पक्का के मकान देने का वादा पूरा करो – रवीन्द्र कुमार 'रवि

दो सौ यूनिट बिजली फ्री देने की गारंटी के साथ स्मार्ट मीटर द्वारा चोरी पर रोक लगाओ - हरिशंकर प्रसाद

बिट्टू कुमार, पश्चिम चंपारण/बेतिया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा किये गये वादें, गरीबों को पांच डिसमिल जमीन और पक्का के मकान एवं एक करोड़ जरुरतमंद गरीबों को लघु उद्यमी योजना के तहत दो-दो लाख रुपये देने के मुद्दे को लेकर भाकपा (माले) रेड फ्लैग की बेतिया नगर कमिटी की ओर से अंचलाधिकारी के समक्ष कॉमरेड प्रमोद राम की अध्यक्षता में एक दिवसीय धरना दिया गया। धरना को संबोधित करते हुये भाकपा (माले) रेड फ्लैग के राज्य सचिव कॉमरेड रवीन्द्र कुमार 'रवि' ने कहा नरेन्द्र मोदी की गोद में बैठे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, गरीबों और भूमिहीनों को पांच डिसमिल जमीन और पक्का के मकान, गरीबों को,लघु उद्यमी योजना के लिए एक करोड़ से ज्यादें जरुरतमंद व्यक्तियों को लघु उद्यमी योजना के तहत दो लाख रुपये देने की बातों को अमल करते हुये अपने वादें को शीघ्र पूरा करे।

आगे उन्होंने कहा कि देश के पांच राज्यों में 200 यूनिट फ्री बिजली दी जा रही है, ठीक उसी तर्ज पर बिहार में भी यह सुविधा सरकार उपलब्ध करायें। आगे राज्य सचिव ने कहा की बेतिया शहरी क्षेत्र में जीरो खाता का अंचल रसीद काटने की कोई ठोस व्यवस्था नहीं है और न ही ऑफलाइन दाखिल खारीज एवं परिमार्जन होने के बावजूद ऑनलाइन दिखाई नहीं देने पर अंचल कार्यालय के सिस्टम में सुधार नहीं होने पर उन्होंने खेद प्रकट करते हुये अंचलाधिकारी महोदय को सिस्टम में सुधार करने की नसीहत दी। आगे उन्होंने कहा ने कहा प्रधानमंत्री मोदी को आड़े हाथों लेते हुये कहा कि वर्ष 2014 से नरेन्द्र मोदी और अमित शाह के शासनकाल झूठ और फरेबी का रहा है। देश के राष्ट्रीय सम्पदा को मोदी सरकार कॉरपोरेट घरानों के हाथों गिरवी रख दिया है। आगे उन्होंनें कहा की मेन स्ट्रीम मीडिया देश को बर्बाद कराने में मोदी,शाह के पक्ष में खड़ी है।

आगे उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को चेतावनी देते हुये कहा की यदि बिहार के गरीब, भूमिहीनों की मांगों पर सरकार शीघ्र अमल नहीं करती है तो आगामी 2025 के विधानसभा चुनाव में डबल इंजन की सरकार को वोट के माध्यम से भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। धरना को भरत शर्मा, हरिशंकर प्रसाद, आयशा खातून, संतोष मुखिया आदि नेताओ ने भी संबोधित किया। अंत में हरिशंकर प्रसाद, भरत शर्मा, आयशा खातून, गुलशन खातून, किरण देवी, प्रमोद राम सहित पांच प्रतिनिधिमंडल सदस्यों के नेतृत्व में 150 भूमिहीन व्यक्तियों और गरीबों का नाम का एक लिस्ट सहित 9 सूत्री मांगों का एक ज्ञापन महामहिम राज्यपाल के नाम से अंचलाधिकारी को सौपा। मौके पर सावित्री देवी, आरती देवी, लालबाबू साह, प्रमिला देवी, सलाबुन खातून, रीमा देवी, सोनेलाल पासवान, माला देवी सहित दर्जनों व्यक्ति भी शामिल थें। उक्त जानकारी भरत शर्मा ने दी।

चंपारण: बाजार में प्याज और लहसुन के दामों में इजाफा, लोगों के आंख गिले तो जेब हुए ढ़िले

मोतिहारी,संवाददाता। पिछले दो माह से प्याज और लहसुन के दाम बढ़ने से रसोई का बजट बिगड़ गया है। इनके दाम में बेकाबू बढ़ोतरी से खाने का स्वाद भी बदल गया है। बगैर लहसुन और प्याज के लोग सब्जियां बनाने पर मजबूर हो गए हैं। साथ ही आलू एवं हरा सब्जियों की कीमत में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। जिससे लोग चना और मटर को रसोई में तरजीह दे रहे हैं। बता दें कि इन दिनों खुदरा में लहसुन 250 से 300 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। जबकि प्याज का खुदरा भाव 70 से 80 रुपये प्रति किलो हो गया है। 15 दिनों के अंदर लहसुन के दाम में और बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। हर रसोई में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाली सब्जियों के ऊंचे दामों ने लोगों के घर का बजट पूरी तरह से बिगाड़ दिया है।

सब्जियों के दाम बढ़ने से अक्टूबर में शाकाहारी और मांसाहारी दोनों तरह का घर का बना खाना महंगा हो गया। इसका मुख्य कारण लगातार हो रही बारिश है, जिससे आपूर्ति कम हो गई है। महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और नासिक से मंडियों में नया प्याज और आलू आना शुरू हो गया है। मोतिहारी के बाजार समिति में आलू और प्याज के थोक विक्रेता संजय कुमार ने बताया कि आलू और प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है और इसका असर बाजारों में दिख रहा है। आने वाले दिनों में कीमतों में गिरावट आने की संभावना है। उन्होंने बताया कि बाजार में नया आलू और प्याज कम मात्रा में आ रहा है और पुराने आलू और प्याज को स्टोरेज में रखने से उसकी मजदूरी बढ़ जाती है जिससे बाजार में पहुंचते-पहुंचते उसकी कीमतें बढ़ जाती है। अभी बाजार में रोजाना 200 से 250 टन आलू आ रहा है। जबकि प्याज की आवक 70 से 80 टन ही है। अभी सबसे ज्यादा खेतों में बोए गए आलू की बिक्री हो रही है। पिछले दो माह में प्याज के दाम दोगुने से ज्यादा हो गए हैं। अगस्त के शुरूआत दिनों में प्याज 20 से 25 रुपए प्रति किलो था। आज 70 से 75 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। वहीं जून के माह में लहसुन का दाम स्थिर था, जो 30 से 40 रुपए किलो बिक रहा था। वहीं अब 250 से 300 रुपए प्रति किलो बाजारों में बिक रहा है। लोगों ने बताया कि प्याज की नई फसल भी बाजार में आ गई है फिर भी कीमत में उछाल आया हुआ है। सब्जी व्यापारी ने बताया कि प्याज व लहसुन की बढ़ती कीमतों से 25 से 30 फीसदी ग्राहक कम हो गये हैं। इधर बाजार समिति मोतिहारी व्यवसायी संघ के अध्यक्ष अशोक डालर ने बताया कि प्याज की नयी फसल आने के साथ मूल्य में गिरावट संभव है।

दो नेपाली तस्कर एवं स्कॉर्पियो सहित पांच गिरफ्तार

भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद

मोतिहारी। अरेराज डीएसपी रंजन कुमार के नेतृत्व में पहाड़पुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, रात्रि गस्त में प्राप्त सूचना के आधार पर नाकाबंदी कर सघन वाहन जांच के क्रम में पहाड़पुर थाना के पास एस० एच०-74 सड़क पर एक ट्रक एवं एक स्कॉर्पियो से कुल 45 पैकेट कुल वजन 378 किलोग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद हुआ। तस्करी की योजना बनाने वाले दो नेपाली तस्कर सहित कुल 05 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पहाड़पुर थाना में कांड दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

नवादा: साइबर ठगों के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश, बंगाल से जुड़े हैं कनेक्शन

नवादा,संवाददाता। नवादा में एक बार फिर साइबर थाना की पुलिस ने ऑनलाइन ठगी करने वालों के खिलाफ शिकंजा कसा है. जिले के वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के कोचगांव के बगीचे में छापेमारी कर ऑनलाइन ठगी कर रहे 16 साइबर अपराधियों को रंगेहाथों पुलिस ने धर-दबोचा है। अपराधियों के पास से 15 मोबाइल, 27 पश्चिम बंगाल के एक्टिव सिम कार्ड, तीन बाइक, एक लैपटॉप, सात डेबिट कार्ड, 17 आधार कार्ड, तीन पैन कार्ड, एक वोटर कार्ड और एक बैंक पासबुक बरामद किए गए हैं। पुलिस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस कप्तान अभिनव धीमान ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस कप्तान अभिनव धीमान ने बताया कि प्रतिबिंब पोर्टल व तकनीकी साक्ष्य के आधार पर साइबर थाना की पुलिस ने कोचगांव के बगीचे में छापेमारी की. इस दौरान साइबर अपराधियों को पकड़ लिया गया। उन्होंने बताया कि सभी अपराधी बगीचे में बैठ कर धनी फाइनेंस एवं इंडिया वुल्स के नाम पर सस्ते लोन का ऑफर देकर भोले-भाले लोगों से ठगी कर रहे थे। बगीचे की घेराबंदी करते हुए पुलिस उन अपराधियों को धर दबोचा।

16 गिरफ्तार

चरण सिंह

विचार

कार्यकर्ताओं को लात और पूंजीपतियों को भात?

क्या कार्यकर्ता लात खाकर भी नेताओं के गुलाम बने रहने को तैयार हैं ? क्या कार्यकर्ताओं को अपने स्वार्थ के लिए नेताओं के हाथों अपमानित होना भी बर्दाश्त है ? कार्यकर्ताओं को गुलाम सोचने की प्रवत्ति क्षेत्रीय पार्टियों में ही नहीं है बल्कि अपने को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनने का दंभ भरने वाली बीजेपी में भी इस तरह के मामले सुनने और देखने को मिल रहे हैं।

दरअसल कार्यकर्ताओं का अपने नेता के हाथों अपमानित होना कोई नई बात नहीं है। अब बीजेपी के पूर्व केंद्रीय मंत्री राव साहेब दानवे का अपने कार्यकर्ता को लात मारने का वीडियो वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि रावसाहेब दानवे से मिलने पूर्व मंत्री अर्जुन खोतकर उनके आवास पर पहुंचे थे कि दानवे बुके देकर खोतकर का सम्मान कर रहे थे। जैसा कि कार्यकर्ता नेताओं के फोटो खिंचने के समय नेताओं के साथ खड़े हो जाते हैं तो इस दौरान भी एक बीजेपी का कार्यकर्ता उनके फोटो फ्रेम में आने लगा। ऐसे में प्रश्न उठता है कि यदि कोई पूंजीपति इस फ्रेम में आने की कोशिश करता तो दानवे उसको ऐसे ही लात मारते। पूंजीपति को तो वह गले से लगाते और सम्मानित भी करते। मतलब कार्यकताओं की नेताओं की नजरों में कोई इज्जत नहीं।

दानवे भला किसी आम कार्यकर्ता को अपने साथ फोटो खिंचवाना कैसे पसंद करते ? फिर क्या था कि दानवे इस कार्यकर्ता को अपने पास से हटाने के लिए लात मारने लगे। इस नेता को इस बात का भी आभास नहीं हुआ कि उनकी वीडियो बन रही है। ऐसा भी नहीं कि इस नेता ने एक बार ही इस कार्यकर्ता को लात नहीं मारी हो। जब तक वह फ्रेम से हटा नहीं तब तक यह नेता लात मारता रहा।

जमीनी हकीकत यह है कि आज के नेता कार्यकताओं को गुलाम समझते हैं। कार्यकर्ता हैं कि पार्टियों में बस इस्तेमाल होते रहते हैं और नेता हैं कि उनकी मेहनत की मलाई चाट लेते हैं। ये नेता चुनाव में कार्यकर्ता को पार्टी का समर्पित सिपाई तो बताते हैं पर इनका न तो सम्मान करने को तैयार हैं और न ही उनका आर्थिक स्तर बढ़ता देखना चाहते हैं। बस कार्यकर्ता इनकी गुलामी करते रहें। ऐसा नहीं कि किसी पार्टी विशेष के नेता ही इस तरह का आचरण करते हैं। लगभग सभी पार्टियों के नेताओं का यही रवैया है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि कार्यकर्ता अपमान झेलकर भी पार्टी में क्यों टिके रहते हैं। यह कार्यकताओं का अपमान झेलना ही कहा जाएगा कि अपमान होने पर कार्यकर्ता नेताओं के खिलाफ लामबंदी करते नहीं देखे जाते हैं।

भारतीय रेलवे: पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित

-ए.के.खंडेलवाल-

भारतीय रेलवे में सुरक्षा पहले से कहीं अधिक बेहतर हो गई है, जिसका श्रेय पिछले दशक में की गई योजनाबद्ध पहलों को दिया जा सकता है। भारतीय रेलवे दुनिया का सबसे व्यस्त यात्री परिवहन नेटवर्क है और रेल-यात्री परिवहन में इसका विश्व में पहला स्थान है। रेलवे हर साल 1 लाख करोड़ यात्री किलोमीटर (पीकेएम) से अधिक की दूरी तय करती है और 685 करोड़ से अधिक यात्रियों को सफर कराती है। यह आँकड़ा चीन से भी काफी बड़ा है, जहाँ अपने विशाल नेटवर्क और आबादी के बावजूद लगभग 300 करोड़ यात्री ही रेल का उपयोग करते हैं।

सुरक्षा में इस उल्लेखनीय सुधार का प्रमाण दुर्घटनाओं की घटती संख्या से मिलता है। जहाँ 2000-01 में 473 बड़ी रेल दुर्घटनाएँ हुई थीं, वहीं 2023-24 में यह संख्या घटकर केवल 40 रह गई है। यह गिरावट ट्रैक सुधार, मानव रहित लेवल क्रॉसिंग को हटाने, पुलों की स्थिति की नियमित निगरानी और डिजिटल तकनीक के प्रयोग से संभव हुई है।

रेलवे के सुरक्षा प्रयासों को यात्री और पटरियों की लंबाई के आधार पर और भी सराहा जा सकता है। प्रतिदिन 2 करोड़ से अधिक लोग 70, 000 किलोमीटर लंबे नेटवर्क पर यात्रा करते हैं। त्यौहारों के समय यह संख्या 3 करोड़ तक पहुँच जाती है। इसका मतलब है कि भारत में प्रतिदिन लगभग 2% लोग सुरक्षित रूप से रेल से सफर करते हैं, जबकि चीन में यह आँकड़ा 0.58% और अमेरिका में मात्र 0.09% है।

भारतीय रेलवे के लिए यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह 2023-24 में सुरक्षा से जुड़ी परियोजनाओं में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से स्पष्ट होता है, और चालू वित्त वर्ष में इससे भी अधिक खर्च करने की योजना है। इसका उद्देश्य रेलों, पुलों, पटरियों और संकेत प्रणालियों के रखरखाव में सुधार करना है। साथ ही, ओवर-और अंडर-ब्रिज के निर्माण के माध्यम से पटरियों के निकट की सड़क सुरक्षा में भी सुधार किया जाएगा।

रेलवे सुरक्षा प्रदर्शन का एक प्रमुख सूचकांक ह्यप्रति दस लाख ट्रेन किलोमीटर पर दुर्घटना की संख्याह्न (एपीएमटीके) है, जो 2000-01 में 0.65 से घटकर 2023-24 में 0.03 पर आ गया है। यह सुधार अत्याधुनिक तरीकों और उन्नत तकनीकों के उपयोग के कारण संभव हुआ है, जैसे कि बेहतर पटरी रखरखाव, पटरी दोषों का पता लगाने में सुधार, रेल वेल्ड विफलताओं को रोकना और मानवीय त्रुटियों को कम करना। पटरी रखरखाव में सुधार के लिए आधुनिक मशीनों की तैनाती में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहाँ 2013-14 में केवल 700 मशीनें उपयोग में थीं, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 1, 667 हो गई है। इसके अतिरिक्त, परिसंपत्ति की विश्वसनीयता को बढ़ाने के लिए पूरे नेटवर्क में रेल ग्राइंडिंग का भी उपयोग किया जा रहा है। जिससे पटरियों की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है। इसके साथ ही, उपद्रवी गतिविधियों, पटरियों से छेड़छाड़ और पटरियों पर अवरोध वस्तुओं के कारण होने वाले जोखिमों से निपटने के लिए नियमित गश्त की जाती है।

यात्रियों की सुरक्षा से आगे बढ़कर, रेलवे अब वन्यजीव और पशुधन की सुरक्षा पर भी ध्यान दे रही है। 2024-25 तक 6, 433 किलोमीटर रेलवे ट्रैक के किनारे बाड़ लगाने का लक्ष्य है, जिसमें से अगस्त 2024 तक 1, 396 किलोमीटर पर काम पूरा कर लिया गया है। इससे मवेशियों के साथ टकराव की घटनाओं में कमी आएगी।

इन परिणामों को बनाए रखने और सुधार करने के लिए भारतीय रेलवे ने तकनीकी कार्यक्रमों और लक्षित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अपनाया है। इस पहल के तहत लोकोपायलटों को कोहरे वाले क्षेत्रों में परिचालन में सहायता के लिए जीपीएस-आधारित फॉग-पास डिवाइसेस की संख्या में वृद्धि की गई है, जो 2014-15 में केवल 90 थी और अब बढ़कर 21, 742 हो गई है। लोकोपायलटों की सतर्कता बढ़ाने के लिए सभी लोकोमोटिव में सतर्कता नियंत्रण उपकरण (वीसीडी) लगाए गए हैं, जिनकी संख्या 2013-14 में 10, 000 से बढ़कर अब 16, 021 हो चुकी है। सुरक्षा उपायों के अंतर्गत, बड़ी पटरी (ब्रॉड-गेज) मार्गों पर स्थित 6, 637 स्टेशनों में से 6, 575 स्टेशनों पर पैनल इंटरलॉकिंग, रूट रिले इंटरलॉकिंग और इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग जैसी उन्नत संकेत प्रणालियाँ स्थापित की गई हैं।

लोकोपायलटों की दक्षता को बेहतर बनाने के लिए ड्राइविंग कौशल और प्रतिक्रिया समय में सुधार के उद्देश्य से सिम्युलेटर-आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जो क्षेत्रीय अनुभव का अनुकरण करता है। अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों को अग्निशमन और अग्निशामक यंत्रों के उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। 2023-24 के दौरान 6 लाख से अधिक रेलवे कर्मचारियों ने प्रारंभिक, प्रगति-उन्मुख, पुनः अभ्यास और विशिष्ट जैसे विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण प्राप्त किए हैं।

-प्रियंका सौरभ

कृषि में महिलाओं को सशक्त बनाती नमो ड्रोन दीदी योजना

नमो ड्रोन दीदी योजना, पारंपरिक रूप से पुरुष-प्रधान क्षेत्रों में ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने का एक अग्रणी प्रयास है। यह पहल महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान करती है, जिससे वे ड्रोन संचालित करने और स्थानीय किसानों को आवश्यक कृषि सेवाएँ प्रदान करने में सक्षम हो जाती हैं। कृषि आधुनिकीकरण के साथ महिला सशक्तिकरण को जोड़कर, यह योजना सामाजिक प्रगति और आर्थिक विकास दोनों को बढ़ावा देती है।

नमो ड्रोन दीदी सटीक कृषि और संसाधन अनुकूलन में योगदान दे सकती है। भारत का कृषि क्षेत्र प्रौद्योगिकी-आधारित समाधानों के एकीकरण के साथ परिवर्तन के शिखर पर है। ड्रोन प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करने वाली नमो ड्रोन दीदी जैसी योजनाएँ सटीक कृषि और संसाधन अनुकूलन के माध्यम से खेती को आधुनिक बनाने की क्षमता प्रदान करती हैं, जो कृषि में प्रमुख चुनौतियों का समाधान करती हैं। ड्रोन उर्वरकों और कीटनाशकों के सटीक अनुप्रयोग को सक्षम करते हैं, अपव्यय को कम करते हैं और समान वितरण सुनिश्चित करते हैं। नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत ड्रोन रासायनिक उपयोग में 30% तक की कमी सुनिश्चित करते हैं। ड्रोन फसलों की वास्तविक समय की निगरानी की अनुमति देते हैं, फसल के स्वास्थ्य, मिट्टी की स्थिति और समय पर हस्तक्षेप के लिए प्रारंभिक रोग का पता लगाने पर डेटा प्रदान करते हैं। आंध्र प्रदेश में, ड्रोन ने कीटों के हमलों का समय पर पता लगाने के कारण फसल के नुकसान को 20% तक कम करने में मदद की। ड्रोन फसल के विकास पैटर्न, मिट्टी के स्वास्थ्य और उपज के अनुमान पर सटीक डेटा प्रदान करते हैं, जिससे खेत प्रबंधन और निर्णय लेने में सुधार होता है।

वैश्विक स्तर पर, ड्रोन तकनीक ने कृषि सहित कई उद्योगों में क्रांति ला दी है। भारत में, ड्रोन में अपार संभावनाएं हैं: वे बड़े क्षेत्रों का सर्वेक्षण कर सकते हैं, फसलों की निगरानी कर सकते हैं, बीमारियों या कीटों का पहले से पता लगा सकते हैं, और कीटनाशकों और उर्वरकों के सटीक उपयोग की सुविधा प्रदान कर सकते हैं। यह सटीक खेती का तरीका पारंपरिक खेती के तरीकों से जुड़ी लागत और बबार्दी को कम करते हुए फसल की पैदावार को बढ़ाता है।

हालांकि, भारतीय कृषि में ड्रोन को अपनाना धीमा रहा है। उच्च लागत, सीमित जागरूकता और ग्रामीण क्षेत्रों में अपर्याप्त तकनीकी बुनियादी ढांचे ने व्यापक कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न की है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए, नमो ड्रोन दीदी योजना न केवल ड्रोन तकनीक को बढ़ावा देती है बल्कि ग्रामीण महिलाओं को सशक्त भी बनाती है।

महाराष्ट्र में तैनात ड्रोन ने किसानों को पैदावार का बेहतर अनुमान लगाने और उत्पादकता बढ़ाने में सक्षम बनाया। ड्रोन पोषक तत्वों जैसे इनपुट के परिवर्तनीय दर अनुप्रयोग की अनुमति देते हैं, विशिष्ट क्षेत्र की जरूरतों के अनुसार समायोजन करते हैं, इनपुट दक्षता को अधिकतम करते हैं। उत्तर प्रदेश में, ड्रोन-सहायता प्राप्त खेती ने किसानों को मिट्टी की उर्वरता भिन्नताओं के आधार पर उर्वरकों को सटीक रूप से लागू करने में सक्षम बनाया, जिससे पोषक तत्वों के उपयोग की दक्षता में वृद्धि हुई। ड्रोन तकनीक में स्वचालन कीटनाशकों या उर्वरकों के छिड़काव जैसे कार्यों में मानवीय त्रुटि को कम करता है, जिससे अधिक प्रभावी संचालन होता है। मध्य प्रदेश में एक पायलट परियोजना ने कीटनाशक छिड़काव में कम त्रुटियों को दिखाया, जिससे फसल की उपज में 15% सुधार हुआ। ड्रोन मिट्टी में नमी के स्तर का आकलन करने में मदद करते हैं, जिससे सटीक सिंचाई की सुविधा मिलती है, जिससे पानी का संरक्षण होता है और यह सुनिश्चित होता है कि केवल आवश्यक क्षेत्रों में ही पानी मिले।

ड्रोन-सहायता प्राप्त सिंचाई ने गुजरात के जल-दुर्लभ क्षेत्रों में पानी के उपयोग को 15% तक कम कर दिया। इनपुट लागत में कमी: उर्वरकों और कीटनाशकों जैसे इनपुट के सटीक उपयोग से, किसान लागत बचाते हैं, जिससे बेहतर संसाधन प्रबंधन में योगदान मिलता है। पंजाब में स्वयं सहायता समूह ने नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत ड्रोन का उपयोग करके इनपुट पर 20% लागत बचत की सूचना दी। ड्रोन कीटनाशकों और उर्वरकों के छिड़काव जैसे कार्यों में मैनुअल श्रम की आवश्यकता को कम करते हैं, जिससे किसानों को श्रम लागत में कटौती करने और परिचालन दक्षता में सुधार करने में मदद मिलती है। नमो ड्रोन दीदी के तहत ड्रोन सेवाओं को अपनाने के बाद हरियाणा के किसानों ने श्रम व्यय में 25% तक की कमी का अनुभव किया। ड्रोन तकनीक बड़े खेतों में छिड़काव और निगरानी जैसे कार्यों के लिए आवश्यक समय को काफी कम कर देती है, जिससे समग्र कृषि उत्पादकता में सुधार होता है।

राजस्थान में, ड्रोन की सहायता से कीटनाशक के छिड़काव ने संचालन में लगने वाले समय को 7 दिनों से घटाकर 2 दिन कर दिया, जिससे उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। ड्रोन सटीक कीट प्रबंधन में मदद करते हैं, कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग को कम करते हैं, जिससे दीर्घकालिक मिट्टी और पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य में सुधार होता है। तमिलनाडु के किसानों ने ड्रोन-सहायता प्राप्त कीट प्रबंधन प्रणालियों का उपयोग करके फसल की गुणवत्ता में 10% सुधार की सूचना दी। नमो ड्रोन दीदी योजना खेती को आधुनिक बनाने, सटीक कृषि को बढ़ाने और इष्टतम संसाधन उपयोग सुनिश्चित करने में प्रौद्योगिकी-आधारित कृषि की अपार क्षमता को प्रदर्शित करती है। उचित कार्यान्वयन और समर्थन के साथ, ऐसी पहल भारत के कृषि क्षेत्र को स्थिरता और बढ़ी हुई उत्पादकता की ओर ले जा सकती हैं।

हालाँकि भारत कृषि में ड्रोन को एकीकृत करने वाला पहला देश नहीं है, लेकिन तकनीक के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने पर इसका ध्यान अद्वितीय है। निरंतर सरकारी समर्थन, बेहतर बुनियादी ढाँचे और किसानों की बढ़ती जागरूकता के साथ, नमो ड्रोन दीदी योजना में खेती को आधुनिक बनाने, खाद्य सुरक्षा बढ़ाने और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की क्षमता है। इन चुनौतियों का समाधान करके, यह पहल लैंगिक समानता और ग्रामीण तकनीकी उन्नति को बढ़ावा देते हुए कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देने की मांग करने वाले अन्य विकासशील देशों के लिए एक मॉडल के रूप में काम कर सकती है।

-डा. जयंतीलाल भंडारी-

महंगाई लक्ष्य के अनुरूप रखना जरूरी

यकीनन दीपावली के त्योहार के बाद भी नवंबर में प्याज और आलू के साथ अन्य सब्जियों के तेज दाम और खाने के तेल के दाम भी ऊंचे रहने से महंगाई बढ़ी हुई है। हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस समय देश में खाद्य कीमतों में वृद्धि से खुदरा महंगाई बढ़ी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्रामीण इलाकों में महंगाई शहरी इलाकों की तुलना में ज्यादा बढ़ी है। विदेशों से देश में आयात की जा रही विभिन्न वस्तुओं की कीमतों में इजाफे से भी महंगाई बढ़ी है। ऐसे में महंगाई नियंत्रण के मद्देनजर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया लंबी अवधि तक ब्याज दर को स्थिर रख सकता है। यह बात महत्वपूर्ण है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के तहत रिजर्व बैंक के द्वारा ब्याज दरों की यथास्थिति, सरकार के महंगाई नियंत्रण के उपाय, अच्छे मानसून तथा स्थिर आपूर्ति श्रृंखला के अच्छे आधार के बावजूद सरकार को खुदरा महंगाई लक्ष्य के अनुरूप 4.5 फीसदी के दायरे में रखने की चुनौती के मद्देनजर नई बहुआयामी रणनीति के साथ आगे बढ?ा होगा। गौरतलब है कि विगत 14 अक्टूबर को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक सितंबर 2024 में खुदरा महंगाई दर 5.49 प्रतिशत दर्ज की गई, जो अगस्त में 3.65 प्रतिशत थी। आलू, प्याज, टमाटर के साथ हरी सब्जियों की कीमतों में करीब 36 फीसदी वृद्धि तथा महंगी हुई दालों ने सितंबर माह में खाद्य वस्तुओं की खुदरा महंगाई दर को नौ माह के उच्चतम स्तर 9.24 प्रतिशत पर पहुंचा दिया, जो कि माह अगस्त में 5.66 प्रतिशत थी। खाद्य पदार्थों की कीमतों में उछाल से सितंबर में थोक महंगाई दर भी 1.84 प्रतिशत पर पहुंची है, जो कि माह अगस्त में 1.31 प्रतिशत थी।

खुदरा और थोक महंगाई मुख्य रूप से खाद्य उत्पादों, अन्य विनिर्माण, मोटर वाहनों, मशीनरी और उपकरणों के निर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण दिखाई दे रही है। स्थिति यह है कि आलू, प्याज और टमाटर के दाम कम नहीं होने से जो खुदरा महंगाई दर पांच प्रतिशत के पार हो गई, वह इस माह नवंबर में भी पांच फीसदी के पार जा सकती है। हमें देश में महंगाई की चिंता इसलिए भी करनी है, क्योंकि वैश्विक बाजार में पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतें बढ? की आशंका बनी हुई है। चूंकि ईरान दुनिया के सबसे बड़े कच्चा तेल उत्पादकों में से एक है और यह देश पश्चिम एशिया के संवेदनशील इलाकों में स्थित है, ऐसे में ईरान के तेल बाजार में अस्थिरता से कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ? पर पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे। इसका असर भारत पर विशेष रूप से पड़ेगा, क्योंकि भारत अपनी तेल की जरूरतों के करीब 80 फीसदी तक आयात पर निर्भर है। एक चिंताजनक बात यह भी है कि ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष का असर वैश्विक शिपिंग रूट्स पर भी पड़ सकता है, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य पर। यह वैश्विक यातायात का एक अत्यन्त महत्वपूर्ण मार्ग है। दुनिया को मिलने वाला करीब एक-तिहाई तेल और खाद्य व कृषि उत्पादों का अधिकांश यातायात इसी मार्ग से होता है। ऐसे में इस क्षेत्र में शिपिंग बाधित होने से ग्लोबल सप्लाई चैन प्रभावित हो सकती है। इससे खाद्य पदार्थों, जैसे कि गेहूं, चीनी और अन्य कृषि उत्पादों की कीमतें और बढ़ सकती हैं। ऐसे में अब एक बार फिर सरकार को महंगाई नियंत्रण के लिए बहुआयामी नई रणनीति की डगर पर आगे बढ?ा होगा। इस परिप्रेक्ष्य में विगत 9 अक्टूबर को भारतीय रिजर्व बैंक की क्रेडिट पॉलिसी कमेटी बैठक में रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि भारत में महंगाई बढ? के जोखिम के मद्देनजर ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया जा रहा है। यह लगातार 10वीं बार है जबकि रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। रेपो रेट 6.50 प्रतिशत पर बरकरार है और बैंक रेट 6.75 प्रतिशत पर स्थिर रखी गई हैं। इस मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में तेज विकास दर की बजाय महंगाई नियंत्रण को प्राथमिकता दी गई है। अब ऐसा प्रतीत हो रहा है कि दो माह बाद दिसंबर 2024 में भी आरबीआई ब्याज दरों में कटौती करने की स्थिति में नहीं होगा।

निश्चित रूप से इस बार देश में अच्छे मानसून से खाद्यान्न, दलहन और तिलहन का उत्पादन बढ़ेगा और इनकी सप्लाई बढ? से इनकी कीमतें कम होंगी। इसमें कोई दो मत नहीं है कि मौद्रिक प्रबंधन और सरकार के द्वारा तत्परता से खाद्यान्न निर्यात नीति और स्टॉक सीमा निर्धारण सहित विभिन्न उपाय बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण कर सकेंगे। इस परिप्रेक्ष्य में यह भी उल्लेखनीय है कि 16 अक्टूबर को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश के करोड़ों किसानों को उनकी रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में जो भारी बढ़ोतरी की है। उससे ग्रामीण क्षेत्रों में महंगाई की मार झेल रहे किसानों को लाभ होगा। साथ ही सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में तीन फीसदी का जो इजाफा किया गया है, उससे कर्मचारियों को महंगाई से राहत मिलेगी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक खाद्य महंगाई नियंत्रण के लिए चालू वित्त वर्ष 2024-25 के बजट के तहत की गई व्यवस्थाओं का तेजी से क्रियान्वयन किया जा रहा है। बजट के तहत उपभोक्ता मामलों के विभाग को दाम स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के लिए 10000 करोड़ रुपए दिए गए हैं। जहां इस कोष का उपयोग दाल, प्याज और आलू के बफर स्टॉक को रखने के लिए किया जाएगा, वहीं जरूरी होने पर इन अन्य खाद्य वस्तुओं के बढ़े दामों को नियंत्रित करने के लिए भी इस कोष का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इसके अलावा चालू वित्त वर्ष के बजट के तहत इस वर्ष खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के लिए खाद्य भंडारण और वेयरहाउसिंग के लिए ऋणों की राशि दोगुनी करके 50000 करोड़ रुपए सुनिश्चित की गई है, जो उल्लेखनीय है। निश्चित रूप से खाद्य पदार्थों की महंगाई रोकने के लिए सरकार के द्वारा तात्कालिक उपायों के साथ दीर्घकालीन उपायों पर भी ध्यान दिया जाना जरूरी होगा।

प्रोफेसर राजकुमार जैन

'यह कोई आंदोलन नहीं है, यह एक क्रांति है, आंदोलन में जीत या हार होती है, परंतु क्रांति में केवल जीत या मृत्यु होती है'

रचनाकारों की नजर में
(भाग- 4)

प्रोफेसर रमा मित्रा, लोहिया की अंतरंग मित्र, निजी क्षणों की गवाह तथा साथ रहने के कारण, पल-पल की आंखों देखी लोहिया के आनंद और अवसाद के लम्हों को ज्यों का त्यों बयाँ करने की हकदार थी। अपने लेख में रमा जी ने अनेकों ऐसे अनछुए दृश्यों, अवसरों, घटनाओं को पेश किया है जिन्हें सिर्फ वे ही बता सकती थी। लोहिया शख्सियत की बहुत सारी खूबियां हमें कभी पढ़ने को नहीं मिलती, अगर रमा जी न लिखती। मुझे फख्र है कि मैं दिल्ली यूनिवर्सिटी के इतिहास विभाग में उनका छात्र रहने तथा लोहिया की मृत्यु के बाद दिल्ली की संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी में कुछ वक्त के लिए उनकी रहनुमाई में काम करने का मौका भी मुझे मिला। उन्होंने अपने लेख ह्लनिर्णायक वर्ष -1967" में चुनाव और लोहिया की भूमिका को हुबहू उतार दिया। लोहिया कन्नौज से खुद उम्मीदवार थे। लोहिया मुल्क भर में सोशलिस्ट उम्मीदवारों के लिए घूम-घूम कर प्रचार कर रहे थे, ह्लमैंने (रमा मित्रा) उनसे कन्नौज को ज्यादा समय देने की विनती की - उन्होंने मुझे सख्ती से चुप करा दियाः ह्लमत भूलो, मैं पार्टी के साथ -साथ विपक्ष के लिए भी लड़ रहा हूं और मुझे राजनीति मत सिखाओ।" फिर वे चले गए। शरीर पर बहुत भार पढ़ने से उनका स्वास्थ्य गिर रहा था।

ह्लअथक विद्रोहीह्न की लेखिका उषा मेहता ने खुद आजादी की जंग मे जान जोखिम में डालकर विद्रोही की भूमिका निभाई थी। महात्मा गांधी ने 1942 में ह्लकरो या मरो का " आव्हान हिंदुस्तानियों से कर दिया था। बड़े कांग्रेसी नेता पकड़े जाने पर जेलों में बंद थे। सुभाष बोस पहले जर्मनी बाद में जापान चले गए। उन्होंने दोनों जगह रेडियो से अंग्रेजो के खिलाफ ऐसे भाषण दिए कि हिंदुस्तानियों का खून खौल उठा। ऐसे हालात में डॉ. राम मनोहर लोहिया ने हिंदुस्तान में ही भूमिगत ह्लकांग्रेस रेडियो" चलाने का निर्णय किया। इस कार्य में उषा मेहता एक प्रमुख भूमिका निभा रही थी। डॉक्टर लोहिया तीखी, तमतमाती आवाज में अंग्रेजी राज को फटकारते थे, और उषा मेहता एक एंकर का रोल निबाहती थी। 5 महीने तक कांग्रेस रेडियो से जनता को उद्वेलित किया गया, परंतु मुखबिरी के कारण उषा मेहता पकड़ी गई । जब उन्हें पकड़ा गया तब रेडियो से वंदे मातरम् का गीत आ रहा था, बीच में ही ऐसी आवाज आई कि कोई दरवाजा तोड़ रहा है। पुलिस ने उनको गिरफ्तार कर थाने में यातनाएं दी, यह जानने के लिए कि और नेता कहां है? उन्हें अधमरा कर राजद्रोह तथा सरकार उलटने की कोशिश का आरोप लगाकर जेल में डाल दिया गया।

लोहिया ने एक बार फिर प्रोफेसर कौशल्यानंद गैरोला की मदद से रेडियो चालू किया। तीसरी बार1944 में कांग्रेस रेडियो फिर शुरू किया गया।

एक प्रतिबद्ध सोशलिस्ट, मुंबई विश्वविद्यालय की प्रोफेसर रही उषा मेहता ने बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारी कांग्रेस रेडियो पर अपने भाषणों में दी थी। डॉक्टर लोहिया ने उस समय के आंदोलन पर कहा था, "यह कोई आंदोलन नहीं है यह एक क्रांति है। आंदोलन में जीत या हार होती है, परंतु क्रांति में जीत या मृत्यु होती है, क्योंकि इसमें कोई पीछे नहीं हटता है"

उषा जी ने अपने स्मरण में 1942 के समय हिंसा बनाम अहिंसा पर डॉक्टर लोहिया के एक भाषण का जिक्र कर बहुत ही महत्वपूर्ण प्रकाश डाला।

ह्लहमारा एक नया सिद्धांत है जो एक नई दुनिया का है, जहां कोई दूसरे को नहीं मारता या दूसरों का शोषण नहीं करता है; और एक नई दुनिया के लिए हम अपना रक्त देने को तैयार हैं। गंगा रक्त से बहेगी लेकिन यह भारतीय रक्त से बहेगी। हमने जो कुछ भी झेला है उसके बदले में हम दुश्मन के खून की एक बूंद भी नहीं मांगते हैं। --- अहिंसक क्रांति में क्रांति उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी कि अहिंसा।

लोहिया ने अपनी जिंदगी एक यायावर के रूप में गुजारी। इस सफर में उनका अनेकों अफलातून तथा सामने वाले को दोयम दर्जे का सिद्ध करने वाले लोगों से भी सामना हुआ, परंतु जो एक बार लोहिया के संपर्क में आया वह हमेशा के लिए लोहिया का प्रशंसक बन गया।

ई नारायणन, जो पेशे से पत्रकार तथा 'जनता' (जो कि सोशलिस्टो का एक मुख्य पत्र बन गया) का संपादन भी उन्होंने किया। ह्लराममनोहरः कुछ व्यक्तिगत संस्मरणह्न में लोहिया की मौलामस्ती की एक नजीर पेश करते हुए उन्होंने लिखा की 1947 में बिना बताए रात के 2:00 बजे कपड़ों की एक गठरी लिए लोहिया उनके घर पहुंच गए। लोहिया के कई रोमांचक किस्सों तथा गांधी जी के साथ उनके रिश्तो को उन्होंने अपने लेख में शब्द पहना दिये।

जेड ए अहमद, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया के पोलितब्यूरो के सदस्य तथा ऑल इंडिया किसान सभा के महासचिव रहे थे। लोहिया से 1929 में पहली बार बर्लिन (जर्मनी) मैं तथा 1930 में इंग्लैंड में जब अहमद 'लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स' के छात्र थे तथा डॉक्टर लोहिया जर्मनी की होमबोल्ट यूनिवर्सिटी के छात्र थे वह अपने रिसर्च के सिलसिले में ब्रिटिश संग्रहालय पुस्तकालय में आए हुए थे तब उनकी मुलाकात हुई। जवाहरलाल नेहरू ने कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद इलाहाबाद में कांग्रेस के हेड क्वार्टर में डॉक्टर लोहिया को विदेश विभाग तथा जेड ए अहमद को अर्थशास्त्र विभाग का सचिव बना दिया। सचिव पद से इस्तीफा देने के कुछ समय बाद वे कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी में शामिल हो गए। बाद में वह पूर्णतया कम्युनिस्ट पार्टी में सक्रिय हिस्सेदारी निभाने लगे।

अहमद ने अपने लेख " लोहिया के साथ मेरे दिन" में उनके कार्यों तथा कांग्रेस के वामपंथी बनाम दक्षिण दक्षिणपंथी ग्रुपों, सोशलिस्टो कम्युनिस्टों के संबंधों का लेखा- जोखा प्रस्तुत किया है। और अंत में लिखा कि मेरी उनसे मुलाकात और बातचीत परस्पर स्नेह और सम्मान की भावनाए रखने वाले साथी की तरह हुई। विलिंगडन अस्पताल में जिंदगी मौत से संघर्ष करते हुए लोहिया ने जब प्यार से उनका हाथ छुआ, उनसे अलविदा कहते हुए मेरी आंखों मे आंसू छलक आए।

सुगत दासगुप्ता ने ह्लोहिया और भारतीय बुद्धिजीवीह्न शीर्षक से ही स्पष्ट कर दिया कि लेख में उसकी विषयवस्तु, मजमून क्या होगा? लोहिया का बुद्धिजीवी जगत से रिश्ता, टकराव तथा उसके प्रभाव को ऐतिहासिक, सैद्धांतिक आधारों पर लंबान में विवेचना की है लोहिया ने जनता को लोकतांत्रिक समाजवाद की विचारधारा में दीक्षित करने के लिए एक ऐसे स्कूल की कल्पना की थी। हालांकि उनका सपना अभी तक पूरा नहीं हुआ।

'राममनोहर लोहियाः एक प्रशंसा' में गोपाल कृष्ण ने लोहिया की मार्फत कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी से शुरू हुए आंदोलन का सिलसिलेवार इतिहास ही दर्ज कर दिया। लोहिया की वैचारिक व निजी यात्रा के बहुत से पड़ावों का विस्तार से रेखांकन किया है। इसको किसी किताब का एक संक्षिप्त रूप भी कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

जारी है,,,,,,,

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

एक नजर

निराश्रित बच्चों को दी जा रही है प्रति माह 1850 रुपये की वित्तीय सहायता: डीसी

करनाल, विसु। डीसी उत्तम सिंह ने बताया कि जिला में 21 वर्ष तक की आयु का बच्चा जो अपने माता-पिता की सहायता अथवा देखभाल से उनकी मृत्यु होने के कारण, अपने पिता के घर से पिछले 2 वर्ष की अवधि से अनुपस्थित होने के कारण अथवा माता-पिता के लम्बी सजा, जोकि एक वर्ष से कम न हो या मानसिक व शारीरिक अक्षमता के कारण वंचित हो जाते हैं और जिनके माता-पिता, अभिभावक की सभी साधनों से वार्षिक आय दो लाख से अधिक नहीं है। वह बच्चा हरियाणा सरकार के सामाजिक न्याय एवं सहकारिता विभाग द्वारा दी जा रही वित्तीय सहायता का लाभ पात्र है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त विभाग द्वारा एक परिवार में दो बच्चों तक 1850 रुपए प्रति माह प्रति बच्चा पेंशन प्रदान की जा रही है। डीसी ने बताया कि उपरोक्त स्कीम का लाभ लेने के इच्छुक व्यक्ति के पास बेसहारा होने का प्रमाण पत्र, बच्चों के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र व आवेदक का 5 वर्ष या उससे अधिक की अवधि का हरियाणा राज्य में निवासी होने का दस्तावेज जैसे कि फोटोयुक्त वोटर कार्ड या राशन कार्ड आदि की स्व-सत्यापित फोटोप्रति सहित परिवार पहचान पत्र होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि आवेदक के पास यदि उपरोक्त दस्तावेजों में से कोई दस्तावेज नहीं है तो वह कोई अन्य प्रमाण पत्र सहित 5 वर्ष से हरियाणा में रिहायश का हलफनामा दे सकता है। उन्होंने कहा कि यदि बच्चे के माता-पिता या अभिभावक किसी भी सरकार द्वारा पारिवारिक पेंशन प्राप्त कर रहा है वो उपरोक्त स्कीम का लाभ नहीं ले पाएंगे। स्कीम का लाभ लेने के इच्छुक प्रार्थी अपने नजदीकी अंत्योदय सरल केंद्र, अटल सेवा केंद्र सहित सीएससी केंद्र पर आवेदन कर सकते हैं।

अमृतसर में मुठभेड़ के बाद पांच गैंगस्टर काबू

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने अमृतसर में मुठभेड़ के बाद पांच गैंगस्टरों को गिरफ्तार किया है। अमृतसर के एसएसपी चरणजीत सिंह ने बताया कि पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान हरियाणा नंबर की एक बाइक को रोका। इस पर पांच गैंगस्टर सवार थे। पुलिस ने जब आरोपियों को रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने पुलिस पर गोली चला दी। पुलिस द्वारा की गई फायरिंग में गैंगस्टर खुशप्रीत घायल हो गया। खुशप्रीत तरनतारन गोलीबारी केस में वांछित था। एसएसपी के अनुसार पकड़े गए आरोपियों से एक पिस्टल, सात जिंदा कारतूस, व एक मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सिद्धू मूसेवाला के परिवार की सुरक्षा में तैनात गनमैन की गोली लगने से मौत

चंडीगढ़। पंजाबी गायक स्वर्गीय सिद्धू मूसेवाला के परिवार की सुरक्षा में तैनात एक सुरक्षा कर्मी की गोली लगने से मौत हो गई। मूसेवाला की हत्या के बाद उनके पूरे परिवार को सरकार ने सुरक्षा मुहैया कराई थी। सिद्धू के ताया चमकौर सिंह की सुरक्षा में पंजाब पुलिस के एक्स सर्विसमेन, गनमैन हरदीप सिंह तैनात थे। पुलिस के अनुसार हरदीप सिंह सोमवार को देर रात मानसा में आयोजित एक शादी समारोह में भाग लेने गए थे। करीब ढाई बजे अपने गांव फाफडे भाई के स्थित अपने घर पहुंचा और अपनी लाइसेंसी पिस्टल की सफाई करने लगा। इस दौरान पिस्टल से चली गोली सिर में जा लगी, जिससे हरदीप सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। रात को अचानक से गोली चलने और हरदीप सिंह की मौत होने से परिवार में हाहाकार मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मानसा के डीएसपी बूटा सिंह गिल ने बताया कि हरदीप सिंह पंजाब पुलिस में तैनात थे और रिटायरमेंट के बाद चमकौर सिंह की सुरक्षा में तैनात थे। देर रात गोली लगने के कारण उनकी मौत हुई है। उन्होंने बताया कि गोली कैसे लगी, इस बाबत मामले की जांच की जा रही है।

चुनाव आयोग ने डेरा बाबा नानक के डीएसपी को पद से हटाया

चंडीगढ़। पंजाब की डेरा बाबा नानक सीट पर हो रहे विधानसभा उपचुनाव में गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया ओर से वोटरों को धमकाने की शिकायत पर कार्रवाई न होने के मामले में निर्वाचन आयोग ने डेरा बाबा नानक के डीएसपी जसबीर सिंह को हटा दिया है। मंगलवार को इस संबंध में आदेश जारी किए गए। निर्वाचन आयोग ने पंजाब सरकार को तीन अधिकारियों के नाम का पैनल बनाकर भेजने के लिए कहा है। निर्वाचन आयोग ने हरियाणा जेल विभाग को पत्र लिखकर कुरूक्षेत्र जेल में बंद जग्गू भगवानपुरिया पर कड़ी नजर रखने का अनुरोध किया है। साथ ही जेल में उसके आसपास के एरिया की गहराई से जांच करने के लिए कहा गया है, ताकि उसके पास से डिवाइस आदि के बारे में पता चल सके। इस मामले में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

रोहतक चिड़ियाघर में युवक को महंगा पड़ा सेल्फी लेना, पिंजरे से बाहर आई शेरनी

रोहतक। तिलियार झील पर स्थित चिड़ियाघर में एक बड़ा हादसा होने से टल गया। पिंजरे से अचानक शेरनी निकल आई और सेल्फी ले रहे युवक ने भाग कर जान बचाई। जिस वक्त शेरनी पिंजरे से बाहर आई उस वक्त युवक सेल्फी लेने के साथ साथ वीडियो बना रहा था। बाद में वीडियो वायरल हो गई, जिसमें युवक शेरनी के पिंजरे के दरवाजे के बाहर बैठा हुआ था और शेरनी उसके पीछे वीडियो में दिखाई भी दे रही है। इस दौरान शेरनी दरवाजे पर टक्कर मारती हुई दिखाई दे रही है। इसके बाद अचानक युवक तेज गति से बाहर की तरफ भागता हुआ जा रहा है।युवक ने बताया कि दरवाजा इतना कमजोर था की शेरनी के धक्के से वह खुल गया और शेरनी पिंजरे से बाहर आ गई। बाद में कर्मचारियों ने किसी तरह से मामले को संभाला और शेरनी को पिंजरे में बंद किया। मंगलवार को तिलियार लेक स्थित चिडिया घर में शेरनी के पिंजरे के सामने एक युवक वीडियो बना रहा था, इसी दौरान शेरनी पिंजरें का दरवाज धक्के से खोलकर बाहर आ गई और युवक बिल्कुल शेरनी के पास खड़ा था और शेरनी को देखकर उसने भागकर जान बचाई। उस दौरान चिड़ियाघर में और भी बहुत से लोग मौजूद थे, आनन फानन में चिड़ियाघर में मौजूद कर्मचारियों ने सभी को बाहर निकाला और शेरनी को वापस पिंजरे में पहुंचा दिया। युवक ने बताया कि पिंजरे का दरवाजा इतना कमजोर था की कोई छोटा बच्चा भी उसे तोड़ सकता है। यह कहीं ना कहीं चिड़ियाघर देखने जाने वालों की सुरक्षा पर सवालिया निशान खड़ा करता है और चिड़ियाघर में मौजूद कर्मचारी ही इसके लिए जिम्मेदार है।

चिकित्सा के क्षेत्र में रिसर्च का दृष्टिकोण रखना जरूरी: बंडारू दत्तात्रेय

रोहतक। पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा मंगलवार को चतुर्थ दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने बतौर मुख्यअतिथि शिरक्त की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में महानिदेशक सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवाएं एवीएसएम वीएसएम सर्जन वाइस एडमिरल डॉ. आरती सरीन मौजूद रही, जिनको राज्यपाल द्वारा होनोरिस कौसा की डिग्री से सम्मानित किया गया। अतिथिगणों ने द्वीप प्रज्जवलित कर समारोह का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि डॉक्टर को जनता भगवान का रूप मानती है। ऐसे में डॉक्टर को अपने पेशे को समाज सेवा का माध्यम मानना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेवा भाव से किए हुए कार्य से परिवार में अपने आप समृद्धि आती है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में रिसर्च के दृष्टिकोण को अपना जरूरी है, जो देश व समाज तरक्की के लिए जरूरी है। राज्यपाल ने चिकित्सा संस्थान से उत्तीर्ण 5806 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की।

उन्होंने कहा कि यह बड़े हर्ष और गौरव की बात है कि जिन विद्यार्थियों ने डिग्री प्राप्त की है उनमें 3484 लड़कियां हैं। इसके साथ ही जिन 32 विद्यार्थियों ने स्वर्ण पदक प्राप्त किए हैं, उनमें 23 लड़कियां हैं। उन्होंने कहा कि डिग्री हासिल करने का दिन छात्र जीवन में बहुत महत्वपूर्ण और यादगार दिन होता है यह कड़ी मेहनत का परिणाम है और इसके पीछे परिजनों का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि डिग्री हासिल करने से पहले केवल पढ़ाई का कार्य होता है लेकिन जिस दिन डिग्री हाथ में आ जाती है, उसी दिन से नया रास्ता तलाशना पड़ता है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा एक सामान्य पेश ना होकर बहुत बड़ा पेशा है और समाज सेवा का सबसे बड़ा माध्यम है। राज्यपाल ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए स्वस्थ शरीर के साथ शांत चित्त और आत्मिक शांति जरूरी है। आत्मिक शांति तभी आती है जब स्वास्थ्य सही रहता है। उन्होंने कहा कि भारतीय प्राचीन चिकित्सा जगत में आयुर्वेद का बहुत बड़ा योगदान है। नियमित रूप से योग, प्राणायाम और व्यायाम करके हम ना केवल निरोगी रह सकते हैं बल्कि हमारा मन भी शांत रहता है, जो आज के समय में सबसे जरूरी है। उन्होंने डिग्री हासिल करने वाले विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे केवल डिग्री हासिल करने तक अपने आप को संतुष्ट न माने, उनको निरंतर आगे बढ ?ा है और नई रिसर्च का दृष्टिकोण अपनाना है। नई रिसर्च के दृष्टिकोण से ही देश आगे बढ़ेगा और उसी से समाज में समृद्धि आएगी। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2047 तक भारत को पूर्ण रूप से विकसित बनाने के लक्ष्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत ने चिकित्सा शिक्षा में उल्लेखनीय विकास देखा है।

अंबाला एयरपोर्ट पर सिक्योरिटी उपकरण स्थापित होते ही शुरू होंगी उड़ानें: अनिल विज

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने मंगलवार को देश के नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू से दिल्ली में मुलाकात की। उन्होंने इस दौरान उड्डयन मंत्री से अंबाला एयरपोर्ट से हवाई सेवाएं शुरू करने को लेकर बातचीत की। केन्द्रीय उड्डयन मंत्री से अपनी मुलाकात को लेकर कहा कि इस बातचीत के जल्द ही सार्थक परिणाम जल्द नजर आएंगें और अंबाला छावनी में तैयार हो रहे सिविल एयरपोर्ट के सिक्योरिटी उपकरणों के स्थापित होते ही यहां से हवाई सेवा (जहाज) के लिए उड़ानें शुरू हो जाएगी। उन्होंने बताया कि सिक्योरिटी उपकरणों को शीघ्र स्थापित करने के लिए केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री से आग्रह किया है। इसके साथ ही कैबिनेट मंत्री ने केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री को अंबाला छावनी के सिविल एयरपोर्ट के उद्घाटन का न्योता भी दिया। अनिल विज ने दिल्ली में केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू को बताया कि मेरे विधानसभा क्षेत्र अंबाला छावनी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना उड़ान के तहत एक एयरपोर्ट मंजूर हुआ था। वो बनकर बिल्कुल तैयार हो गया है और सभी सामान भी लगाएं जा चुके हैं। अब केवल सिक्योरिटी उपकरणों को लगाया जाना बाकी है, जिसे उड्डयन विभाग द्वारा लगाना है। श्री विज ने बताया कि किंजरापु राममोहन नायडू ने उन्हें आश्वासन दिया है कि हम जल्द ही सभी औपचारिकताएं पूरी कर लेंगे और जैसे ही सिक्योरिटी उपकरण स्थापित हो जाएंगें, तो उड़ानें भी आरंभ हो जाएगी। केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने एयरपोर्ट उद्घाटन का न्योता स्वीकार करते हुए जल्द हवाई सेवाओं का संचालन कराने का आश्वासन दिया है। अनिल विज ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने की बात कही और आज हर प्रदेश का आदमी इस मुद्दे के साथ चलना चाहता है।

मानसा पेट्रोल पंप ग्रेनेड हमले के पीछे कनाडा के गैंगस्टर अर्श डल्ला का हाथ, मास्टरमाइंड गिरफ्तार

गिरफ्तार शिमला सिंह ने गुरप्रीत सिंह हरी नौ की हत्या में शामिल शूटरों को दी थी लॉजिस्टिक सहायता

चंडीगढ़। गैंगस्टर से आतंकी बने अर्श डल्ला के निर्देश पर मानसा पेट्रोल पंप पर हुए ग्रेनेड हमले के मास्टरमाइंड शिमला सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) बठिंडा की टीम ने मानसा पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में इस मामले को सुलझाने के साथ ही पंजाब में अर्श डल्ला के नेटवर्क को खत्म करने का भी दावा किया है।

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने मंगलवार को बताया कि आतंकी अर्श डल्ला के इशारे पर 9 अक्टूबर को गुरप्रीत सिंह हरी नौ उर्फ भोडी की हत्या की गई थी। इस हत्या में शामिल दो शूटरों बरनाला के अनमोलप्रीत सिंह उर्फ विशाल और खरड़ के नवजोत सिंह उर्फ नीतू की गिरफ्तारी के 72 घंटों के कम समय के अंदर पुलिस को यह कामयाबी हासिल हुई है। पुलिस के अनुसार 26-27 अक्टूबर की दरम्यानी रात को मानसा के सिरसा रोड स्थित जियो के पेट्रोल पंप स्टेशन पर हैंड ग्रेनेड से हमला किया गया था। धमाके के बाद पेट्रोल पंप के मालिक को एक विदेशी मोबाइल नंबर से धमकी भरी कॉल भी आई थी, जिसमें कॉल करने वाले ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार किये गए शिमला सिंह ने मानसा ग्रेनेड हमले में अपनी भूमिका कबूलते हुए खुलासा किया कि उसने आतंकी अर्श डल्ला के निर्देश पर गढ़शंकर इलाके से यह ग्रेनेड हासिल किया था। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह भी पता चला है कि शिमला सिंह ने गुरप्रीत सिंह हरी नौ हत्याकांड में शामिल शूटरों को लॉजिस्टिक सहायता भी प्रदान की थी। डीजीपी ने कहा कि शिमला सिंह पहले भी विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में शामिल था और अप्रैल, 2023 में सीआई बठिंडा ने शिमला सिंह को तीन पिस्तौलों समेत गिरफ्तार कर उत्तराखंड के एक व्यक्ति को निशाना बनाने की उसकी योजना को नाकाम कर दिया था। उन्होंने आगे कहा कि साजिश के अगले-पिछले संबंधों का पता लगाने के लिए और पूछताछ जारी है तथा इस मामले में और गिरफ्तारियां होने की संभावना है। एसएसपी मानसा भागीरथ सिंह मीना ने बताया कि उक्त मामले की आगे की जांच के लिए एसपी इन्वेस्टिगेशन मानसा मनमोहन सिंह औलख की अध्यक्षता में एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया था। एसआईटी ने सीआई बठिंडा के साथ तालमेल कर तुरंत कार्रवाई करते हुए वैज्ञानिक तरीके से जांच की। एआईजी सीआई बठिंडा अवनीत कौर ने बताया कि सीआई बठिंडा और मानसा पुलिस की टीमों ने संयुक्त रूप से शिमला सिंह को मानसा के खोखर रोड से उस समय गिरफ्तार किया, जब वह पैदल कहीं जा रहा था।

हरियाणा में स्कूली बच्चों के लिए लागू हो अनिवार्य स्वास्थ्य शिक्षा : डॉ राहुल मेहरा

चंडीगढ़। यूनेस्को ग्लोबल हेल्थ एंड एजुकेशन के लिए भारत के राष्ट्रीय प्रतिनिधि एवं अमेरिकी वैज्ञानिक डॉ. राहुल मेहरा ने हरियाणा में बच्चों के लिए प्रारंभिक स्तर पर ही स्वास्थ्य शिक्षा को अनिवार्य करने तथा इसके लिए मजबूत नीतियां बनाने की मांग की है। पूर्व में बायो-मेडिकल इंजीनियरिंग में शोध वैज्ञानिक रहे डॉ. मेहरा के पास 70 से अधिक पेटेंट हैं और उन्होंने 100 से अधिक प्रकाशनों में योगदान दिया है। तरंग हेल्थ एलायंस व फिजीहा द्वारा हरियाणा के संदर्भ में मंगलवार को चंडीगढ़ में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए डॉ. मेहरा ने कहा कि यूनिसेफ के अनुसार अत्यधिक प्रदूषित वातावरण में रहने से बच्चों की फेफड़ों की क्षमता 20 प्रतिशत तक कम हो सकती है, जो लम्बे समय तक सेकेंड हैंड धूम्रपान के संपर्क में रहने के प्रभाव के समान है।

हरियाणा में स्कूली बच्चों के लिए प्रारंभिक वर्षों में स्वास्थ्य शिक्षा की अनिवार्यता पर जोर देते हुए डॉ. मेहरा ने कहा कि इसके लिए एक प्रयोग शुरू किया है, जिसके प्रारंभिक परिणाम उत्साहजनक हैं। शिकागो जैसे शहरों में स्कूली बच्चे 50 एक्यूआई में रहकर पढ़ाई करते हैं लेकिन हरियाणा में सामान्य दिनों में एक्यूआई 150 तथा त्योहारी सीजन व पराली के दिनों में यह 300 से पार हो जाता है। स्वास्थ्य शिक्षा दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभावों को कम करने और आने वाली पीढ़ी को स्वास्थ्य विकल्प चुनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। विकास केंद्रित मंच फिजीहा के निदेशक डॉ.नवनीत आनंद ने कहा कि खेलों में हरियाणा की सफलता दशार्ती है कि सही नीतियों के साथ, हमारे बच्चे उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं। इस मॉडल को स्वास्थ्य शिक्षा तक विस्तारित करने का समय आ गया है। वैज्ञानिक डॉ. मेहरा ने बताया कि उपचार-आधारित स्वास्थ्य देखभाल के विपरीत, निवारक स्वास्थ्य शिक्षा बच्चों को स्वस्थ व्यवहार अपनाना सिखाती है, जिसका लक्ष्य स्वास्थ्य समस्याओं के उत्पन्न होने से पहले ही उनके सामाजिक बोझ को कम करना है। मेहरा के अनुसार हरियाणा सरकार के साथ मिलकर तरंग ने एनसीआर क्षेत्र, चंडीगढ़ और जयपुर के 18 निजी स्कूलों में प्रयासों के साथ, 12 सरकारी स्कूलों में एक पायलट कार्यक्रम भी शुरू किया है। यह पहल शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य को कवर करती है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में राज्य के व्यापक कल्याण कार्यक्रमों के अनुरूप है।

मुख्यमंत्री द्वारा शुरू किए गए समाधान शिविर साबित हो रहे जनता के लिए लाभदायक: विधायक जगमोहन आनंद

करनाल, विसु। विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा प्रदेशभर में शुरू किए गए समाधान शिविर आमजनता के लिए लाभदायक साबित हो रहे हैं। बड़ी संख्या में आमजन इन समाधान शिविरों में पहुंच रहे हैं और प्रॉपर्टी आईडी व स्वामित्व योजना से जुड़ी शिकायतों का निवारण करवा रहे हैं। उन्होंने सभी करनालवासियों से आह्वान किया कि नगर निगम से जुड़ी शिकायतों को लेकर इस शिविर में पहुंचे।

विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पिछले दिनों समाधान शिविरों की शुरूआत की थी। नगर निगम, नगर पालिकाओं और बीडीपीओ कार्यालयों में प्रत्येक कार्य दिवस पर सुबह 9 बजे से 11 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं का तुरंत हल हो रहा है। उन्होंने समाधान शिविर जैसी पहल शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि लोग उनसे मिलने कार्यालय में पहुंच रहे हैं और समाधान शिविरों की तारीफ कर रहे हैं। लोग कह रहे हैं कि प्रॉपर्टी आईडी संबंधी समस्या को लेकर पहुंचे थे, समाधान शिविर में मात्र कुछ ही मिनटों में फटाफट समाधान हो गया। लोग समाधान के बाद हरियाणा सरकार और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का धन्यवाद जता रहे हैं।

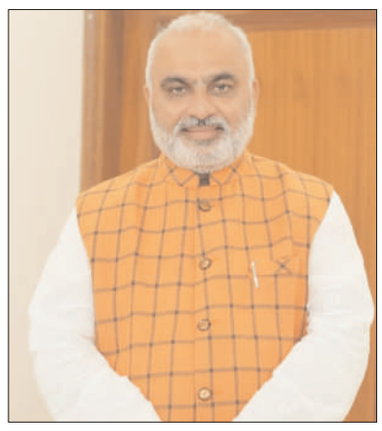

नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने निगम कार्यालय का किया औचक निरीक्षण, कार्य में कौताही बरतने पर 3 कर्मचारियों से मांगा स्पष्टदीकरण

समय पर काम करने, एक्शन टेकन रिपोर्ट बनाने तथा रिकॉर्ड मेन्टेन करने के दिए निर्देश

करनाल, (विसु) । नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने मंगलवार को निगम कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने डेयरी-डिस्पैच, हैल्प डैस्क, नागरिक सुविधा केन्द्र, सम्पत्ति कर शाखा, विद्युत शाखा, भवन शाखा, जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रेशन शाखा, जलापूर्ति शाखा, विवाह पंजीकरण शाखा, अधीक्षक ऑफिस तथा स्थापना शाखा का दौरा किया और उन द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। दौरे में उनके साथ उप निगम आयुक्त अशोक कुमार मौजूद रहे। निगमायुक्त ने निरीक्षण में कार्य में कौताही बरतने व लेटलतीफी करने वाले 3 कर्मचारियों से स्पष्टदीकरण मांगा है। इनमें विवाह पंजीकरण शाखा के सहायक जितेन्द्र मलिक, विद्युत शाखा के कनिष्ठद्द अभियंता मुनीष लालर तथा जलापूर्ति शाखा से बिल वितरणकर्ता नरेश शामिल हैं। उन्होंने दौरे में अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए कि कार्यालय में जो भी व्यक्ति कार्य के लिए आए, उसके कार्य को सम्मान के साथ सुना जाए और समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य में लेटलटीफी न करें। उन्होंने स्थापना शाखा को निर्देश दिए कि पैंशन के केसों को एक सप्ताह में निपटाया जाए। सम्पत्ति कर शाखा को निर्देश दिए कि प्रॉपर्टी आई.डी. से सम्बंधित आने वाली ऑनलाईन या ऑफलाईन आपत्तियों का निपटान शीघ्रता से किया जाए। नागरिक सुविधा केन्द्र के दौरे के दौरान उन्होंने काम करवाने वाले नागरिकों से बात की और काम समय पर होता है या नहीं, इसके बारे पूछा। इस पर नागरिकों ने कहा कि समय पर कार्य हो रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि स्ट्रीट लाईट, सीवरेज व साफ-सफाई से सम्बंधित आने वाली शिकायतों का समय पर निवारण करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपना कार्य समय पर करें और किए गए कार्य की एक्शन टेकन रिपोर्ट अवश्य बनाई जाए। उन्होंने शाखा से सम्बंधित रिकॉर्ड को मेन्टेन करने के भी निर्देश दिए।

हरियाणा के सभी जिलों में प्रवास करेंगे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, सदस्यता अभियान को देंगे धार

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सदस्यता अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के कार्य में जुटी हुई है। अब प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली प्रदेश में जिलेवार प्रवास करेंगे और सदस्यता अभियान को धार देंगे। अभियान को लेकर पूरा कार्यक्रम बन गया है। 13 नवम्बर से प्रदेश अध्यक्ष का प्रवास शुरू होगा और 21 नवम्बर तक चलेगा, इस दौरान उनके साथ प्रवास प्रमुख भी मौजूद रहेंगे। इस एक सप्ताह में पार्टी का लक्ष्य अधिक से अधिक लोगों को बीजेपी से जोड़कर 50 लाख का लक्ष्य हासिल करना है। सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक वेदपाल एडवोकेट ने मंगलवार को बताया कि 13 नवम्बर को प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली का प्रवास कार्यक्रम नूंह जिला से शुरू होगा। इसी दिन प्रदेश अध्यक्ष पलवल, फरीदाबाद में प्रवास करेंगे। इसी तरह अगले दिन 14 नवम्बर को रोहतक, जींद, सोनीपत में प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली का प्रवास कार्यक्रम होगा।

प्रदेश संयोजक के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली का 15 नवम्बर को गुरुग्राम, रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़ में प्रवास करेंगे। अगले दिन 16 नवम्बर को दादरी, भिवानी, झज्जर जिला में प्रदेश अध्यक्ष का प्रवास होगा। उन्होंने बताया कि पंडित मोहन लाल बड़ौली 17 नवम्बर हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, कैथल प्रवास कर सदस्यता अभियान को प्रभावी बनाने के लिए कार्यकताओं में जोश भरेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष 18 नवम्बर पानीपत, करनाल, कुरुक्षेत्र और 21 नवम्बर को पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर में प्रवास करेंगे।

वेदपाल एडवोकेट ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष के प्रवास कार्यक्रम के दौरान प्रवास प्रमुख गोपाल शर्मा नूंह, फरीदाबाद, पलवल और गुरुग्राम में रहेंगे। इसी तरह से संदीप जोशी रोहतक, सोनीपत, पानीपत और करनाल में रहेंगे। उन्होंने बताया कि वरूण श्योराण जींद, रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, झज्जर और मीना परमार भिवानी, दादरी तथा अशोक गुर्जर हिसार, सिरसा, फतेहाबाद व कैथल जिला में प्रदेश अध्यक्ष के साथ रहेंगे। प्रदेश संयोजक ने कहा कि वे खुद कुरूक्षेत्र, पंचकूला, अंबाला और यमुनानगर में प्रवास कार्यक्रम के दौरान प्रदेश अध्यक्ष के साथ मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली के प्रवास कार्यक्रम के दौरान जिला अनुसार जिला कार्यकारिणी सदस्य, जिला सदस्यता टोली, मंडल सदस्यता टोली, शक्ति केंद्र प्रमुख, शक्ति केंद्र सदस्यता प्रमुख उपस्थित रहेंगे।

रोहतक: दो गाडियों की हुई टक्कर, एक युवक की मौत

रोहतक। बहलम्बा मोड के पास हुए दो गाडियों की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पीजीआई भेज दिया। पुलिस के अनुसार गांव बरवाला मधुबन कालोनी निवासी अनिकेत ने बताया कि उसके पिता सुशील लोडिंग का काम करते थे और बरवाला से सामान लेकर रोहतक आ रहे थे, जैसे ही उसके पिता बहलम्बा मोड के पास पंचमुखी हनुमान मंदिर के समीप पहुंचे तभी महम की तरफ से आ रही एक गाड़ी चालक ने लापरवाही से चलाते हुए उसके पिता की गाड़ी में टक्कर मार दी, जिससे उसके पिता सुशील कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद काफी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए और गाडी चालक से वहां से फरार हो गया।

एक नजर

दून पब्लिक स्कूल में तुलसी पूजन व श्याम बाबा जी का जन्मदिन मनाया गया

इन्द्री(सुनील शर्मा)। दून पब्लिक स्कूल मुखाला में खाटू श्याम जी का जन्म महोत्सव बड़े धूमधाम व श्रद्धा से मनाया गया और इस अवसर पर तुलसी पूजन भी किया गया जिसमें सभी अध्यापकों ने भाग लिया। अध्यापक राजेन्द्र कांबोज ने बच्चों को तुलसी पूजन का महत्व के बारे में जानकारी दी ओर कहा कि हिंदू शास्त्रों में तुलसी को माता के समान पूजनीय माना जाता है। वहीं आज स्कूल में सडक सुरक्षा नियम रोड सेफ्टी रूल्स की त्रिस्तरीय परीक्षा पहली कक्षा से लेकर 12वीं कक्षा तक के बच्चों की करवाई गई। स्कूल की प्रधानाचार्या अनु कांबोज ने बच्चों को सडक सुरक्षा व परिवहन से संबंधित नियमों का पालन करने की सलाह दी ताकि हम किसी भी प्रकार की अकस्मात दुर्घटना का शिकार होने से बच सके। इस अवसर पर स्कूल स्टाफ के सुखदेव शर्मा,रविंद्र शर्मा,रामरतन कंबोज, संदीप गर्ग, प्रमोद गोयत, राजेंद्र कंबोज,आशा शर्मा, नेहा शर्मा, मीना,गीता, शगुन, रोमा,सेजल,मधु,विमल, रमा, पूनम, उषा, विजेता, रितिका,महक, आरती, सीमा, रजनी,गुरमीत, निशा, देवेंद्र कौर सहित अन्य सभी अध्यापक गण मौजूद रहे।

समाधान शिविरों में आई समस्याओं का मौके पर ही किया जा रहा समाधान

इन्द्री,(सुनील शर्मा)। प्रदेश सरकार के निदेर्शानुसार आमजन की समस्याओं के निवारण के लिए प्रशासन द्वारा नगरपालिका कार्यालय व बीडीपीओ कार्यालय के सभागार में समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन समाधान शिविरों में आमजन की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान किया जा रहा है।इसी कड़ी में मंगलवार को नगरपालिका कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर में दो शिकायतें आई, जिसका प्रशासन के अधिकारियों द्वारा मौके पर ही समाधान कर दिया गया। वहीं खंड विकास पंचायत अधिकारी कार्यालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई। इन समाधान शिविरों में आए लोगों का कहना है कि सरकार की इस पहल से उन्हें न केवल अपनी समस्याओं को शीघ्र हल करवाने का सशक्त विकल्प मिल रहा है, बल्कि जनता और प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल स्थापित हो रहे हैं। बता दें कि नगरपालिका कार्यालय व बीडीपीओ कार्यालय के सभागार में समाधान शिविर प्रत्येक कार्य दिवस को सुबह 9 बजे से 11 बजे तक आयोजित किए जा रहे हैं। सरकार की यह पहल लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान करने में सहायक होगी। स्थानीय प्रशासन प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू करने व आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध हैं।

श्री महालक्ष्मी मंदिर मुरादगढ़ में देवउठनी एकादशी पर्व मनाया गया, आज से शुभ मांगलिक कार्य होते है शुरू-भगत जोगिन्द्र

श्री महालक्ष्मी मंदिर मुरादगढ़ में देवउठनी एकादशी का पर्व बड़ी श्रद्धा व धूमधाम से मनाया गया। पूरे विधि विधान के साथ तुलसी पूजन किया गया। इस बारे में जानकारी देते हुए महालक्ष्मी मंदिर के संचालक भगत जोगिन्द्र जी ने बताया कि हर साल कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवउठनी एकादशी मनाई जाती है। तदनुसार, इस वर्ष देवउठनी एकादशी 12 नवंबर को मनाई जा रही है। इस तिथि पर जगत के पालनहार भगवन विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करने का विधान है। उन्होंने बताया कि देवउठनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु 4 महीने की योगनिद्रा के बाद जागते हैं और इसके बाद शुभ-मांगलिक कार्य फिर से शुरू हो जाते हैं। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवउठनी या प्रबोधिनी एकादशी मनाई जाती है। भगत जी ने बताया कि सनातन धर्म में कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि को तुलसी विवाह मनाया जाता है। आज के दिन भगवान विष्णु के स्वरूप शालिग्राम से मां तुलसी का विवाह कराया जाता है. तुलसी जी का विवाह करने से घर में सौभाग्य, सुख-समृद्धि आती है। नियमों के अनुसार तुलसी जी और शालिग्राम का विवाह कराने से तुलसी माता प्रसन्न होकर अपना आशीर्वाद देती हैं ओर हर मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। इस मौके पर काफी संख्या में श्रद्धालु महिलाएं व पुरूष मौजूद रहे।

फरार अभियुक्त विवेक कुमार गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर/बन्दरा,संवाददाता। हत्था थाना क्षेत्र के एक कांड में फरार अभियुक्त विवेक कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा है। विवेक कुमार, पिता मुकेश साह, निवासी कटरमांला, थाना गोरौल, पर परिवार द्वारा हत्या कर लाश छिपाने का आरोप था। इस संदर्भ में उनके परिजनों द्वारा कोर्ट परिवाद के आधार पर हत्था थाना में कांड दर्ज करवाया गया था। हत्था थाना अध्यक्ष शशि रंजन ने मंगलवार को बताया कि विवेक कुमार बैंगलोर में काम कर रहे थे और छठ पर्व के मौके पर अपनी मौसी के घर आए हुए थे। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने विदुपुर थाना, वैशाली से उनकी गिरफ्तारी की।

प्रेमी के प्यार में दीवानी महिला ने करवा दी पति की हत्या, स्कॉर्पियो कार से रौंदा

किशनगंज,संवाददाता। किशनगंज से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बेवफा पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की निर्दयता से हत्या कर दी। इस मामले में पत्नी समेत 4 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है और पत्नी के प्रेमी गालिब की पुलिस तलाश कर रही है।

मामला पौआखाली थाना क्षेत्र के बांसबाड़ी कचहरी महादलित टोला निवासी प्रगेश लाल राय हत्याकांड से जुड़ा है। इस मामले में ये सामने आया है कि पत्नी बतासी देवी ने अपने प्रेमी के साथ षड्यंत्र रचकर अपने पति की हत्या की है। दरअसल पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले के माथाभंगा इलाके की रहने वाली बतासी देवी कभी ईंट भट्टे में मजदूरी के सिलसिले में पौआखाली थाना क्षेत्र के हमला आमबाड़ी इलाके में आई थी। यहीं प्रगेश लाल राय जो ईंटभट्टे में जेसीबी और ट्रैक्टर चलाने का काम करता था, उसके साथ बतासी की नजदीकियां बढ़ीं। कुछ ही दिनों बाद ये नजदीकियां प्यार में तब्दील हो गईं और दोनों ने प्रेम विवाह कर लिया। इस बीच बतासी देवी ने 2 पुत्री और एक पुत्र को जन्म दिया। लेकिन कुछ वर्षों के बीतने के बाद ही प्रगेश की पत्नी की नीयत डोल गई और उसका मेलजोल हमला गांव निवासी गालिब से हो गया। गालिब के पिता मो इजराइल ईटभट्ठा मालिक हैं और उसी ईंटभट्टे में बतासी देवी और उसका पति प्रगेश लाल राय मजदूरी करता था। इस वजह से गालिब को प्रगेश की पत्नी के करीब आने का मौका भी मिल गया और उसका उनके घर आना-जाना होने लगा। इसके बाद दोनों के बीच इश्क परवान चढ़ा और गालिब-बतासी के बीच अवैध संबंध हो गए। इसकी भनक लगने के बाद से ही पति प्रगेश और उनके माता पिता इसका विरोध करने लगे। पति-पत्नी के बीच आए दिन झगड़ा होता था। पति का विरोध करना पत्नी को इतना नागवार गुजरा कि उसने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या का षड़यंत्र रचा। पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करवाई और इस हत्या को एक्सीडेंट की शक्ल देने की कोशिश की। लेकिन पुलिस ने महज दो दिनों के अंदर षड्यंत्रकारी पत्नी सहित तीन अन्य की गिरफ्तारी की और मामले का खुलासा किया।

तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से जदयू के अभिषेक झा ने किया नामांकन

मुजफ्फरपुर,संवाददाता। जेडीयू के देवेश चंद्र ठाकुर के सांसद बन जाने के बाद खाली हुई तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की सीट पर लड़ाई रोचक हो गई है। बिहार विधान परिषद की इस सीट पर उपचुनाव होने जा रहा है। प्रमुख मुकाबला आरजेडी और जेडीयू के बीच बताया जा रहा है। जेडीयू के प्रवक्ता अभिषेक झा ने मंगलवार को तिरहुत स्नातक क्षेत्र से उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया। अभिषेक झा के नामांकन में एनडीए में गजब की एकजुटता दिखी। आशीर्वाद सभा में शामिल होने के लिए डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा सहित बड़े नेता मंच पर मौजूद रहे। इसके अलावा बिहार सरकार में मंत्री विजय चौधरी, सुनील कुमार, रत्नेश सदा, जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार, सांसद देवेश चंद्र ठाकुर ने भी अभिषेक झा को आशीर्वाद दिया। पिछली बार इस सीट से जेडीयू के देवेश चंद्र ठाकुर को जीत मिली थी। उनके सांसद बन जाने के बाद इस सीट पर उपचुनाव हो रहा है। हालांकि, शिक्षक नेता बंशीधर ब्रजवासी भी मैदान में ताल ठोक रहे हैं। कहा जा रहा है कि उनको भी स्नातक मतदाताओं का भरपूर समर्थन हासिल है। मुजफ्फरपुर जिले के क्लब मैदान में नामांकन के दौरान आशीर्वाद सभा का आयोजन हुआ। इसमें एनडीए नेताओं ने अभिषेक झा के समर्थन में कई बड़ी बातें कही। अभिषेक झा जेडीयू के कम समय में बेहतर प्रवक्ता बन कर सामने आए हैं। वे पार्टी की बात सोशल मीडिया सहित टीवी डिबेट में खुलकर सामने रखते हैं। पार्टी की तरफदारी में खुलेआम अपनी बात कहते हैं। अभिषेक झा का पार्टी के अंदर भी समीकरण काफी स्पष्ट है। उन्हें जेडीयू के शीर्ष नेताओं का आशीर्वाद प्राप्त है। इसलिए अभिषेक झा की जीत को लेकर पार्टी आश्वस्त है। अभिषेक झा ने एनआईटी से सिविल इंजीनियरिंग की है। वे शिक्षा के क्षेत्र से राजनीति में आए हैं। उन्होंने पहले उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी का दामन थामा था। बाद में उन्होंने जेडीयू ज्वाइन कर लिया। जेडीयू में उन्होंने कई अहम जिम्मेदारी निभाई। उसके बाद उन्हें प्रवक्ता बनाया गया। अब पार्टी ने उन्हें तिरहुत स्नातक क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया है। विधान परिषद उपचुनाव की पूरी प्रक्रिया 14 दिसंबर तक हो जानी है। दरअसल, नियमानुसार पद रिक्त होने के 6 महीने के अंदर तक निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी कर लेनी है और यह अवधि 14 दिसंबर को पूरी हो रही है।

चलते ऑटो में महिला के चेहरे पर किया स्प्रे, फिर गैंगरेप

पटना,संवाददाता। बिहार की राजधानी पटना के फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र में एक ऐसी घटना घटी है, जिसके बारे में जानकर पुलिस भी हैरान है। पुलिस सोच भी नहीं सकती कि रोड पर चलने वाले ऑटो के भीतर इस तरह के कांड को अंजाम दिया जा सकता है। फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला 05 नवंबर, 2024 को फुलवारी से ऑटो में सवार हुई। उसने चालक को कहा कि उसे पटना जाना है। चालक महिला को पहले से पहचानता था। ऑटो स्टार्ट होने के कुछ देर बाद चालक ने महिला के चेहरे पर एक स्प्रे डाल दिया। उसके बाद महिला बेहोश हो गई।

महिला को जब होश आया, तब

चालक की करतूत जानकर पुलिस के उड़े होश

उसके कपड़े अस्त- व्यस्त थे। उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया था। महिला के मुताबिक जब उसे होश आया, तब उसने खुद को धनरुआ के नगमा में रेलवे लाइन के बगल में पाया। किसी तरह महिला फुलवारी शरीफ थाने पहुंची। उसके बाद उसने थानाध्यक्ष मसूद आलम हैदरी को इस मामले की जानकारी दी।

महिला के लिखित आवेदन के आधार पर पुलिस ने थाने में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। आस-पास के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है।

महिला के दिए आवेदन के मुताबिक ऑटो चालक का नाम संजीत कुमार और सूरज कुमार बताया जा रहा है। ऑटो पर दो चालक सवार थे। महिला पूर्व से एक ऑटो चालक को जानती थी। पुलिस ने महिला के बताए स्थान पर भी जाकर जांच की है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। महिला ने बताया कि ऑटो में बैठे हुए दोनों लोगों ने मिलकर उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। फुलवारी थाना क्षेत्र में हुए इस कांड से हड़कंप मच गया है। पुलिस अपराधी की गिरफ्तारी के प्रयास में जुट गई है।

मॉरीशस के चुनाव में नवीन रामगुलाम की लेबर पार्टी की ऐतिहासिक जीत, प्रधानमंत्री मोदी ने दी बधाई

पोर्ट लुइस। मॉरीशस के संसदीय चुनाव में लेबर पार्टी के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम की ऐतिहासिक जीत हुई है। 10 नवंबर को हुए चुनाव में मौजूदा प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनाथ की पार्टी सोशलिस्ट मूवमेंट का खाता भी नहीं खुल सका। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवीन रामगुलाम को जीत पर बधाई दी है।

मॉरीशस की न्यूज वेबसाइट ले मौरिसियन की खबर में यह जानकारी दी गई है। इस बार के चुनाव में रामगुलाम की लेबर पार्टी के 'एलायंस डु चेंजमेंट' गठबंधन को सभी 62 सीटों पर जीत हासिल हुई है। जुगनाथ के गठबंधन लेलेप को एक भी सीट हासिल नहीं हुई है। प्रधानमंत्री जुगनाथ ने हार मानते हुए कहा कि उन्होंने देश को आगे बढ़ाने के लिए जो भी हो सकता था किया लेकिन मतदाताओं ने दूसरी पार्टी को विजयी बनाने का फैसला किया। इसके लिए सभी मतदाता बधाई के पात्र हैं। उल्लेखनीय है कि नवीन रामगुलाम 1995 से 2000 और 2005 से 2015 तक प्रधानमंत्री रहे हैं। जुगनाथ और रामगुलाम दोनों उन परिवारों से आते हैं, जिन्होंने 1968 में ब्रिटेन से आजादी के बाद मॉरीशस की राजनीति पर अपना प्रभुत्व जमाया। 77 वर्षीय रामगुलाम, सिवसागर रामगुलाम के बेटे हैं, जिन्होंने मॉरीशस को आजादी दिलाई। रामगुलाम तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। भारत के मॉरीशस से मजबूत संबंध हैं। इसकी अहम वजह भारतीय मूल के लोगों की आबादी का वर्चस्व होना है। फिलहाल 12 लाख की आबादी में से 70 फीसद भारतीय मूल के लोग हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मॉरीशस के भावी प्रधानमंत्री डॉ. नवीन रामगुलाम को उनकी ऐतिहासिक चुनावी जीत पर बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को एक्स पर लिखा," अपने मित्र रामगुलाम से गर्मजोशी से बातचीत की, उन्हें उनकी ऐतिहासिक चुनावी जीत पर बधाई दी। मैंने मॉरीशस का नेतृत्व करने में उनकी बड़ी सफलता की कामना की और उन्हें भारत आने का निमंत्रण दिया। हमारी विशेष और अनूठी साझेदारी को मजबूत करने के लिए साथ मिलकर काम करने के प्रति आशान्वित हूं।"

जहरीले सांप के साथ डांस कर रहा था कलाकार, लाइव परफॉर्मेंस में काटा

मधेपुरा,संवाददाता। अगर आप भी जहरीले सांपों के साथ खिलवाड़ करते हैं तो आपको इससे सावधान रहने की जरूरत है, ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि सहरसा में एक स्टेज प्रोग्राम के दौरान जहरीले सांपों के साथ फिल्मी गीत पर डांस करना एक कलाकार को भारी पड़ गया। जहरीले सांपों के साथ डांस करते हुए एक सांप ने कलाकार के हाथ में डस लिया जिसका लाइव वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में आप देख सकते हैं कि फिल्मी गीतों पर स्टेज पर डांस कर रहा एक कलाकार एक नहीं, दो नहीं बल्कि 3-3 कोबरा सांप के साथ प्रदर्शन कर रहा था। डांस का दौर चल ही रहा था कि हाथ में सांप लिए कलाकार को एकाएक सांप ने डस लिया। इधर सांप के डसने के बावजूद कलाकार थोड़ी देर तक स्टेज पर डांस करता रहा लेकिन सांप का जहर जैसे-जैसे कलाकार के शरीर में चढ़ता गया वैसे-वैसे उसकी तबियत बिगड़ती गई। इसके बाद डांस कर रहा कलाकर बेहोश होकर वही स्टेज पर ही गिर पड़ा। उसे आनन फानन में सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बता दें कि जिले के सत्तर कटैया प्रखंड के रकिया बिजलपुर वार्ड

नम्बर- 06 में छठ पूजा के समापन पर डांस प्रोग्राम का आयोजन किया गया था और इसी दौरान यह घटना घटी। जख्मी कलाकार की पहचान मधेपुरा जिले के गम्हरिया थाना अंतर्गत चिकनी खाड़ निवासी 18 वर्षीय गौरव कुमार शर्मा के रूप मे हुई है। सहरसा के रकिया बिजलपुर वार्ड 06 में छठ पूजा के समापन के दौरान बीते 9 नवंबर शनिवार की रात वह डांस कर रहा था। इसी दौरान सपेरे द्वारा लाए गए सांपों के साथ वो डांस करने लगा जिसके बाद कोबरा सांप ने उसके बाएं हाथ में डस लिया। हादसे के शिकार हुए कलाकार गौरव कुमार ने बताया कि कई साल से वे इस तरह का प्रोग्राम करते आ रहे हैं अलग-अलग जिलों में जाकर सांपों के साथ खेलते हैं और लोगों को मनोरंजन कराते हैं पहली बार इस तरह की घटना हुई है। गौरव ने बताया, नगीना डांस के धुन पर हम सभी लोग डांस कर रहे थे और सामने में कोबरा सांप को रखा गया था। इस बीच कोबरा सांप ने हाथ पर डस लिया लेकिन उस समय पर कुछ पता नहीं चल थोड़ी देर बाद चक्कर आना शुरू हो गया और देखते ही देखते स्टेज पर ही बेहोश हो गया। इसके बाद दोस्तों द्वारा उसे तांत्रिक के पास लेकर जाया गया लेकिन वहां सांप का जहर नहीं निकला फिर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

उत्तराखण्ड स्वाभिमान संकल्प शोभायात्रा सम्पन्न हुई

उत्तरांचल भ्रात्रि सेवा संस्थान के सौजन्य से उत्तराखण्ड महापंचायत के तत्वाधान में 9नवम्बर उत्तराखण्ड स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में संतनगर (बुराड़ी) से अमृत विहार हनुमान मंदिर तक रविवार 10 नवंबर 2024 को उत्तराखण्ड स्वाभिमान संकल्प शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा में क्षेत्र की उत्तराखण्ड समाज की महिला शक्ति, उत्तराखण्ड समाज के प्रबुद्ध , प्रतिष्ठित, विशिष्ट, बुद्धिजीवी लोगों एवं बुराड़ी के समस्त उत्तराखंडी संस्थाओं के कार्य करणी अधिकारियों का काफी सहयोग मिला, सभी संस्थाओं ने शोभायात्रा में जगह-जगह जलपान की सेवा दी और शोभायात्रा को एक विशाल रूप मिला। इस ऐतिहासिक शोभायात्रा में उत्तरांचल भ्रात्रि सेवा संस्थान के सभी शाखाओं पदाधिकारी व सेवा मित्रों का भी भरपूर सहयोग मिला।

आयोजकों द्वारा वरिष्ठ प्रबुद्ध, प्रतिष्ठित बुद्धिजीवी कुंदन सिंह रावत, सतीश नेगी, शिव सिंह, डाक्टर तारा सिंह, गोपाल सिंह रावत, उमेद सिंह, हरि सिंह, बिशन हरियाला (लोक गायक), रामनाथ, डाक्टर बसंत काण्ड पाल, हरीश मनराल, हरि सिंह रजवाड़, खड़क सिंह, किशोर नैनवाल, नरेंद्र मास्टर जी, जगमोहन बिष्ट जी सुरेंदर गुसाईं जी, प्रेम सती जी,सुन्दर रावत जी वीरेंद्र रावत जी इत्यादि महानुभावो को पगड़ी एवं फूलमाला के साथ स्वागत करते हुए घोड़ों में बैठा कर उत्तरांचली परम्परा के साथ रंगारंग शोभा यात्रा की शुरूआत की गई एवं सैकड़ों उत्तराखंडी संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं महिला कीर्तनमंडलियों का भी फूलमाला एवं अंगवस्त्र के साथ स्वागत किया गया।उत्तराखंडी धुनों पर नाचते हुए लोगों ने शोभायात्रा का आनंद लिया दिल्ली-एनसीआर से संस्थान के सभी सेवामित्र उत्तराखंड महापंचायत के सभी पदाधिकारी पगड़ी पहने हुए वरिष्ठ बुद्धिजीवी एवं उत्तराखंडी वेशभूषा में महिलाशक्ति इस शोभायात्रा की शान बनी हुई थी। इस ऐतिहासिक शोभायात्रा में रोड पर ट्रैफिक को सुचारू रूप से व्यवस्थित करने में दिल्ली पुलिस का भी भरपूर सहयोग मिला। समापन स्थल पर लाखों उत्तराखण्डियों के जाने-माने युवा समाज प्रमुख हरदा उत्तरांचली जी द्वारा उत्तराखंड स्वाभिमान संकल्प शोभायात्रा में सम्मिलित सैकड़ों उत्तराखण्डियों का आभार व्यक्त किया गया और धन्यवाद किया गया।

बिटकॉइन की रिकॉर्डतोड़ तेजी जारी, 90 हजार डॉलर के करीब पहुंची क्रिप्टो करेंसी

इस साल के अंत तक बिटकॉइन के 1 लाख डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद से ही दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन लगातार मजबूती के नए रिकॉर्ड बना रही है। आज के कारोबार में ये आभासी मुद्रा 90 हजार डॉलर के काफी करीब पहुंच गई। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की जीत का रुझान आने के बाद से ही इस क्रिप्टो करेंसी में तेजी का रुख बना है और पिछले एक हफ्ते में ही इसने करीब 32 प्रतिशत की छलांग लगाई है। माना जा रहा है कि इस साल के अंत तक बिटकॉइन 1 लाख डॉलर के स्तर तक भी पहुंच सकता है।

अमेरिका में चुनाव होने के 1 दिन पहले 4 नवंबर को बिटकॉइन 66,834 डॉलर के स्तर पर कारोबार कर रहा था, जबकि 6 नवंबर को जैसे ही अमेरिका में हुए चुनाव की काउंटिंग में मिल रहे रुझानों से डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने का रास्ता साफ होता नजर आया, वैसे ही ये क्रिप्टो करेंसी 76,401.40 डॉलर के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई। इसके बाद 10 नवंबर को बिटकॉइन ने 80,092 डॉलर के स्तर पर पहुंच कर मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाया। इसके अगले दिन 11 नवंबर को बिटकॉइन ने 81,800 डॉलर तक की छलांग लगाई, जबकि आज इस क्रिप्टो करेंसी में 89,604.50 डॉलर के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचने में सफलता हासिल की। अमेरिका में चुनाव वाले दिन से लेकर अभी तक बिटकॉइन की कीमत 32.03 प्रतिशत तक तेज हो चुकी है।

जानकारों को कहना है कि बिटकॉइन समेत दूसरे क्रिप्टो करेंसी की कीमत में तेजी आने की सबसे बड़ी वजह डोनाल्ड ट्रंप का वो चुनावी वादा है, जिसमें उन्होंने क्रिप्टो करेंसीज के लिए सपोर्टिव रूल बनाने का की बात कही है। अपने चुनाव प्रचार के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में बिटकॉइन रिजर्व बनाने और घरेलू स्तर पर क्रिप्टो करेंसीज की माइनिंग को बढ़ावा देने के साथ ही डिजिटल एसेट्स के लिए रेगुलेटर की नियुक्ति करने की बात भी कही थी।

दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की कीमत में इस साल जनवरी से लेकर अभी तक की अवधि में 51 हजार डॉलर से अधिक की तेजी आ चुकी है। इस साल 23 जनवरी को बिटकॉइन 38,500 के स्तर तक गिर गया था, लेकिन उसके बाद इस क्रिप्टो करेंसी की कीमत में काफी तेजी आई है। इस साल 23 जनवरी की कीमत की तुलना में बिटकॉइन की कीमत करीब 51,100 डॉलर उछल चुकी है। यानी 1 साल से भी कम समय में इस क्रिप्टो करेंसी ने दोगुना से भी अधिक रिटर्न दिया है। जानकारों का कहना है कि बिटकॉइन की कीमत में आई तेजी को अमेरिकी इक्विटी ट्रेडेड फंड्स से काफी सपोर्ट मिला है। इसके साथ ही यूएस फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने से भी बिटकॉइन समेत तमाम क्रिप्टो करेंसीज के लिए पॉजिटिव माहौल बना है। अब डोनाल्ड ट्रंप की जीत में भी क्रिप्टो करेंसी मार्केट को जबरदस्त सपोर्ट दिया है, जिसके कारण ज्यादातर प्रमुख क्रिप्टो करेंसीज में तेजी का रुख बना हुआ है।

क्रिप्टो करेंसी मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि पिछले एक सप्ताह के दौरान ज्यादातर क्रिप्टो करेंसीज में तेजी का रुख बना हुआ है, लेकिन आने वाले दिनों में इसमें प्रॉफिट बुकिंग की वजह से गिरावट का रुख भी बन सकता है। मार्केट एक्सपर्ट विनीत जैन का कहना है कि नवंबर महीने के अंत में बिटकॉइन समेत ज्यादातर क्रिप्टो करेंसीज की कीमत में मामूली गिरावट आ सकती है, लेकिन इसके बाद दिसंबर में एक बार फिर ज्यादा क्रिप्टो करेंसीज में तेजी का रुख बनेगा। अगर वैश्विक हालात में कोई बड़ा उलटफेर नहीं हुआ, तो इस साल के अंत तक क्रिप्टो करेंसी मार्केट का सरताज बिटकॉइन पहली बार 1 लाख डॉलर के स्तर को भी पार कर सकता है।

एक नजर

देश को पहला रंगीन टीवी देने वाले वेणुगोपाल बैंक खाते और शेयर भी होंगे जब्त

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार की निगरानी करने वाली संस्था भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने लगभग 68.5 लाख रुपये का बकाया वसूलने के लिए वेणुगोपाल धूत और वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज की प्रमोटर यूनिट इलेक्ट्रोपार्ट्स (इंडिया) के बैंक खातों, शेयरों और म्यूचुअल फंड होल्डिंग को कुर्क करने का आदेश दिया है। इससे पहले सेबी ने 30 सितंबर को वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज की प्रवर्तक इकाई इलेक्ट्रोपार्ट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड और इसके मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) वेणुगोपाल धूत को नोटिस भेजा था। नोटिस में उन्हें वीडियोकॉन इंडस्ट्रीज के शेयरों में इनसाइडर ट्रेडिंग गतिविधियों के एक मामले में 15 दिन के भीतर बकाया राशि का भुगतान करने को कहा गया था। धूत और इलेक्ट्रोपार्ट्स (इंडिया) के जुमार्ने न देने पर ताजा कार्यवाही की गई। हाल ही में जारी दो कुर्की आदेशों में बाजार नियामक ने लंबित बकाया राशि की वसूली के लिए वेणुगोपाल धूत और इलेक्ट्रोपार्ट्स (इंडिया) के बैंक, डीमैट खातों और म्यूचुअल फंड होल्डिंग को जब्त करने का आदेश दिया है। कभी भारत के अमीरों की सूची में 61वें स्थान पर रहे वीडियोकॉन के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत लोन फ्रॉड केस में कानूनी कार्रवाई का सामना कर रहे हैं लेकिन अब उनकी कंपनी वीडियोकॉन दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही है। भारत में पहला कलर टेलीविजन पेश करने वाली वीडियोकॉन और इसके मालिक वेणुगोपाल धूत आईसीआईसीआई-वीडियोकॉन लोन फ्रॉड केस में आरोपी हैं। साल 1985 में वेणुगोपाल के पिता नंदलाल माधवलाल धूत ने वीडियोकॉन इंटरनेशनल की स्थापना की थी। कुछ ही सालों के अंदर यह कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और होम एप्लायंसेज में भारत की टॉप कंपनी बन गई। वेणुगोपाल की लीडरशिप में वीडियोकॉन का कारोबार खूब बढ़ा। भारत के अलावा वीडियोकॉन ने चीन, मैक्सिको, पोलैंड और इटली में भी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित किए।

अक्टूबर में टोयोटा वेलफायर की 115 यूनिट्स बिकीं

नई दिल्ली, एजेंसी। अक्टूबर 2024 में टोयोटा को बिक्री के मामले में बेहतरीन सफलता मिली है। बीते माह में टोयोटा वेलफायर की 115 यूनिट्स बिकीं। कंपनी की सभी 9 मॉडलों की मांग में वृद्धि देखी गई, खासकर उसकी लग्जरी एमपीवी टोयोटा वेलफायर की। इस मॉडल की एक्स-शोरूम कीमत 1.20 करोड़ रुपये है, बावजूद इसके इसे ग्राहकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। अक्टूबर में वेलफायर की 115 यूनिट्स बिकीं, जो सितंबर में 87 यूनिट्स थीं। इस प्रकार, पिछले महीने वेलफायर की 27 यूनिट्स ज्यादा बिकीं, जिससे इसके वेटिंग पीरियड में भी वृद्धि हुई है, जो अब 6 महीने से बढ़कर 7 महीने तक पहुँच चुका है। वेलफायर में स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड मॉडल का विकल्प उपलब्ध है, जिसमें 2.5-लीटर इनलाइन चार-सिलेंडर इंजन है। यह इंजन 142 किलोवाट की पावर और 240 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। हाइब्रिड तकनीक के चलते यह कम उत्सर्जन और बेहतर माइलेज प्रदान करता है। टोयोटा का दावा है कि वेलफायर का सेल्फ-चार्जिंग हाइब्रिड मॉडल 40 प्रतिशत दूरी और 60प्रतिशत समय तक जीरो एमिशन मोड में चलता है, और इसका माइलेज 19.28 किमी प्रति लीटर है। इसकी सीटिंग अरेंजमेंट और ड्राइविंग पोजीशन में सुधार किए गए हैं, जिससे यह पहले से ज्यादा स्पेशियस हो गई है। टोयोटा वेलफायर ने अक्टूबर में शानदार प्रदर्शन किया और इसने लग्जरी एमपीवी सेगमेंट में अपनी मजबूत पकड़ बनाई है। वेलफायर में 60 से अधिक कनेक्टेड फीचर्स जैसे रिमोट डोर लॉक/ अनलॉक, एयर कंडीशनिंग और इमरजेंसी सर्विस भी शामिल हैं। सुरक्षा के लिहाज से इसमें अडास एडवांस ड्राइवर असिस्टेंट सिस्टम) जैसे फीचर्स दिए गए हैं, जिनमें क्रूज कंट्रोल, लेन ट्रेस असिस्टेंस और हाई बीम एलईडी हेडलैंप शामिल हैं।

रुपया दो पैसे टूटकर सर्वकालिक निचले स्तर 84.40 डॉलर पर

मुंबई, एजेंसी। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती से निवेशकों की धारणा प्रभावित होने के कारण रुपया मंगलवार को शुरूआती कारोबार में दो पैसे टूटकर अपने सर्वकालिक निचले स्तर 84.40 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि मध्यम अवधि में रुपये के 83.80 और 84.50 प्रति डॉलर के बीच कारोबार करने के आसार हैं क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक अपने मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार के दम पर इसमें कोई बड़ी गिरावट को सीमित रखने में सक्षम है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.39 प्रति डॉलर पर खुला। शुरूआती सौदों के बाद अपने सर्वकालिक निचले स्तर 84.40 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले दो पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने सर्वकालिक निचले स्तर 84.38 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 105.63 पर रहा।

अप्रैल-नवंबर में भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह बढ़कर 12.1 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) द्वारा जारी लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के दौरान 1 अप्रैल से 10 नवंबर तक भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 15.4 प्रतिशत बढ़कर 12.1 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसमें कॉर्पोरेट कर और व्यक्तिगत आयकर शामिल हैं। इस अवधि के दौरान सकल आधार पर प्रत्यक्ष कर 21 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 15 लाख करोड़ रुपये हो गया। सरकार ने 2.9 लाख करोड़ रुपये का कर रिफंड जारी किया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 53 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में शुद्ध कॉर्पोरेट कर संग्रह 5.10 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि गैर-कॉर्पोरेट कर 6.62 लाख करोड़ रुपये रहा। गैर-कॉर्पोरेट कर में व्यक्तियों, एचयूएफ और फर्मों द्वारा भुगतान किया गया कर शामिल था। इक्विलाइजेशन लेवी और उपहार कर सहित अन्य करों से कुल 35,923 करोड़ रुपये एकत्र किए गए। सरकार ने 2024-25 के दौरान प्रत्यक्ष करों से 22.12 लाख करोड़ रुपये एकत्र करने का लक्ष्य रखा है, जो पिछले वित्तीय वर्ष के इसी आंकड़े से 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। कर संग्रह में दोहरे अंकों की वृद्धि देश की मजबूत राजकोषीय स्थिति को दर्शाती है जो आर्थिक विकास से प्रेरित है। यह 2023-24 में उच्च वृद्धि के भी ऊपर के स्तर को दर्शाता है जब शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह केंद्रीय बजट अनुमानों से 1.35 लाख करोड़ रुपये या 7.4 प्रतिशत अधिक था। 2023-24 के लिए केंद्रीय बजट में प्रत्यक्ष संग्रह का लक्ष्य 18.23 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया था और बाद में संशोधित अनुमान (आरई) में इसे बढ़ाकर 19.45 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया। सीबीडीटी ने कहा कि अनंतिम प्रत्यक्ष कर संग्रह (रिफंड के बाद) बजट अनुमान से 7.40 प्रतिशत और संशोधित अनुमान से 0.67 प्रतिशत अधिक रहा है। कर संग्रह में उछाल से सरकार के खजाने में अधिक धनराशि आती है। इस धनराशि का इस्तेमाल सरकार द्वारा आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए किया जा सकता है। कर संग्रह का बढ़ना राजकोषीय घाटे को नियंत्रित रखने और अर्थव्यवस्था के व्यापक आर्थिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने में भी मदद करता है। कम राजकोषीय घाटे का मतलब है कि सरकार को कम उधार लेना पड़ता है, जिससे बड़ी कंपनियों के लिए बैंकिंग प्रणाली में उधार लेने और निवेश करने के लिए अधिक पैसा बचता है। इससे आर्थिक विकास दर बढ़ती है और नौकरियों के अधिक अवसर पैदा होते हैं।

गेमिंग सेक्टर में बूम के संकेत, गैर-मेट्रो सिटी का रहेगा दबदबा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का गेमिंग सेक्टर एक नया और बड़ा आकार ले रहा है। एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, गैर-मेट्रो शहरों के उत्साही लोगों की वजह से भारत का गेमिंग सेक्टर वित्त वर्ष 2029 तक 3.8 बिलियन डॉलर से बढ़कर 9.2 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

देश की 591 मिलियन गेमिंग आबादी में अब महिला गेमर्स की संख्या 44 प्रतिशत है और 66 प्रतिशत गेमर्स गैर-मेट्रो शहरों से हैं, जिनमें से 43 प्रतिशत 18-30 आयु वर्ग में पहली बार कमाई करने वाले हैं। अग्रणी इंटरेक्टिव मीडिया और गेमिंग वीसी फंड लुमिकाई की रिपोर्ट के अनुसार, इस गति ने उद्यमियों और वेंचर कैपिटल दोनों को इस आकर्षक क्षेत्र की ओर आकर्षित किया है।

गेमिंग पर बिताया जाने वाला औसत साप्ताहिक समय 30 प्रतिशत से बढ़कर 13 घंटे हो गया, जो सोशल प्लेटफॉर्म पर बिताए जाने वाले समय से दोगुना है। भारत वर्तमान में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल गेमिंग बाजार है, जिसमें 15.2 बिलियन डाउनलोड दर्ज किए गए हैं, जो कि ब्राजील और अमेरिका के संयुक्त वॉल्यूम का 3 गुना है।

देवोत्थान एकादशी के दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में भी गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। तुलसी विवाह और देवोत्थान एकादशी के दिन आज घरेलू सराफा बाजार में गिरावट का रुख बना हुआ है। आज सोना 550 रुपये से लेकर 600 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 78,900 रुपये से लेकर 78,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 72,340 रुपये से लेकर 72,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। सोने की तरह चांदी के भाव में भी कमजोरी आने की वजह से दिल्ली सराफा बाजार में इसकी कीमत आज 92,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 78,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 78,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 78,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,800 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 78,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 72,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सैगिलिटी इंडिया की मामूली प्रीमियम के साथ लिस्टिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों को सर्विस देने वाली कंपनी सैगिलिटी इंडिया के शेयर आज मामूली प्रीमियम के साथ बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत कंपनी ने 30 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। आज बीएसई ओर एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 31.06 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह आईपीओ निवेशकों को सिर्फ 3.53 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिल सका।

लिस्टिंग के बाद से ही ये शेयर सीमित दायरे में कारोबार करता नजर आ रहा है। खरीदारी के सपोर्ट से इसने 32.87 रुपये के स्तर तक पहुंचने में सफलता हासिल की। वहीं, बिकवाली का दबाव बनने पर ये शेयर 30.50 रुपये के स्तर तक गिर गया। लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच सुबह 11:30 बजे सैगिलिटी

इंडिया के शेयर 1.54 रुपये की बढ़त के साथ 31.54 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे।

सैगिलिटी इंडिया का 2,106.60 करोड़ रुपये का आईपीओ 5 से 7 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 3.52 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.93 गुना सब्सक्राइब हुआ था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर के लिए रिजर्व पोर्शन 4.16 गुना और एम्पलाइज का हिस्सा 3.75 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ के तहत कोई भी नया शेयर जारी नहीं किया गया है, जबकि 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 70,21,99,262 शेयर को ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) विंडो के जरिए बेचा गया है।

सैगिलिटी इंडिया का पूरा कारोबार अमेरिका में है। ये कंपनी अमेरिकी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों को सर्विस देती है। वित्त वर्ष 2021-22 में इसे 4.67 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था, लेकिन 2022-23 में कंपनी ने 143.57 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया। इसी तरह 2023-24 में इसका मुनाफा बढ़ कर 228.27 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस अवधि में कंपनी के रेवेन्यू में भी सालाना 125 प्रतिशत की चक्रवृद्धि दर से बढ़ोतरी हुई, जिसके कारण इसका रेवेन्यू 4,781.5 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

भारत का आईटी खर्च 2025 में 160 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा : रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का आईटी खर्च आने वाले समय में तेजी से बढ़ सकता है। मंगलवार को आई एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, भारत का आईटी खर्च 2025 में 160 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2024 से 11.2 प्रतिशत की वृद्धि को दशार्ता है।

गार्टनर की एक रिपोर्ट के अनुसार, एप्लीकेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर सॉफ्टवेयर मार्केट दोनों के बढ़ने के कारण, भारत में सॉफ्टवेयर खर्च में सबसे अधिक वार्षिक वृद्धि दर दर्ज होने का अनुमान है, जो 2025 में 17 प्रतिशत बढ़ जाएगी।

गार्टनर के वीपी एनालिस्ट नवीन मिश्रा ने कहा, '2025 में, भारतीय मुख्य सूचना अधिकारी (सीआईओ) प्रारंभिक प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट परियोजनाओं से अलग जनरेटिव एआई (जेनएआई) के लिए बजट आवंटित करना शुरू कर देंगे।'

उन्होंने कहा, 'जेनएआई पर खर्च बढ़ेगा, लेकिन भारतीय मुख्य सूचना अधिकारियों की इसकी क्षमताओं को लेकर अपेक्षाएं कम हो जाएंगी।'

इसके अलावा, भारतीय सीआईओ 2024 की तुलना में 2025 में साइबर सुरक्षा, बिजनेस इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स जैसी टेक्नोलॉजी पर खर्च करने में यकीन रखेंगे।

कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट में जेनएआई-इनेबल्ड ऑफरिंग का प्राइस प्रीमियम, ईमेल-ऑथरिंग और एनालिटिक प्लेटफॉर्म सॉफ्टवेयर से जुड़े खर्च को बढ़ाएंगे, जिससे इस सेगमेंट में तेजी आएगी।

वर्ष 2025 तक जेनएआई कैपेबिलिटी वाले 50 प्रतिशत से अधिक एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर प्राइस प्रीमियम से जुड़े होंगे।

कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजे की चिंता में शेयर बाजार में भूचाल

मुंबई, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की संभावित नीतियों की चिंता से विश्व बाजार में आई भारी गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर कंपनियों की दूसरी तिमाही के कमजोर परिणाम और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार जारी पूंजी निकासी से हताश निवेशकों की चौतरफा बिकवाली से आज शेयर बाजार में भूचाल आ गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 820.97 अंक अर्थात 1.03 प्रतिशत का गोता लगाकर लगभग तेरह सप्ताह के निचले स्तर 78,675.18 अंक पर आ गया। इससे पहले 06 अगस्त को यह 78,593.07 अंक पर रहा था। साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 257.85 अंक यानी 1.07 प्रतिशत की गिरावट लेकर 24 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के नीचे 23,883.45 अंक रह गया। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.98 प्रतिशत लुढ़ककर 45,268.42 अंक और स्मॉलकैप 1.26 प्रतिशत

का गोता लगाकर 53,604.48 अंक पर बंद हुआ।

इस दौरान बीएसई में कुल 4061 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2744 में बिकवाली जबकि 1224 में लिवाली हुई वहीं 93 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 46 कंपनियों में गिरावट जबकि अन्य चार में तेजी रही।

विश्लेषकों के अनुसार, वैश्विक शेयर बाजारों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों के बारे में निवेशकों की चिंता के कारण दबाव देखने को मिला जबकि बिटकॉइन 90,000 डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, क्योंकि व्यापारियों ने उन परिसंपत्तियों में निवेश किया, जिनके बारे में उनका मानना है कि उन्हें नए प्रशासन से लाभ हो सकता है। इससे विदेशी बाजरों का रुझान नकारात्मक रहा। ब्रिटेन का एफटीएसई 0.94, जर्मनी का डैक्स 0.70, जापान का निक्केई 0.40, हांगकांग का हैंगसेंग 2.84 और चीन का शंघाई कम्पोजिट 1.39 प्रतिशत लुढ़क गया।

इसके अलावा स्थानीय स्तर पर चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनियों की कमजोर तिमाही नतीजे और एफआईआई कि लगातार जारी बिकवाली ने घरेलू बाजार पर दबाव बनाया है। एफआईआई इस महीने में अबतक 22,156.41 करोड़ की बिकवाली कर चुके हैं।

इससे बीएसई में फोकस्ड आईटी और रियल्टी की 0.14 प्रतिशत तक की ताजी को छोड़कर अन्य 19 समूहों में गिरावट रही। इससे कमोडिटीज 1.24, सीडी 1.18, ऊर्जा 1.07, एफएमसीजी 1.60, वित्तीय सेवाएं 1.44, इंडस्ट्रियल्स 1.82, दूरसंचार 1.21, यूटिलिटीज 2.20, ऑटो 1.95, बैंकिंग 1.45, कैपिटल गुड्स 2.14, कंज्यूमर डयूरेबल्स 1.24, धातु 1.52, तेल एवं गैस 1.12, पावर 2.79 और सर्विसेज समूह के शेयर 1.88 प्रतिशत कमजोर रहे।

शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 149 अंक की तेजी के साथ 79,644.95 अंक पर खुला और दमदार लिवाली की बदौलत थोड़ी देर बाद ही 79,820.98 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, बिकवाली होने से यह लगातार गिरता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 78,547.84 अंक के निचले स्तर तक लुढ़कत गया। अंत में पिछले दिवस के 79,496.15 अंक के मुकाबले 1.03 प्रतिशत का गोता लगाकर 78,675.18 अंक पर बंद हुआ।

इसी तरह निफ्टी 85 अंक की बढ़ोतरी लेकर 24,225.80 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 24,242.00 अंक के उच्चतम जबकि 23,839.15 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 24,141.30 अंक की तुलना में 1.07 प्रतिशत कमजोर होकर 23,883.45 अंक पर आ गया।

इस दौरान सेंसेक्स की नुकसान उठाने वाली प्रमुख कंपनियों में एनटीपीसी 3.16, एचडीएफसी बैंक 2.73, एशियन पेंट 2.65, एसबीआई 2.52, टाटा मोटर्स 2.46, मारुति 2.27, जेएसडब्ल्यू स्टील 2.23, पावरग्रिड 2.20, बजाज फाइनेंस 1.98, अडानी पोर्ट्स 1.63, बजाज फिन सर्व 1.61, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.19, हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.18, एक्सिस बैंक 1.04, एलटी 1.01, टेक महिंद्रा 0.95, टाटा स्टील 0.55, भारती एयरटेल 0.29, एचसीएल टेक 0.22 और इंडसइंड बैंक 0.19 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, इंफोसिस 0.43, सन फार्मा 0.28, आईसीआईसीआई बैंक 0.11 और टीसीएस के शेयर 0.02 प्रतिशत लाभ में रहे।

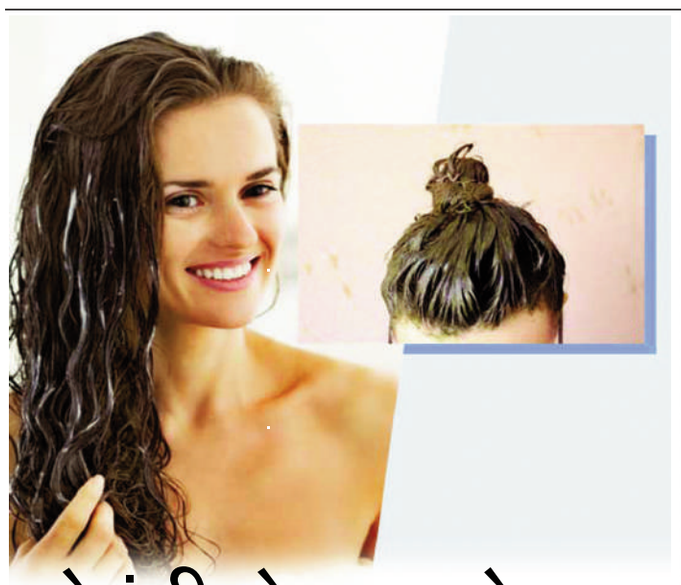

मेहंदी से बाल हो गए हैं ड्राई तो आप भी ट्राई कर सकती हैं ये होममेड हेयर मास्क

आमतौर पर लोग सफेद बालों को कलर करने के लिए मेहंदी का इस्तेमाल करते हैं। मेहंदी के इस्तेमाल से बालों को अच्छा कलर तो मिल जाता है और कुछ दिनों के लिए बालों के सफेद दिखने की समस्या भी कम हो जाती है। लेकिन कई बार मेहंदी लगाने के बाद बाल ड्राई होने लगते हैं और ड्राई बाल मुख्य रूप से हेयर फॉल का कारण भी बनते हैं। अक्सर मेहंदी अप्लाई करते समय हम कुछ गलतियां करते हैं जिसकी वजह से बाल ज्यादा ड्राई हो जाते हैं। जैसे मेहंदी से पहले बालों में तेल न लगाना और रूखे बालों में ही मेहंदी लगाना।

जब हम रूखे बालों में ही मेहंदी का इस्तेमाल करने लगते हैं तो मेहंदी लगाने के बाद बाल और ज्यादा रूखे और बेजान हो जाते हैं। अगर आपके बाल भी मेहंदी के बाद ज्यादा ड्राई हो जाते हैं तो आप इनकी ड्राइनेस कम करने के लिए बालों में कुछ होममेड हेयर मास्क अप्लाई कर सकती हैं। ये हेयर मास्क वैसे तो पूरे तरह से प्राकृतिक हैं और इनका बालों में कोई भी साइड इफेक्ट नहीं है लेकिन बालों में ये हेयर मास्क अप्लाई करने से पहले आप विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें क्योंकि सभी के बालों का प्रकार अलग होता है और किसी भी सामग्री का असर आपके बालों पर अलग तरीके से हो सकता है।

बालों में मेहंदी लगाने के बाद इन बातों का रखें ध्यान

यदि आप बालों में मेहंदी अप्लाई करती हैं तो आपको सबसे ज्यादा ध्यान में रखने वाली बात ये है कि मेहंदी लगाने से पहले किसी भी ऑयल जैसे जैतून या नारियल के तेल का इस्तेमाल करें।

मेहंदी बालों से हटाने के तुरंत बाद शैम्पू न करें बल्कि कम से कम 12 घंटे बाद ही बालों को शैम्पू करें। शैम्पू के बाद आप कंडीशनर का इस्तेमाल जरूर करें, क्योंकि मेहंदी बालों को ड्राई कर सकती है।

बालों में मेहंदी के बाद होममेड हेयर मास्क क्यों जरूरी है

यदि आप मेहंदी से ड्राई हो चुके बालों में होममेड हेयर मास्क अप्लाई करती हैं तो ये 20 मिनट से भी कम समय में आपके बालों को ढेर सारे लाभ प्रदान करने में मदद करता है। हेयर मास्क आपके बालों को मुलायम और हाइड्रेटिंग बनाने के साथ बालों की ग्रोथ को बढ़ावा देने, बालों में चमक जोड़ने और यहां तक कि बालों के झड़ने को कम करने में भी मदद करते हैं। आइए जानें मेहंदी का बालों में इस्तेमाल करने के बाद आप कौन से हेयर मास्क का इस्तेमाल अपने बालों में कर सकते हैं।

ब्राउन शुगर और ऑलिव ऑयल हेयर मास्क

ब्राउन शुगर बालों के लिए एक बेहतरीन एक्सफोलिएंट है जो आपके स्कैल्प से उन मृत त्वचा कोशिकाओं और किसी भी बचे हुए अवशेष के निर्माण से छुटकारा पाने में मदद करता है। वहीं जैतून का तेल हमेशा सूखे बालों के इलाज के लिए प्राकृतिक कंडीशनर के रूप में उपयोग किया जाता है। यह बालों को नमी प्रदान करके बालों की ड्राइनेस को कम करने में मदद करता है।

आवश्यक सामग्री

शुगर – 2 बड़े चम्मच
जैतून का तेल– 1 बड़ा चम्मच

हेयर मास्क बनाने और इस्तेमाल का तरीका

- एक बाउल में चीनी और तेल को एक साथ मिलाकर हेयर मास्क तैयार करें।
- इस हेयर मास्क को अपने बालों में ऊपर से नीचे तक लगाएं।
- हेयर मास्क को अपने बालों पर 15–20 मिनट के लिए लगा रहने दें।
- बालों को शॉवर कैप से ढककर रखें।
- 15 –20 मिनट के बाद बालों को अच्छी तरह से शैम्पू करें और शैम्पू के बाद बालों में कंडीशनर का इस्तेमाल जरूर करें।

नारियल तेल का हेयर मास्क

नारियल तेल बालों की ड्राईनेस को कम करने में मदद करता है और मेहंदी से ड्राई हो चुके बालों को भी शाइन प्रदान करने में मदद करता है।

आवश्यक सामग्री

शहद – 1 बड़ा चम्मच
नारियल तेल – 1 बड़ा चम्मच

बनाने और इस्तेमाल का तरीका

- एक कटोरी में 1 बड़ा चम्मच नारियल का तेल और 1 बड़ा चम्मच शहद डालकर आपस में अच्छी तरह से मिलाएं।
- मिश्रण को एक बर्तन में निकाल लें और इसे गर्म करें ताकि शहद और नारियल का तेल एक दूसरे में अच्छी तरह से मिक्स हो जाए।
- मिश्रण को वापस बाउल में डालें और ठंडा होने दें। फिर, अपने बालों पर ऊपर से नीचे तक मास्क लगाएं और अपने पूरे बालों पर पूरी तरह से अप्लाई करें। यदि आपकी जड़ें आमतौर पर काफी ऑयली हैं, तो केवल मध्य लंबाई से नीचे तक मास्क लगाएं।
- बची हुई नमी को बनाए रखने के लिए शॉवर कैप लगाएं।
- 20 मिनट के बाद अपने बालों को गर्म पानी से धो लें और हमेशा की तरह शैम्पू और कंडीशनर करें।
- अगर आपके बाल मेहंदी लगाने के बाद रूखे हो गए हैं तो आपको बालों की ज्यादा देखभाल करने की जरूरत है। इसके लिए यहां बताए हेयर मास्क अप्लाई करें। लेकिन इन मास्क का इस्तेमाल करने से पहले एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

वेडिंग गिफ्ट जा रही हैं खरीदने तो इन जरूरी बातों को रखें खास ख्याल

शादियों का सीजन शुरू हो गया है, ऐसे में सिर्फ कपड़े–गहने ही नहीं बल्कि गिफ्ट की भी खरीदारी शुरू हो जाती हैं। खासकर अगर शादी घर के किसी सदस्य की हो तो इस बात को सोचना और भी ज्यादा जरूरी हो जाता है कि आखिर गिफ्ट में दूल्हा और दुल्हन को क्या दिया जाए? बता दें कि इंडियन वेडिंग में महंगे तोहफे देने का रिवाज काफी पुराना है, लेकिन अब समय काफी बदल गया है, ऐसे में बजट के साथ–साथ जरूरत का ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

वहीं कुछ लोग वेडिंग गिफ्ट खरीदारी में समय अधिक चला जाता है। दरअसल, ऐसा इसलिए होता है क्योंकि लोग गिफ्ट को लेकर काफी कंफ्यूजन रहते हैं, ऐसे में हम पहले डिसाइड कर लें, तो पैसे और समय दोनों को बचाया जा सकता है। इसलिए वेडिंग गिफ्ट की खरीदारी करते वक्त कुछ बातों का ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

वेडिंग गिफ्ट सेलेक्शन

वेडिंग गिफ्ट में क्या दें, यह सबसे बड़ा सवाल होता है। आप इसे बारे में दूल्हा या फिर दुल्हन से सवाल भी नहीं कर सकते हैं। इसके अलावा दूसरों से पूछने पर वो अलग से आपको आइडिया दे सकते हैं। इस तरह कंफ्यूजन काफी बढ़ जाता है, इसलिए बेहतर है कि आप खुद तय करें कि शादी के बाद दूल्हा और दुल्हन को किन चीजों को जरूरत अधिक पड़ती है। उसे ध्यान में रखते हुए गिफ्ट की खरीदारी करें। इसके अलावा गिफ्ट इस उम्मीद से ना दें, आपको वापस मिल सकता है। गिफ्ट अच्छा और जरूरत को ध्यान में रखकर दें।

कैश रजिस्टरी का ऑप्शन चुने

वेडिंग गिफ्ट के तौर पर कैश रजिस्ट्री का ऑप्शन चुन सकती हैं। वेडिंग गिफ्ट की खरीदारी से पहले आप चाहें तो कैश रजिस्ट्री का ऑप्शन चुन सकती हैं। दरअसल, आज कल डेस्टिनेशन का ट्रेंड चल पड़ा है। ऐसे में साथ में गिफ्ट ले जाना काफी ओल्ड फैशन हो सकता है। आप चाहें तो कैश रजिस्ट्री का ऑप्शन चुन सकती हैं। कैश रजिस्ट्री कराने से न्यूली मैरिड कपल अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार चीजें खरीद सकती हैं। वहीं कपल भी चाहें तो इस कैश को आने वाले समय के लिए सेव भी कर सकते हैं।

खरीदारी से पहले बजट सेट करें

वेडिंग गिफ्ट की खरीदारी से पहले बजट तय कर लें। दरअसल, कई बार मार्केट में खरीदने कुछ जाते हैं और खरीदकर कुछ लाते हैं। मार्केट में चीजें की तरह–तरह होती हैं, जिसे लेकर कंफ्यूजन काफी होता है। अगर आप बजट सेट करने से आप कंफ्यूज नहीं होंगे और उतनी ही कीमत में आप गिफ्ट खरीदकर लाएंगे। इस तरह आप फिजूलखर्ची से भी बच सकती हैं।

ऑफलाइन और ऑनलाइन चेक करें

कई बार हम वेडिंग गिफ्ट की खरीदारी आखिरी समय में करते हैं, ऐसे में आप चाहे तो ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों का ऑप्शन चुन सकती हैं। दरअसल, घर की शादी में काफी तैयारी करनी पड़ती है।

ऑफलाइन खरीदारी में काफी समय चला जाता है, ऐसे में आप समय को बचाना चाहती हैं तो ऑनलाइन खरीद सकती हैं। वहीं अगर आप ने तय कर लिया कि आपको दूल्हा और दुल्हन को गिफ्ट में क्या देने वाली हैं तो उसे ऑनलाइन पहले चेक कर लें। इसके बाद समय है तो ऑफलाइन खरीदारी कर सकती हैं।

क्वालिटी जरूर करें चेक

अक्सर ऐसा देखा होगा कि लोग शादी के गिफ्ट के तौर पर एक नहीं कई चीजें देते हैं। हालांकि, जब बाद में उसे चेक करें तो कई चीजें खराब या फिर इस्तेमाल के योग्य नहीं होती। इससे छवि खराब होती है, इसलिए एक साथ कई सारी चीजें तोहफे में देने के बजाय एक ही चीज सेलेक्ट और उसे गिफ्ट करें। कोशिश करें कि खरीदारी करते वक्त वेडिंग गिफ्ट को अच्छी तरह चेक कर लें। उसकी क्वालिटी अच्छी होनी चाहिए।

घर पर बनाएं मूंग दाल डोसा

साउथ इंडियन खाने का अपना अलग ही मजा है। स्वादिष्ट होने के साथ-साथ दक्षिण भारतीय व्यंजन हेल्दी भी हो सकते हैं, क्योंकि उनमें तेल की मात्रा कम से कम होती है। इडली, डोसा, सांभर, रसम, वड़ा, अप्पम, लेमन राइस जैसे अन्य कई व्यंजनों को देखकर आपके मुंह भी पानी आता होगा? दूसरी सबसे अच्छी बात यह है कि आप इनका आनंद सुबह नाश्ते, ब्रंच, लंच, स्नैक्स और डिनर में भी ले सकते हैं।

आज हर शहर में आप साउथ इंडियन फूड का आनंद ले सकते हैं। इतना ही नहीं, घर पर भी इन्हें बनाया जा सकता है। अब बात करें डोसा की, तो आज हम आपके लिए डोसा की रेसिपी लेकर आए हैं, लेकिन यह आम डोसा नहीं, बल्कि मूंग दाल से बनने वाला डोसा है। इसे आप केवल दो मिनट में बना भी सकते हैं।

बनाने का तरीका

- मूंग दाल का डोसा बनाने के लिए पहले जरूरी सामग्री को इकट्ठा कर लें। मूंग दाल को कुछ देर पहले भीगोकर रखें। उसके बाद एक मिक्सी में भीगी हुई मूंग दाल, थोड़ा–सा पानी, अदरक और हरी मिर्च डालकर ग्राइंड कर लें।
- जब बैटर तैयार हो जाए तो उसे एक भगोने में निकाल कर रख लें। अब तैयार बैटर में स्वादानुसार नमक और दो चम्मच चावल का आटा डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें।
- अब एक तवा गर्म करें और उस पर यह बैटर फैला लें। थोड़ी देर सेकने के बाद बैटर के ऊपर हल्का–सा तेल डालें और फिर आलू का मसाला डालने की बजाय उसमें बारीक कटा प्याज, टमाटर और धनिया डालें।
- इसे कुछ सेकंड सेकने के बाद डोसा फोल्ड करें और एक प्लेट पर निकाल लें। स्वादिष्ट टमाटर और नारियल की चटनी के साथ मूंग दाल के इस डोसे को सर्व करें।
- घर पर मूंग दाल का डोसा बनाना बेहद आसान है। इसे बनाने में आपको केवल दो मिनट लगेंगे। आइए जानें इसकी आसान रेसिपी

सामग्री

1 कप मूंग दाल
1 इंच अदरक
2 चम्मच चावल का आटा,
1 हरी मिर्च
आधा कप पानी,
स्वादानुसार नमक
1 बारीक कटा प्याज
1 बारीक कटा टमाटर
1 बड़ा चम्मच बारीक कटा हुआ धनिया

विधि

- भीगी हुई मूंग दाल को एक मिक्सी में डालें और उसमें अदरक और हरी मिर्च डालकर ग्राइंड करें।
- बैटर को एक भगोने में निकालें और उसमें चावल का आटा और नमक डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें।
- अब एक तवा गर्म करें और उसमें तैयार बैटर फैलाएं। ऊपर से हल्का–सा तेल डालें और कुछ देर सेक लें।
- अब इसमें बारीक कटा हुआ प्याज, टमाटर और धनिया डालें। डोसा को फोल्ड कर एक प्लेट में निकालें और चटनी के साथ सर्व करें।

शादियों का सीजन चल रहा है और जिनकी शादी होने वाली है, उन्होंने अभी से इसकी तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। शादी की तैयारियां केवल शॉपिंग पर खत्म नहीं होती हैं, बल्कि जल्द न्यूली वेड कपल बनने की तैयारी कर रहे जोड़े अपने रूम को सजाने और संवारने के बारे में भी बातें करते हैं।

ऐसा होना चाहिए न्यूली वेड कपल का बेडरूम

दुल्हन का आगमन हजारों खुशियां लेकर आता है। हिंदू धर्म में तो दुल्हन को देवी लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है। ऐसे में देवी लक्ष्मी का गृह प्रवेश परिवार में सुख और समृद्धि लेकर आए, इसके लिए घर में जुड़ने वाली नई सदस्या का खुश रहना बहुत जरूरी है। किसी को भी सबसे ज्यादा सुकून उसके अपने कमरे में मिलता है, इसलिए न्यूली वेड कपल का कमरा सेट करते वक्त कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। खासतौर पर वास्तु के हिसाब से न्यूली वेड कपल का कमरा कैसा होना चाहिए, इस परएस्ट्रोलॉजर एवं वास्तु एक्सपर्ट कहती हैं, 'न्यूली वेड कपल के कमरे की दिशा, रंग और उसमें रखे सामान का वास्तु के हिसाब से होना बहुत जरूरी है। इससे उनका रिश्ता बेहतर बनता है और परिवार के लिए भी सब कुछ शुभ होता है।'

बेडरूम की दिशा

वास्तु एक साइंस है और 'वे ऑफ आर्किटेक्चर' है। इसमें दिशाओं का विशेष महत्व होता है।' इसलिए वास्तु के हिसाब से न्यूली वेड कपल का कमरा साउथ–ईस्ट दिशा में होना चाहिए और घर की सबसे ऊपर वाली मंजिल में होना चाहिए। हालांकि, कई बार वास्तु के हिसाब से न्यूली वेड कपल का कमरा सही दिशा में नहीं होता है। ऐसे में वास्तु दोष को दूर करने के लिए कमरे में बेड की सेटिंग इस तरह होनी चाहिए कि दुल्हन का सिर साउथ में और पैर नॉर्थ में हो। इस दौरान ध्यान रखें कि पैर एकदम दरवाजे के सामने नहीं होने चाहिए। अगर इस दिशा में सोने की व्यवस्था नहीं हो पा रही हैं तो ईस्ट की ओर सिर किया जा सकता है। लेकिन जब भी आपको कंसीव करना हो तो अपने सोने की जगह को बदल लें।

बेड कैसा होना चाहिए

सोशल डेकोरेशन को भूल कर आपको लकड़ी का ही बेड अपने लिए चुनना चाहिए। 'मेटल में कोल्ड एनर्जी होती होती है और वुड में वॉर्म एनर्जी होती है। न्यूली वेड कपल्स को वॉर्म एनर्जी की जरूरत होती है।' इसके साथ ही, इस बात का ध्यान रखें कि बेड में अगर बॉक्स भी है तो उसमें कोई भी कबाड़ न रखें और न ही कोई धारदार चीज रखें। यहां तक की बेड पर पड़ा गद्दा भी सिंगल होना चाहिए।

कैसा होना चाहिए कमरे में शीशा

शीशा आपका प्रतिबिंब बनाता है। किसी भी चीज को डबल करना और एनर्जी को फैलाना शीशे की प्रॉपर्टी होती है। इसलिए शीशे का सही दिशा में होना जरूरी है। सोते वक्त शीशे में आप नजर न आएं इसके लिए हमेशा शीशा बेड के बगल में होना चाहिए।

कमरे का डेकोरेशन कैसा होना चाहिए

कमरे के डेकोरेशन में सबसे ज्यादा लोग फोटो फ्रेम्स का इस्तेमाल करते हैं। न्यूली वेड कपल्स को भी अपने कमरे में हमेशा ऐसी तस्वीरें लगानी चाहिए, जो उन्हें खुशी दें। भगवान की तस्वीर कभी न लगाएं, सोलो व्यक्ति की तस्वीर न लगाएं और जंगली जानवरों की तस्वीरें भी न लगाएं। कपल अपनी भी तस्वीर लगा सकते हैं।

कमरे का रंग कैसा होना चाहिए

अपना फेवरेट कलर ही कमरे की दीवारों पर कराएं। हो सके तो कमरे में कहीं न कहीं लाल रंग का इस्तेमाल जरूर करें। क्योंकि यह रंग एनर्जी को बढ़ाता है और कपल के बीच के प्रेम संबंधों को मधुर बनाता है। ज्यादा लाल रंग न इस्तेमाल करें क्योंकि इससे कंसीव करने में दिक्कत आती है और लड़ाई झगड़े भी होते हैं।

सिर्फ सेहत ही नहीं, घर चमकाने के काम भी आता है जैतून का तेल

जैतून तेल का इस्तेमाल सेहत और ब्यूटी से जुड़ी परेशानियों को दूर करने के लिए किया जाता है। मगर क्या आप जानते हैं कि यह घर की सफाई में भी मददगार है। जी हां, जैतून के तेल से आप घर की साफ–सफाई भी कर सकते हैं। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि किस तरह जैतून के तेल का इस्तेमाल आपके घर की छोटी–छोटी प्रॉब्लम को दूर करता है।

लकड़ी के फर्श को करें साफ

1 चम्मच ऑलिव ऑयल और 1/2 चम्मच व्हाइट विनेगर को मिक्स करके उसे अपनी घर की फर्श को साफ करें। यह आपके फर्श को नए जैसा चमका देगा और इससे फर्श के दाग–धब्बे भी आसानी से साफ हो जाएंगे।

पुराने फर्नीचर को रखें नए जैसा

लकड़ी के फर्नीचर की अलग सही तरीके से देखभाल न की जाए तो वह खराब होने लगते हैं। ऐसे में आप कपड़े पर हल्का–सा जैतून का तेल लगाकर लकड़ी के फर्नीचर को साफ करें। उसके बाद सूखे कपड़े के फर्नीचर साफ करें। इससे आपका पुरानी वुडन फर्नीचर भी नया लगेगा।

बर्तनों को चमकाएं

रसोई में खाना बनाते हुए कई बार बर्तन जल जाते हैं। ऐसे में सबसे पहले उसपर व्हाइट विनेगर और बेकिंग सोडा डालकर बर्तन को साफ करें। फिर उसपर जैतून का तेल और नमक डालकर स्क्रब की मदद से साफ करें। इससे आपका बर्तन बिल्कुल साफ हो जाएगा।

जूट फर्नीचर की सफाई

जूट के फर्नीचर में गंदगी आसानी से नहीं निकलती और उसकी शाइन खोने लगती है। वैक्यून क्लीनर से सफाई करने के बावजूद भी वह अच्छी तरह साफ नहीं होते। ऐसे में आप कपड़े पर जैतून का तेल लगाकर फर्नीचर की सफाई करें। इससे उसकी धूल–मिट्टी भी आसानी से निकल जाएगा और नया भी लगने लगेगा।

सार समाचार

बुमराह की अनूठी चुनौती का सामना करने के लिये तैयार मैकस्वीनी

एडीलेड, एजेंसी। भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के जरिये टेस्ट पदार्पण करने जा रहे ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी ने कहा कि वह स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से मिलने वाली अनूठी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हैं।

मैकस्वीनी को शेफील्ड शील्ड टूर्नामेंट और हाल ही में भारत के खिलाफ 'ए श्रृंखला में अच्छे प्रदर्शन के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह मिली। साउथ आस्ट्रेलिया के 25 वर्ष के मैकस्वीनी 22 नवंबर से शुरू हो रहे पर्थ टेस्ट में उस्मान ख्वाजा के साथ पारी का आगाज करेंगे। मैकस्वीनी ने कहा, 'बुमराह का एक्शन अनूठा है। वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक है। उसके एक्शन की कॉपी कर पाना मुश्किल है।

मुझे उसका सामना करने का इंतजार है। भारत ए पर 2-0 से जीत में ऑस्ट्रेलिया ए की कप्तानी करने वाले मैकस्वीनी ने कहा कि वह बुमराह और मोहम्मद सिराज की गेंदबाजी के वीडियो देखकर मानसिक तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैने उनकी गेंदबाजी के क्लिप देखे हैं और मैं मानसिक रूप से उसका सामना करने के लिए खुद को तैयार कर रहा हूं। एक नए गेंदबाज का सामना करना थोड़ा चुनौतीपूर्ण होता है और सिर्फ एक्शन देखकर उसकी तैयारी नहीं की जा सकती। मैकस्वीनी ने कहा, 'पिछले एक महीने से मैं अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं और मेरी तैयारी पक्की है। उम्मीद है कि मैं इस लय को कायम रख सकूंगा। अभी मुझे बहुत कुछ सीखना है और टेस्ट क्रिकेट की चुनौतियों के बारे में सीखने के लिए मैं उत्सुक हूं।

चैंपियंस ट्रॉफी खेल पाया तो यह बहुत बढ़िया होगा : मोहम्मद नबी

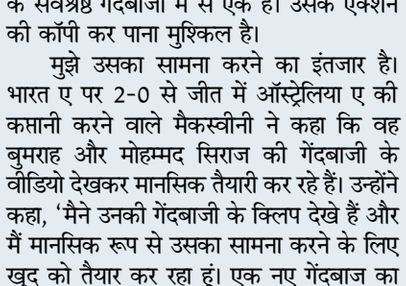

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में जीत के बाद अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद नबी ने कहा कि वह आगामी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में खेलना चाहते हैं, जो अगले साल पाकिस्तान में होने वाली है। 39 वर्षीय नबी ने सोमवार को शारजाह में बांग्लादेश पर 2-1 से सीरीज की जीत सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई क्योंकि उन्होंने सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज के आठवें वनडे शतक की बदौलत पांच विकेट से जीत दर्ज की।

इस साल की शुरुआत में आयरलैंड और दक्षिण अफ्रीका पर सफलता के बाद यह अफगानिस्तान की लगातार तीसरी सीरीज जीत थी और हाल ही में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप और आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद यह टीम दुनिया की सबसे रोमांचक व्हाइट-बॉल टीमों में से एक बन गई है। नबी को पता है कि वह अपने शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर के अंतिम चरण में प्रवेश कर रहे हैं, लेकिन प्रतिभाशाली ऑलराउंडर अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी को आईसीसी ट्रॉफी जीतने के अपने अंतिम अवसर के रूप में देख रहे हैं।

आईसीसी द्वारा नबी के हवाले से कहा गया, पिछले (50 ओवर) विश्व कप से मेरे दिमाग में संन्यास लेने का विचार आया था, लेकिन अगर मैं एक चैंपियंस ट्रॉफी खेल पाया तो यह मेरे लिए बहुत अच्छा होगा। युवाओं के लिए मेरी तरफ से छोटा-मोटा योगदान और उनके प्रति मेरी समझ अधिक उपयोगी होगी।

एशियाई महिला चैंपियन ट्रॉफी:

जीत के साथ भारत का आगाज मलेशिया को 4-0 से हराया

राजगीर/पटना, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने सोमवार को बिहार के ऐतिहासिक शहर राजगीर में मलेशिया के खिलाफ 4-0 की जीत के साथ महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में अपने सफर का आगाज किया।

संगीता कुमारी (8, 55), प्रीति दुबे (43) और उदिता (44) ने गोल किए। वहीं, भारत ने कई मौके बनाए और मजबूत डिफेंसिव प्रदर्शन करते हुए तीन अंक हासिल किए। भारत ने खेल की शुरुआत धीमी की और मलेशिया के नूर मोहम्मद को गोल करने का पहला मौका मिला, लेकिन भारतीय गोलकीपर सविता ने शानदार बचाव किया। इसके बाद मलेशिया को जल्द ही पेनाल्टी कॉर्नर भी मिला।

लेकिन, वह इसका लाभ उठाने में भी सफल नहीं हुए। मलेशिया के खिलाफ खेले गए टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में टीम इंडिया के लिए कुमारी संगीता ने 8वें मिनट पर पहला गोल दागकर मैच में धमाकेदार शुरुआत की। इसके बाद हाफटाइम तक टीम एक भी गोल नहीं कर सकी। हाफटाइम खत्म

होने के बाद भारतीय खिलाड़ी प्रीति दुबे ने 43वें मिनट पर दूसरा गोल दाग टीम को 2-0 की बढ़त दिलाई। इसके ठीक एक मिनट बाद उदिता ने टीम के लिए तीसरा गोल किया। मलेशियाई टीम ने काफी कोशिश की, लेकिन भारतीय डिफेंस को भेद पाने में सफल नहीं हुए।

वहीं, टीम इंडिया की ओर से संगीता कुमारी ने चौथा और आखिरी गोल 55वें मिनट पर किया। इसी के साथ भारत ने मुकाबले में 4-0 की बढ़त हासिल कर ली थी। मुकाबले में भारतीय डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन किया, उन्होंने मैच में मलेशियाई टीम को एक भी गोल नहीं करने दिया।

मलेशिया के खिलाफ जीत के बाद कोच हरेंद्र सिंह ने टीम की तारीफ करते हुए कहा, मैं अपनी टीम को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने चार गोल से मैच जीता और क्लीन शीट रखी। लीग मैचों में बिना गोल खाए जीतना महत्वपूर्ण होता है, इससे टीम का आत्मविश्वास बढ़ता है। हमें हर मैच पर ध्यान केंद्रित करना है ताकि कोई गलती न हो। चाइना एक मजबूत टीम है, लेकिन हम तैयार हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने मलेशिया के खिलाफ मैच के बाद अपनी टीम के प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि हमने शुरुआत में उतना अच्छा नहीं खेला, खासकर पहले और दूसरे क्वार्टर में। लेकिन, तीसरे और चौथे क्वार्टर में हमने बेहतरीन खेल दिखाया। हमारी टीम ने अटैकिंग हॉकी खेली और इसे हम अगले मैचों में भी बनाए रखेंगे।

मैच के बाद मलेशिया की टीम की कप्तान दीन जूलियानी ने कहा कि हमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा कि भारत एक बहुत मजबूत टीम है, उनके पास अनुभवी खिलाड़ी हैं और वे ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। हम गर्व महसूस कर रहे हैं कि हमने उनके खिलाफ अच्छा खेल दिखाया।

इस 17 वर्षीय अनकैप्ड खिलाड़ी पर सीएसके की नजर, गायकवाड़ के साथ करेगा ओपनिंग

धोनी भी हुए प्रभावित

नईदिल्ली, एजेंसी। पांच बार की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्सआईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में 17 वर्षीय बल्लेबाज को शामिल कर सकती है। सीएसके ने कथित तौर पर नीलामी से पहले मुंबई के 17 वर्षीय सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को चयन ट्रायल के लिए आमंत्रित किया है।

रिपोर्ट्स बताती हैं कि भारत और छत्र्य के दिग्गज कप्तान महेंद्र सिंह धोनी म्हात्रे से प्रभावित हैं। रणजी ट्रॉफी का पांचवां दौर 16 नवंबर को समाप्त हो रहा है, इसलिए सीएसके को म्हात्रे के ट्रायल के लिए आने पर उनका मूल्यांकन करने के लिए आठ दिन का समय दिया गया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार म्हात्रे ने न केवल टैलेंट स्काउट्स का ध्यान आकर्षित किया, बल्कि एमएस धोनी का भी ध्यान आकर्षित किया। परिणामस्वरूप म्हात्रे को रणजी ट्रॉफी 2024 सीजन के पांचवें दौर (16 नवंबर को) के अंत के बाद और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी की शुरुआत से पहले CSK द्वारा ट्रायल के लिए आमंत्रित किया गया है। दोनों के बीच छह दिन का अंतर है।

इससे 24 और 25 नवंबर को होने वाली मेगा नीलामी से पहले म्हात्रे का मूल्यांकन करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा। म्हात्रे ने शेष भारत के खिलाफ ईरानी कप खेल में मुंबई के लिए अपना प्रथम श्रेणी पदार्पण किया। पृथ्वी शॉ के साथ बल्लेबाजी की शुरुआत करते हुए म्हात्रे ने दो पारियों में क्रमशः 19 और 14 रन बनाए। मुंबई के लिए म्हात्रे के अब तक के आंकड़े अच्छे हैं लेकिन बहुत खास नहीं हैं। उन्होंने पांच मैचों में 35.66 की औसत से 321 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। उनका शतक (176 रन) महाराष्ट्र के खिलाफ था।

मोहम्मद शमी की टीम में वापसी

नईदिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल के बाद से भारतीय फैंस मोहम्मद शमी की तेज गेंदबाजी का जादू नहीं देख पाए हैं. लेकिन अब बस ये इंतजार खत्म होने वाला है क्योंकि शमी मैदान पर वापसी करने वाले हैं. मोहम्मद शमी को बंगाल की रणजी टीम में जगह मिली है और वो मध्य प्रदेश के खिलाफ अगला मुकाबला खेलेंगे. बंगाल और मध्य प्रदेश का रणजी ट्रॉफी मुकाबला 13 नवंबर को होल्कर स्टेडियम में होगा, जहां शमी की रफ्तार और सीम-स्विंग का जलवा देखने को मिलेगा. वो रिकवरी के दौरान भी चोटिल हुए लेकिन अब ये खिलाड़ी पूरी तरह फिट है.

शमी खेलेंगे बॉर्डर-गावस्कर सीरीज?

शमी चोट की वजह से बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के लिए टीम इंडिया में जगह नहीं बना पाए क्योंकि वो सेलेक्शन से पहले फिर अनफिट हो गए थे. लेकिन ऑस्ट्रेलिया दौरा बहुत लंबा है और मुमकिन है कि शमी को टीम इंडिया बुलाए. अगर शमी रणजी ट्रॉफी में कमाल प्रदर्शन कर देते हैं तो कौन जानता है कि शमी को ऑस्ट्रेलिया से बुलावा आ जाए. शमी का बाहर होना टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका है और इस खिलाड़ी की टीम को बहुत दरकार भी है.

एटीपी फाइनल्स एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने रुबलेव पर शानदार जीत के साथ की अभियान की शुरुआत

ट्यूरिन, एजेंसी। एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने शानदार जीत के साथ तीसरी एटीपी फाइनल ट्रॉफी के लिए अपनी खोज शुरू की। दूसरे वरीय ज्वेरेव ने एंड्री रुबलेव को 6-4, 6-4 से हराकर सीजन के फाइनल में अपना खाता खोला। 2018 और 2021 में खिताब जीतने वाले एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने रुबलेव की तेज शुरुआत का मजबूती के साथ सामना किया और केवल 72 मिनट में 2024 की अपनी टूर-लीडिंग 67वीं जीत हासिल की। एटीपी हेड-टू-हेड श्रृंखला में 7-3 से बेहतर प्रदर्शन करने के बाद, जर्मन खिलाड़ी कैस्पर रूड के खिलाफ अपनी हैट्रिक की दौड़ जारी रखेगा, जिसने इससे पहले जॉन न्यूकॉम्ब ग्रुप में तीसरे वरीय कार्लोस अल्कराज को हराया था। एटीपी ने ज्वेरेव के हवाले से कहा, मुझे लगा कि यह मेरी तरफ से बहुत ही ठोस मैच था। यहां किसी के भी खिलाफ, आपको मौका पाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। मैंने ऐसा ही किया, मुझे लगा कि मैंने अपने मौकों का काफी अच्छे से इस्तेमाल किया और मैं इस जीत से निश्चित रूप से खुश हूं। एटीपी स्टैट्स के अनुसार, रुबलेव ने अपनी सर्विस पर पहले 13 अंक हासिल करते हुए शानदार प्रदर्शन किया।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया पर चढ़ा भारत का बुखार, हिंदी- पंजाबी में भी टेस्ट सीरीज की कवरेज

नईदिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच की टेस्ट सीरीज को कहते हैं राख की लड़ाई. लेकिन, जो भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होती चली आ रही है, वो अब बन गई है 'युगों की लड़ाई'. 22 नवंबर से शुरू होने जा रही 5 टेस्ट की सीरीज को ये नाम ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने दिया है. अब तक ये तो कहा जाता था कि भारत-ऑस्ट्रेलिया की टक्कर का क्रेज किसी भी मामले में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की भिड़ंत से कम नहीं. लेकिन, उसका नामकरण शायद पहली बार हुआ है. युगों की इस लड़ाई को सेलिब्रेट करने के लिए ऑस्ट्रेलिया के अखबार भारतीय रंग में भी रंग चुके हैं.

हिंदी और पंजाबी में भी ऑस्ट्रेलियाई मीडिया की कवरेज

न्यूज कोर्प ऑस्ट्रेलिया ने 5 टेस्ट की सीरीज को सेलिब्रेट करने के इरादे से खास तौर पर एक 8 पन्नों का एडिशन निकालने का फैसला किया. 12 नवंबर को ये एडिशन अंग्रेजी के अलावा हिंदी और पंजाबी भी निकाली गई. 8 पन्नों के एडिशन में भारतीय क्रिकेट के बड़े नामों के अलावा उभरते सितारों के बारे में लिखा गया.

इसके जरिए ऑस्ट्रेलियाई मीडिया का मकसद वहां मौजूद भारतीय फैंस का ध्यान आकर्षित करना है. सिडनी में ऐसी कवरेज द डेली टेलीग्राफ ने की है. मेलबर्न में हेराल्ड सन ने. ब्रिसबेन में द कुरियर मेल ने इसे छापा है तो एडिलेड में द एडवर्टाइजर ने. इसके बाद 17 नवंबर को 16 पन्नों का एक लॉन्च गाइड भी

जारी होगा, जिसके कंटेंट भी हिंदी और पंजाबी में होंगे. उसमें खिलाड़ियों के बारे में और विस्तार से किस्से और कहानियां लिखी होंगी.

भारत डिफेंडिंग चैंपियन, क्या ऑस्ट्रेलिया करेगा पलटवार?

टीम इंडिया फिलहाल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की डिफेंडिंग चैंपियन है. ऑस्ट्रेलिया की कोशिश इस बार लगातार चले आ रहे भारत के वर्चस्व को खत्म करने की होगी. ऑस्ट्रेलिया ने 2015 के बाद से ही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीती है.

इसके अलावा कई और दिलचस्प सवालों के जवाब भी इस सीरीज में मिलते दिखेंगे. जैसे क्या कोहली इस दौरे को यादगार बना सकेंगे? कमिंस और बुमराह में बेहतर कौन? अश्विन और लायन में कौन किस पर पड़ेगा बीस?

भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज- युगों की लड़ाई

ऑस्ट्रेलियाई अखबारों में विराट कोहली की फोटो को फ्रंट पेज पर छापते हुए भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज को युगों की लड़ाई बताया है. अखबार की इस कवरेज से साफ पता चल रहा है कि भारत-ऑस्ट्रेलिया की भिड़ंत का रोमांच अब किसी मामले में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट सीरीज से कम नहीं रही.

भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने किया शानदार प्रदर्शन

● चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स खिताब जीता

चेन्नई, एजेंसी। अरविंद ने परहम एम के खिलाफ अगला मुकाबला जीता, जबकि ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी और लेवोन आरोनियन ने ड्रॉ खेला। आरोनियन ने ग्रैंडमास्टर अमीन टाबाटाबाइ से ड्रॉ खेला, जबकि अर्जुन ने ग्रैंडमास्टर मैक्सिक वाचियेर लाग्रेव से ड्रॉ पर सहमति जताई।

भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम ने बहतरीन प्रदर्शन जारी रखते हुए आखिरी दो क्लासिकल दौर में शानदार करके चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स शतरंज खिताब अपने नाम कर लिया। दूसरी ओर, ग्रैंडमास्टर वी प्रणव पूरे टूर्नामेंट में अपराजेय रहकर चैलेंजर्स खिताब के हकदार बने।

मास्टर्स वर्ग में शीर्ष स्थान के लिए त्रिकोणीय मुकाबला था जिसमें अरविंद ने ग्रैंडमास्टर लेवोन आरोनियन को पहले ब्लिट्ज प्लेऑफ में हराया। इसके बाद काले मोहरों से खेलते हुए दूसरा मुकाबला ड्रॉ खेला। अरविंद ने परहम एम के खिलाफ अगला मुकाबला जीता, जबकि ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी और लेवोन आरोनियन ने ड्रॉ खेला। आरोनियन ने ग्रैंडमास्टर अमीन टाबाटाबाइ से ड्रॉ खेला, जबकि अर्जुन ने ग्रैंडमास्टर मैक्सिक वाचियेर लाग्रेव से ड्रॉ पर सहमति जताई।

अरविंद टाइब्रेक में बेहतर स्कोर के आधार पर शीर्ष पर हैं, जबकि आरोनियन और अर्जुन ने दो गेम का ब्लिट्ज प्लेऑफ खेला और दोनों विजयी रहे जिससे सडन डैथ तक मुकाबला पहुंचा। आरोनियन ने अर्जुन को ड्रॉ पर रोककर फाइनल में अरविंद के खिलाफ जगह बनाई। अरविंद ने पहला मुकाबला जीता और दूसरा ड्रॉ खेलकर खिताब अपने नाम किया। चैलेंजर वर्ग में प्रणव को ग्रैंडमास्टर ल्यूक मेंडोंका के खिलाफ सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी। उन्होंने ड्रॉ के साथ चैलेंजर खिताब जीता।

रहमानुल्लाह गुरबाज ने ठोकी 9वीं इंटरनेशनल सेंचुरी, महमूदुल्लाह की पारी पर पानी फिरा

अफगानिस्तान ने जीती लगातार तीसरी वनडे सीरीज

नईदिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान ने बांग्लादेश के खिलाफ 3 वनडे की सीरीज 2-1 से अपने नाम की। उसने शारजाह के शारजाह क्रिकेट स्टेडियम पर 11 नवंबर 2024 को खेले गए सीरीज के आखिरी एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया। अफगानिस्तान की यह लगातार तीसरी वनडे सीरीज है, जिसमें उसने जीत हासिल की है।

इससे पहले उसने सितंबर 2024 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 3 वनडे की सीरीज 2-1 और मार्च 2024 में आयरलैंड के खिलाफ 2 वनडे की सीरीज 2-0 से अपने नाम की थी। अफगानिस्तान की उड़ान शानदार रही। शारजाह के मैदान पर 244 रन का पीछा करना आसान नहीं था, क्योंकि पहले दो मैच ऐसे ही रहे, लेकिन 11 नवंबर की रात पिच बेहतर थी और उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी भी की। रहमानुल्लाह गुरबाज ने पिछले दोनों एकदिवसीय मुकाबलों की विफलताओं को भुलाते हुए शानदार 100 रन बनाए। यह उनका 8वां वनडे शतक और ओवरऑल 9वीं इंटरनेशनल सेंचुरी (एक टी20 इंटरनेशनल में शतक) है।

रहमानुल्लाह गुरबाज पहली गेंद से ही लय में दिखे। उन्हें अजमतुल्लाह के रूप में एक अच्छा साथी भी मिला। दोनों की चौथे विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी ने अफगानिस्तान को जीत की ओर अग्रसर किया और मोहम्मद नबी ने आकर टीम को जीत दिलाई। जब गुबदीन नायब आउट हुए, तो चीजें मुश्किल लग रही थीं, लेकिन मोहम्मद नबी के अनुभव ने अजमतुल्लाह को तसल्ली दी। दोनों दोनों ने मिलकर अपनी टीम को शानदार जीत दिलाई।

नाहिद राणा का डेब्यू मैच में शानदार प्रदर्शन: तीसरे वनडे में बांग्लादेश की कमान मेहदी हसन मिराज के हाथों में थी। मैच के दौरान मेहदी की अनुभवहीनता झलकी। बांग्लादेश के स्पिनर्स ने खराब गेंदबाजी की और विपक्षी टीम के बल्लेबाजों पर लगातार दबाव नहीं बना पाए और न ही विकेट ले पाए।

चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो सकता है पाकिस्तान, भारत के इस फैसले के बाद बड़ा कदम उठाने की तैयारी में पीसीबी

नईदिल्ली, एजेंसी। एक रिपोर्ट के अनुसार अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने से भारत के इनकार से पाकिस्तान सरकार की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया आ सकती है, जो अपने क्रिकेट बोर्ड से टूर्नामेंट से हटने के लिए कह सकती है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को पत्र लिखकर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के इस निर्णय के बारे में सूचित किया है कि भारतीय टीम 19 फरवरी से 9 मार्च 2025 तक खेले जाने वाले टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान की यात्रा

नहीं करेगी। चैंपियंस ट्रॉफी 2017 के बाद आईसीसी कैलेंडर में वापसी कर रही है, को हाइब्रिड मॉडल में बदला जा सकता है जिसमें भारत अपने सभी मैच किसी दूसरे स्थान पर खेलेगा, संभवतः संयुक्त अरब अमीरात में जबकि टूर्नामेंट का बाकी हिस्सा पाकिस्तान द्वारा आयोजित किया जाएगा।

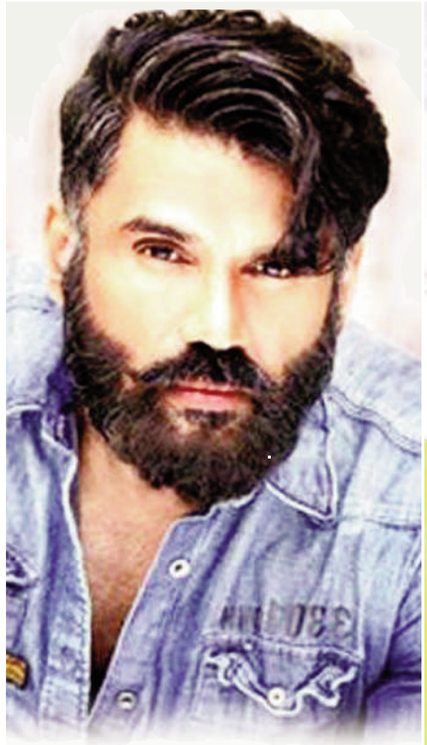

हंटर की शूटिंग के दौरान घायल हुए सुनील शेट्टी

अभिनेता सुनील शेट्टी अपनी आगामी सीरीज हंटर के सेट पर घायल हो गए। वह अपने शूट के दौरान स्टंट कर रहे थे। इस दौरान उनकी पसलियों में चोट लग गई। हालांकि, खुद सुनील शेट्टी ने अपनी हालत की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि गंभीर चोट नहीं लगी है, मैं बिल्कुल ठीक हूं।

स्टंट करते समय घायल हो गए अभिनेता

खबर आई कि हंटर के लिए स्टंट खुद करने के लिए मशहूर शेट्टी चार से पांच स्टंट कलाकारों के साथ एक हाई-इंटेंसिटी फाइट सीन कर रहे थे, तभी एक दुर्घटना हुई। इस सीन में लकड़ी के लॉग को सहारा के तौर पर इस्तेमाल किया गया था, लेकिन गलत समय पर हरकत के कारण लॉग गलती से अभिनेता की पसलियों में जा लगा। इसी घटना में सुनील शेट्टी

अभिनेता को आई है गंभीर चोट

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी को इस दौरान गंभीर चोट आई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, एक सूत्र ने बताया, सुनील गंभीर रूप से घायल हैं। चोट का आकलन करने के लिए डॉक्टर और एक्स-रे मशीन को सेट पर बुलाया गया है। शेट्टी को अभी बहुत दर्द हो रहा है। मुंबई में जो शूटिंग हो रही थी, उसे अब रोक दिया गया है।

सुनील शेट्टी ने दी अपनी हालत की जानकारी

सुनील शेट्टी ने लिखा, मामूली चोट, कोई गंभीर बात नहीं! मैं बिल्कुल ठीक हूं और अगले शॉट के लिए तैयार हूं। सभी के प्यार और देखभाल के लिए आभारी हूं। वेब सीरीज के सेट पर मामूली चोट लगी है, उन्होंने उन खबरों को खारिज कर दिया कि उन्हें गंभीर चोट लगी है।

वेलकम टू द जंगल में नजर आएंगे अभिनेता

सुनील शेट्टी अगली बार वेलकम टू द जंगल में नजर आएंगे, जिसमें अक्षय कुमार, दिशा पटानी, परेश रावल, जैकलीन फर्नांडीज, लारा दत्ता, रवीना टंडन, अरशद वारसी और श्रेयस तलपड़े भी नजर आएंगे। हाल ही में आफताब शिवदासानी भी फिल्म की कास्ट में शामिल हुए। अहमद खान द्वारा निर्देशित यह फिल्म सिनेमाघरों में क्रिसमस से पहले 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बाहुबली से पहले भी अनुष्का ने दीं हिट फिल्में

हिंदी पट्टी में अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी को अधिकतर लोग बाहुबली (2015) फिल्म के माध्यम से पहचानते हैं। जबकि वह तमिल, तेलुगू और मलयालम भाषा की फिल्मों में लंबे समय से अभिनय कर रही हैं। उन्होंने दक्षिण भारत के लगभग सभी बड़े अभिनेताओं के साथ फिल्मों में काम किया है। इसके अलावा कुछ महिला प्रधान फिल्मों का भी वह हिस्सा रहीं, उन्होंने अपने दम पर इन फिल्मों को हिट करवाया। बाहुबली से पहले की उनकी कुछ खास फिल्मों पर एक नजर।

सुपर

अपने करियर की शुरुआत अनुष्का शेट्टी ने तेलुगू फिल्म सुपर (2005) से की। अपनी पहली ही फिल्म में उन्हें नागार्जुन जैसे बड़े स्टार के साथ काम करने का मौका मिला। इस फिल्म में हीरोइन के लीड रोल में आयशा टाकिया रहीं, लेकिन अनुष्का का रोल भी बड़ा और अहम रहा। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक कमाई की, लेकिन फिल्म के कारण अनुष्का शेट्टी के लिए साउथ फिल्म इंडस्ट्री में आगे के दरवाजे खुल गए। अगले साल उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड साउथ में बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस के लिए चुना भी गया।

शौर्यम

साल 2008 में रिलीज हुई तेलुगू फिल्म शौर्यम में अनुष्का शेट्टी ने हिट स्टार गोपीचंद के साथ रोमांस किया। इस फिल्म में भी उनका काम काफी पसंद किया गया। इस फिल्म को उस साल की मास एंटरटेनर कहा गया। फिल्म की सफलता में अनुष्का शेट्टी का भी पूरा योगदान रहा।

अरुंधति

करियर की शुरुआत से लेकर साल 2008 तक अनुष्का शेट्टी ने साउथ के बड़े हीरो के साथ काम किया, इसलिए जो फिल्में हिट हुईं, उसमें हीरो फैक्टर ने अधिक काम किया। लेकिन साल 2009 में तेलुगू फिल्म अंरुधति के जरिए अनुष्का ने साबित कर दिया कि वह अपने दम पर भी फिल्म हिट करा सकती है। यह हॉरर फैंटेसी फिल्म उनके किरदार के ईद-गिर्द ही बुनी गई। फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया और अंरुधति उस साल की सारे रिकॉर्ड तोड़ने वाली हिट तेलुगू फिल्म बनीं।

वेदम

2010 में अनुष्का शेट्टी ने अभिनेता अल्लू अर्जुन के साथ फिल्म वेदम में अभिनय किया। इस फिल्म में उन्होंने एक वेश्या की भूमिका निभाई, जो कि इस दलदल से बाहर निकलने की कोशिश करती है। इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर औसत सफलता मिली, लेकिन अनुष्का शेट्टी के काम को खूब सराहा गया।

डमरुकम-मिर्ची

साल 2012 में अनुष्का शेट्टी ने फिर से नागार्जुन के साथ फिल्म डमरूकरम की। इस फिल्म में दर्शकों ने अनुष्का और नागार्जुन की जोड़ी को पसंद किया, फिल्म ने भी औसत कमाई बॉक्स ऑफिस पर कीं। प्रभास के साथ फिल्म बाहुबली से पहले साल 2013 में अनुष्का शेट्टी ने फिल्म मिर्ची में रोमांस किया। यह फिल्म उस साल सबसे अधिक कमाई करने वाली तेलुगू फिल्म बनीं। इस फिल्म की सफलता के बाद ही कई निर्माता, निर्देशक अनुष्का और प्रभास को लेकर फिल्म बनाने की योजना तैयार करने लगे। मिर्ची के बाद अनुष्का ने कई और फिल्मों में भी काम किया जिसमें सिंघम, लिंगा जैसी बड़ी फिल्में शामिल रहीं। वहीं बाहुबली रिलीज होने के बाद अनुष्का ने साइज जीरो, रूद्रामां देवी जैसी वूमेन सेंट्रिक फिल्में भी कीं।

घाटी में होगा चुनौतीपूर्ण किरदार

घाटी नाम की एक तेलुगू फिल्म में अनुष्का काम कर रही हैं, इस फिल्म का पोस्टर हाल ही में रिलीज किया गया है। इसमें उनका लुक बहुत ही अलग नजर आ रहा है। दर्शकों को उम्मीद है कि इस फिल्म में भी अनुष्का शेट्टी उम्दा अभिनय करेंगी।

लोकेश कनगराज ने बताया अपने सिनेमैटिक यूनिवर्स का भविष्य, इस फिल्म के साथ हो जाएगा अंत

साउथ के मशहूर और लोकप्रिय निर्देशक लोकेश कनगराज ने अपने करियर में कई सुपरहिट फिल्मों का निर्देशन किया है। अपनी फिल्मों में कमल हासन, कार्ति, विजय दलपति जैसे अभिनेताओं को निर्देशित करने वाले निर्देशक की फिल्मों को लेकर फैंस काफी उत्साहित रहते हैं। लोकेश ने अपनी फिल्मों का एक अलग ही यूनिवर्स बनाया है, जिसे एलसीयू यानी लोकेश कनगराज सिनेमैटिक यूनिवर्स के नाम से जाना जाता है। अब इस यूनिवर्स को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है, जिसके तहत उन्होंने इस यूनिवर्स की आखिरी फिल्म को लेकर भी जानकारी दी है। हाल ही में एक इंटरव्यू में, लोकेश ने अपने सिनेमैटिक यूनिवर्स को लेकर बताया कि इस यूनिवर्स में सबसे पहले वो कैथी 2 को लाने वाले हैं। उन्होंने कहा, मैंने कैथी 2 लिखना समाप्त कर दिया है, और मेरी पूरी टीम उत्साहित है। जब कैथी 2 की बात आती है, तो यह मेरे लिए होम ग्राउंड जैसा है। यह सब कैथी से शुरू हुआ। मैं डिल्ली के किरदार को वापस लाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मेरे नायकों के पास कोई सुपरपॉवर नहीं है। वे सामान्य इंसान हैं, जो अपने परिवार को बचाने के लिए दुश्मनों से लड़ते हैं। वे भावनात्मक रूप से कोमल हैं और नशा मुक्त समाज हासिल करना चाहते हैं।

इसके अलावा उन्होंने कंगुवा अभिनेता सूर्या के लोकप्रिय किरदार रोलेक्स के ऊपर भी एक फिल्म बनाने की चाहत जाहिर की है। उन्होंने अपने सिनेमैटिक यूनिवर्स के भविष्य को लेकर कहा, मैं कैथी 2 पर आगे काम करूंगा। मैं रोलेक्स पर भी एक अलग फिल्म बनाना चाहता हूं, फिर मैं विक्रम 2 के साथ इस यूनिवर्स को समाप्त करना चाहता हूं। अगर विजय सर ने अपनी रिटायरमेंट की घोषणा नहीं की होती, तो मैं लियो 2 भी बना लेता।

कुछ नया देने की होती है कोशिश

लोकेश ने आगे कहा, मैं चाहता हूं कि मेरी व्यावसायिक फिल्मों में कुछ न कुछ नया हो। जब नायक फिल्मों में नशा मुक्त समाज लाने की कोशिश करते हैं, तो इस बात की बहुत संभावना होती है कि यह युवा दर्शकों को प्रभावित करे, जो उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। उन्होंने अपनी फिल्मों के सभी किरदारों को लेकर कहा कि अब उनके पास सभी किरदार तैयार हैं और उन्हें बस सभी के बिंदुओं को जोड़ने की जरूरत है।

कुली पर कर रहे हैं काम

लोकेश कनगराज अब भारतीय सिनेमा में एक ब्रांड बन चुके हैं। अब वो एक लघु फिल्म बना रहे हैं, जिसमें उन घटनाओं पर प्रकाश डाला जाएगा, जिनके कारण एलसीयू यानी लोकेश कनगराज सिनेमैटिक यूनिवर्स की उत्पति हुई है। इसके अलावा वो वर्तमान में रजनीकांत की कुली पर काम कर रहे हैं, जो उनकी यूनिवर्स से बाहर की एक अलग फिल्म है। इस फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

हुमा कुरैशी ने ठुकराई दो बड़ी फिल्में, कम सैलरी और साथी अभिनेता के कम अनुभव को बताई वजह

अपनी अद्भुत अभिनय के लिए मसहूर हुमा कुरैशी ने हाल ही में दो मुख्य भूमिकाओं वाली फिल्म को अस्वीकार करने के पीछे का कारण का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि इन फिल्मों के लिए उन्हें उच्च वेतन की पेशकश नहीं की गई थी। इसके साथ ही इन फिल्मों में उनके साथ काम करने वाले दूसरे अभिनेताओं में अनुभव की कमी के कारण उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया। उन्होंने बताया कि अगर कोई अभिनेता अपने सोशल मीडिया फॉलोइंग के कारण लोकप्रिय माना जाता है, इसका यह मतलब नहीं कि उसके शो या फिल्मों को दर्शक पसंद करेंगे। एक मीडिया साक्षात्कार में हुमा कुरैशी ने दो नई फिल्मों को न कहने के पीछे के कारमों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि ईमानदारी महत्वपूर्ण है। अन्य अभिनेताओं की लोकप्रियता के बावजूद उन्हें लगता है कि स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उनका अनुभव अन्य अभिनेताओं के अनुभव से मेल नहीं खाता है। उन्होंने कहा, बिना नाम बताए, मुझे दो लीड फिल्मों की पेशकश की गई थी। मैंने उसे स्वीकार नहीं किया, क्योंकि इसमें शामिल अन्य मशहूर अभिनेताओं के पास स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म का मेरे जितना अनुभव नहीं था।

हुमा ने स्पष्ट किया कि वह फिल्मों में काम करने के लिए तैयार हैं, लेकिन तभी जब फिल्मों में अन्य अभिनेताओं की तरह उनके किरदार को भी समान महत्व दिया जाए। उन्होंने आगे कहा कि करियर के इस स्तर पर उन्हें नहीं लगता कि कोई समझौता करने की जरूरत है। टीम ने उन्हें आश्वासन दिया कि यह दो मुख्य भूमिका वाली फिल्म है, हुमा ने स्पष्ट किया कि एक वरिष्ठ अभिनेता के रूप में उन्हें उच्च वेतन की उम्मीद है। जब टीम के साथ कोई समझौता नहीं हुआ तब उन्होंने दोनों फिल्मों को करने से इनकार कर दिया। जॉली एलएलबी 2 की अभिनेत्री ने कहा, उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि दोनों मुख्य भूमिका वाली फिल्में हैं, लेकिन एक वरिष्ठ अभिनेत्री के तौर पर मैंने उच्च वेतन की मांग की थी। हमारे बीच बात नहीं बनी और मैंने काम करने से इनकार कर दिया।

दुलकर सलमान के फैंस लंबा नहीं होगा इंतजार, लकी भास्कर के बाद ये प्रोजेक्ट्स हैं कतार में

दुलकर सलमान मलयालम फिल्मों के बड़े सुपरस्टार हैं। उन्हें तमिल और तेलुगु दर्शकों द्वारा भी काफी पसंद किया जाता है। हाल में ही उनकी फिल्म लकी भास्कर रिलीज हुई है। इस फिल्म के लिए उन्हें काफी सराहना भी मिली है। इस फिल्म के लिए अभिनेता ने खुद तमिल डबिंग भी की थी। उन्हें उनके शानदार अभिनय के लिए काफी ज्यादा प्यार मिलता है। अभिनेता के फैंस के लिए खुशी की बात है कि लकी भास्कर के बाद भी अभिनेता को देखने के लिए उन्हें लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। अभिनेता के कई आगामी प्रोजेक्ट्स इस वक्त कतार में हैं, जिनमें फिल्में तथा वेब सीरीज भी शामिल हैं।

आकाशम लो ओका तारा

दुलकर सलमान जल्द ही अपने आगामी तेलुगु प्रोजेक्ट आकाशम लो ओका तारा में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में दुलकर सलमान मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। कथित तौर पर साई पल्लवी से फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के लिए बातचीत चल रही हैं। पवन सादिनेनी द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित फिल्म के अगले साल 2025 तक रिलीज होने की उम्मीद है। दुलकर सलमान और साई पल्लवी ने इससे पहले 2016 में रिलीज हुई रोमांटिक थ्रिलर फिल्म काली में भी स्क्रीन साझा किया था।

सूर्या 43

निर्देशक सुधा कोंगारा और तमिल सुपरस्टार सूर्या की इस आगामी फिल्म में दुलकर सलमान भी नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का नाम अस्थायी रूप से सूर्या 43 रखा गया है। अब तक, निर्माताओं ने फिल्म के आधिकारिक शीर्षक को गुप्त रखा है। इस फिल्म में सूर्या और दुलकर सलमान के अलावा नाजरिया फहाद और विजय वर्मा भी नजर आने वाले हैं। फिल्म की रिलीज को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

गन्स एंड गुलाब्स सीजन 2

पिछले साल फिल्म निर्माता जोड़ी राज और डीके कॉमेडी क्राइम थ्रिलर, गन्स एंड गुलाब्स लेकर आए थे। इस वेब सीरीज में दुलकर सलमान, राजकुमार राव, आदर्श गौरव, गुलशन देवैया, पूजा गौर, श्रेया धनवंतरी, सतीश कौशिक आदि कलाकार नजर आए थे। पहले सीजन की सफलता के बाद, निर्माताओं ने गन्स एंड गुलाब्स सीजन 2 की घोषणा कर दी है। इस सीरीज के दूसरे सीजन में भी दुलकर सलमान वापस से नजर आने वाले हैं।

कांथा

दुलकर सलमान और राणा दग्गुबाती फिल्म कांथा में साथ नजर आने वाले हैं। दोनों सितारे ने जल्द ही सेल्वमनी सेल्वराज निर्देशित फिल्म में साथ दिखेंगे। दोनों ही कलाकार इस फिल्म का सह-निर्माण भी कर रहे हैं। कांथा 1950 के दशक की मद्रास में स्थित है। फिल्म में इतिहास और तत्कालीन सामाजिक परिवर्तन के साथ-साथ मानवीय रिश्तों की जटिलताओं को दिखाया जाएगा।

पिछली कुछ फिल्मों की असफलता पर बोलीं सामंथा

सामंथा रुथ प्रभु साउथ की मशहूर अभिनेत्री हैं, जो हिंदी वेब सीरीज में भी नजर आ चुकी। वह इन दिनों अपनी एक और हिंदी वेब सीरीज सिटाडेल हनी बन्नी को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच अभिनेत्री ने अपनी पिछली कुछ फिल्मों की असफलताओं पर बात की है। इंस्टाग्राम पर आस्क मी एनीथिंग सेशन के दौरान, सामंथा ने कुछ निराशाओं का सामना करने की बात स्वीकार की। उन्होंने कहा, मैं मानती हूं कि मैंने अतीत में कुछ गलतियां की हैं, चीज़ें वास्तव में काम नहीं आईं और मैं असफलता को स्वीकार करती हूं। उन्होंने आगे कहा, मैं स्वीकार करती हूं कि पिछली कुछ फिल्मों में मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया होगा।